वार्षिक रिपोर्ट

2004-2005

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट
2004-2005

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (200 प्रतियाँ)

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान के लिए कुलसचिव, नीपा द्वारा प्रकाशित तथा पीएसी प्रिंटोफास्ट, बी-275, अवन्तिका सैक्टर-1 रोहिणी, नई दिल्ली द्वारा टाईपसेट होकर अनिल आफसेट एण्ड पैकेजिंग प्रा. लि., जवाहर नगर, नई दिल्ली में नीपा के प्रकाशन एकक द्वारा मुद्रित।

विषय सूची

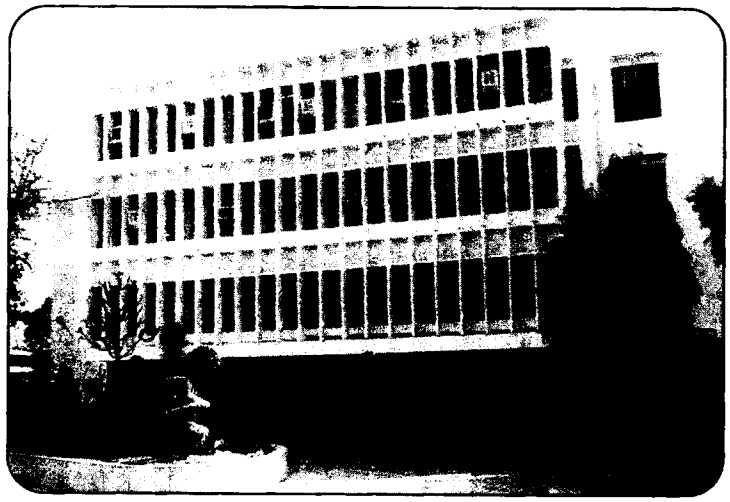

अध्याय

1.	विहंगावलोकन	1
2.	प्रशिक्षण	9
3.	अनुसंधान	19
4.	प्रकाशन	21
5.	पुस्तकालय / प्रलेखन केंद्र और अकादमिक समर्थन प्रणाली	23
6.	सूचना प्रौद्योगिकी समर्थन प्रणाली	29
7.	संगठन, प्रशासन और वित्त	31

अनुलग्नक

I.	प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन	35
II.	संकाय का अकादमिक योगदान	43

परिशिष्ट

I.	नीपा परिषद्	71
II.	नीपा कार्यकारी समिति	74
III.	वित्त समिति	75
IV.	योजना और कार्यक्रम समिति	76
V.	संकाय तथा प्रशासनिक स्टाफ	78
VI.	वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट	81

मिशन और उद्देश्य

- शैक्षिक योजना और प्रशासन में उत्कृष्टता का ऐसा राष्ट्रीय केंद्र विकसित करना जो योजना और प्रशासन की गुणवत्ता में सुधार लाए और इसके लिए अध्ययन, नए विचारों और तकनीकों के सृजन का रास्ता अपनाए तथा कार्यनीतिक समूहों के साथ विचार-विमर्श कर और प्रशिक्षण के माध्यम से इनका प्रचार-प्रसार करे;
- केंद्र, राज्यों और संघ राज्यों की सरकारों के वरिष्ठ शिक्षाधिकारियों के लिए सेवा-पूर्व और सेवाकालीन अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, बैठकों, संगोष्ठियों तथा परिचय-सत्रों का आयोजन करना;
- महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र से संबद्ध प्रशासकों के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का आयोजन करना;
- संस्थान के समान कार्यों से संबद्ध संस्थानों का नेटवर्क विकसित करना और ऐसी समर्थनकारी तथा समन्वयनकारी भूमिका अदा करना जिससे राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों और प्रादेशिक क्षेत्रों का क्रमिक विकास हो सके;
- केंद्र और राज्य सरकारों में शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी नीति-निर्माण से जुड़े विधिनिर्माताओं समेत राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, संगोष्ठी और सामूहिक परिचर्चा का आयोजन करना;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन के विभिन्न पक्षों पर शोधकार्य करना, उन्हें सहायता और प्रोत्साहन देना और उनका समन्वय करना, इनमें भारत के विभिन्न राज्यों और अन्य देशों में प्रयुक्त योजनाकारी तकनीकों और प्रशासनिक कार्यप्रणालियों के तुलनात्मक अध्ययन भी शामिल हैं;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में कार्य कर रहे कार्मिकों, संस्थानों और एजेंसियों का अकादमिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन करना;
- राज्य सरकारों और शिक्षा संस्थानों के क्षेत्र में कार्य कर रहे कार्मिकों, संस्थानों और एजेंसियों का अकादमिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन करना;
- राज्य सरकारों और शिक्षा संस्थाओं के अनुरोध पर सलाहाकारी सेवाएं प्रदान करना;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार कार्य से संबंधित विचारों और सूचनाओं के लिए वितरण-केंद्र के रूप में कार्य करना;
- इन उद्देश्यों की अधिकाधिक पूर्ति के लिए भारत और विदेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विश्वविद्यालय प्रबंध और प्रशासन के क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के साथ सहयोग करना;
- अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति और अकादमिक प्रोत्साहनवृत्ति प्रदान करना;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन से जुड़े विख्यात शिक्षाविदों को मानद अध्येतावृत्ति प्रदान करना; और
- अन्य देशों और विशेष रूप से एशियाई देशों के अनुरोध पर शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना तथा ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन में उनका सहयोग करना।

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक शीर्षस्थ भारतीय संस्थान है। आरंभ में 1961-62 में एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के शैक्षिक योजनाकर्मियों, प्रशासकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के लिए यूनेस्को के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में इसकी स्थापना की गई थी। अब नीपा पंजीकृत सोसायटी के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा पूर्णत: प्रायोजित एक स्वायत्त संस्थान है। इसके स्वायत्त स्वरूप के कारण इसके दर्शन, आंतरिक कार्यकलापों और विकास की दिशा में भी परिवर्तन हुआ है। आरंभ में यह शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक प्रशिक्षण संस्थान था परंतु अब इसके कार्यकलापों का केंद्र बिंदु बदल गया है और यह एक संसाधन संस्थान के रूप में कार्यरत है। संस्थान में पहले केवल स्टाफ प्रशिक्षण पर बल दिया जाता था परंतु अब शोध और व्यावसायिक क्षमता विकास के प्रयासों पर बल दिया जाता है। मानव क्षमता विकास कार्यक्रमों को शोध अध्ययनों के आधार पर संवर्धित किया जाता है।

संस्थान के चार्टर के अनुसार इसकी गतिविधियों को मुख्यत: पांच वर्गों में विभाजित किया गया है :

- शोध
- प्रशिक्षण
- परामर्श
- विस्तार, और
- प्रसारण

इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संस्थान में तीन प्रकार के अकादमिक एकक - विषयवार एकक, स्तरवार एकक और स्थानिक एकक स्थापित किए गए हैं। विषयवार अकादमिक एकक हैं :

- योजना
- प्रशासन
- नीति
- वित्त, तथा
- संक्रियात्मक शोध और प्रणाली प्रबंधन

शैक्षिक स्तर के दो एकक हैं :

- विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक, तथा
- उच्च शिक्षा एकक

स्थानिक स्तर के दो एकक हैं :

- प्रादेशिक प्रणाली एकक, और
- अंतर्राष्ट्रीय एकक

अकादमिक गतिविधियों को मुख्य रूप से तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है : (1) क्षमता निर्माण, (2) ज्ञान का सृजन, अनुप्रयुक्त शोध और क्रियात्मक शोध , और (3) ज्ञान का प्रसार, परामर्श, व्यावसायिक समर्थन और प्रकाशन ।

क्षमता विकास

कार्यक्रम के प्रमुख क्षेत्र

प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेष बल शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण सेवाओं की नेटवर्किंग पर और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है। इसका उद्देश्य क्षेत्र, राज्य, स्थान और संस्था के स्तर पर प्रशिक्षण की क्षमताओं का विकास करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर बल दिया जाता है, जैसे — सबके लिए शिक्षा, व्यष्टिस्तरीय योजना, जिला स्तर पर योजना, संस्था स्तर पर योजना और मूल्यांकन, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों की योजना और प्रबंधन, आदिवासी शिक्षा, विकेंद्रीकृत प्रशासन, लैंगिक प्रश्न, पर्यावरण शिक्षा, कंप्यूटरों का अनुप्रयोग, और (i) अकादमिक स्टाफ कालेजों, (ii) स्वायत्त महाविद्यालयों की योजना और विकास, तथा (iii) गुणवत्ता के लिए योजना और विकास।

विस्तार

संस्थान ने इस साल 56 कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनमें भारत के विभिन्न भागों से 1340 और दुनिया के 45 देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से 380 भागीदारों को भाग लेने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण सामग्री

क्षेत्र, राज्य और राष्ट्र के स्तर पर क्षमता के विकास के लिए संस्थान द्वारा शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में स्व शिक्षा माड्यूल, आलेख और सांख्यिकीय आंकड़ों की रिपोर्टें तैयार की गई हैं। संकाय ने प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विभिन्न स्रोतों के आधार पर, कार्यक्रमों के विषयों पर पठन सामग्री तैयार की जो भागीदारों को उपलब्ध कराई जाती हैं।

प्रशिक्षण की पद्धति

नीपा एक अंतर-शास्त्रीय संस्थान है। इसके सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-शास्त्रीय आधार पर संचालित किए जाते हैं। तद्नुसार कार्यक्रम की विधि की रूपरेखा तैयार की जाती हैं। निरापवाद स्वरूप सभी कार्यक्रमों की कार्यविधियों में व्याख्यान, व्याख्यान परिचर्चा, अभिप्रेरणा, भूमिका-प्रदर्शन, केस अध्ययन, व्यावहारिक और सामूहिक कार्य, प्रतिभागी संगोष्ठियां आदि सहित आधुनिकतम

बहुमाध्यमों का प्रयोग किया जाता हैं। संस्थान के प्रशिक्षण कक्ष आधुनिकतम शैक्षिक प्रौद्योगिकी, जैसे — एल. सी. डी. प्रोजेक्टर के साथ कंप्यूटर, वीडियो और टेलिविजन, ओवर हैड प्रोजेक्ट, व्हाइट मार्कर बोर्ड, पन्ना बोर्ड, आदि से पूर्णत: सुसज्जित हैं। नीपा संकाय इन उपकरणों के प्रयोग की तकनीक से पूरी तरह परिचित है और नियमित रूप से इनका प्रयोग करते हैं। कार्यक्रम विधि में क्षमता विकास के लिए एक प्रमुख हस्तक्षेप के रूप में प्रतिभागियों के लिए क्षेत्रीय अध्ययन दौरे का आयोजन भी सम्मिलित है जो प्रतिभागियों को सांस्थानिक नियोजन और प्रबंधन की नवाचारी विधियों की जांच पड़ताल कर अनुकूल विधि के प्रतिपादन के लिए प्रोत्साहित करता है।

कार्यक्रम की योजना में नीचे से ऊपर की प्रतिभागिता विधि का प्रयोग किया जाता है। संकाय सदस्य व्यक्तिगत रूप में कार्यक्रम के प्रस्ताव तैयार करतें हैं। एकक स्तर पर, एकक अध्यक्षों की बैठकों और संकाय परिषद की बैठक में संकाय स्तर पर उनके प्रस्तावों की समीक्षा की जाती है। इसके बाद कार्यक्रम योजना समिति, वित्त समिति और कार्यकारी समिति के सम्मुख अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाता है। इन समितियों में संस्थान के बाहर के विशेषज्ञ होते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम को प्रारंभ करने से पहले विशेष रूप से गठित कार्य बल में इस पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाता है। प्रत्येक कार्यक्रम के प्रतिभागी भी उस कार्यक्रम का मूल्यांकन करते है। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत मूल्यांकन टिप्पणी के आधार पर भावी कार्यक्रमों में पुन: परिवर्तन और सुधार किया जाता है।

अनुसंधान

नीपा मुख्यत: एक शोध संस्थान है। इस संस्थान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसके संकाय का प्रत्येक सदस्य शोधकर्ता है। संस्थान के शोध कार्यों को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है : समनुदेशित या आवंटित शोध कार्य और स्वनिरूपित शोध कार्य। भारत सरकार, विशेषकर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, योजना आयोग, विभिन्न सरकारी अभिकरण, जैसे — विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य स्तरीय संगठन और भारत में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय संगठन नीपा को शोध अध्ययन कार्य आवंटित करते हैं। ऐसे शोध कार्यों को संबंधित अभिकरण प्रायोजित करते हैं। ऐसे शोध कार्य प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों, परियोजनाओं और योजनाओं का पृष्ठपोषण और अनुश्रवण में आधारभूत स्रोत का कार्य करते हैं। दूसरी श्रेणी के शोध कार्यों में वे शोध आतें हैं जिन्हें संबंधित संकाय सदस्य अपने विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र के अनुसार निरूपित करते हैं। ऐसे शोध अध्ययनों को संस्थान अपने बजट संसाधनों से अनुदान प्रदान करता है। संस्थान अपने उद्देश्यों के अनुसार देश के विभिन्न शोध संस्थानों के परियोजना अध्ययनों को प्रायोजित करके शोध को बढ़ावा देता है। इसके अलावा संस्थान विभिन्न संस्थानों के साथ मिलकर शोध परियोजना अध्ययन भी करता है।

समीक्षाधीन वर्ष में 6 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हुईं। 24 अनुसंधान अध्ययनों को मंजूरी दी गई/जारी थे।

परामर्शकारी और व्यावसायिक सहयोग

परामर्शकारी और समर्थनकारी सेवा नीपा चार्टर का एक अभिन्न भाग है। संस्थान शैक्षिक नीति निर्माण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, योजना आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अन्य राष्ट्रीय निकायों के कार्यक्रमों के विकास, योजना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन संबंधी कार्यों में पूरी तरह सम्मिलित होता है। नीपा शिक्षा के सभी स्तरों पर व्यावसायिक सहयोग देता है। यह राज्य सरकारों और राज्य स्तरीय संगठनों ,जैसे — एस सी ई आर टी, सीमैट, राज्य उच्च शिक्षा परिषदों, आदि को भी समर्थनकारी सेवाएं प्रदान करता है। इन राष्ट्रीय और राज्य स्तर की समर्थनकारी सेवाओं के अलावा नीपा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, जैसे — यूनेस्को, विश्व बैंक, सीडा और अन्य दूसरे अभिकरणों को भी व्यावसायिक समर्थन प्रदान करता है।

नीपा संकाय के कई सदस्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मसलों पर उनकी परामर्शकारी सेवाएं ली जाती हैं। नीपा ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान परामर्श के क्षेत्र में एक नई पहल की है। संस्थान को अपने पड़ोसी देश, नेपाल में एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषित परियोजना -विकेंद्रित योजना के अंतर्गत व्यावसायिक समर्थन के लिए आमंत्रित किया गया। इस परियोजना को संस्थान व्यावसायिक सेवा प्रदान कर रहा है।

सूचनाओं का प्रसार

प्रकाशन

नीपा के शोध और संकल्पनात्मक ज्ञान के प्रचार-प्रसार का मुख्य माध्यम प्रकाशन है। विगत वर्षों के सतत प्रयासों से संस्थान में मजबूत प्रकाशन कार्यक्रम का विकास हुआ है जिसमें कई महत्वपूर्ण घटक भी सम्मिलित हैं।

संस्थान नियमित रूप से *नीपा न्यूज लेटर* और *एन्ट्रिप न्यूज लेटर* का प्रकाशन करता है। नीपा *एन्ट्रिप* (शैक्षिक योजना प्रशिक्षण और शोध संस्थान नेटवर्क) का मुख्यालय भी हैं।

नीपा अंग्रेजी *में जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* और हिंदी में *परिप्रेक्ष्य* नामक व्यावसायिक शोध पत्रिका का प्रकाशन करता है।*जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका है जिसका लगभग 60 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के साथ विनिमय होता है।

संस्थान में दो प्रकार के समसामयिक प्रकाशन निकाले जाते हैं। पहला, समसामयिक आलेख के रूप में प्रकाशित होता है जिसे नीपा संकाय तैयार करता है। दूसरा समसामयिक प्रकाशन बेस्ट *प्रैक्टिसेज़ इन एजुकेशन* के रूप में प्रकाशित किया जाता है जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक नवाचार का दस्तावेज है।

नीपा शोध रिपोर्टें, सम्मेलनों की कार्यवाहियां और संकाय द्वारा तैयार शैक्षिक सामग्री का प्रकाशन करता है। हाल ही में संस्थान ने शैक्षिक और शोध रिपोर्टों का समूल्य प्रकाशन भी आरंभ किया है। इसके अलावा नीपा की ओर से प्रकाशन और प्रसार का व्यापक विस्तार करने के लिए निजी प्रकाशकों का सहयोग भी लिया गया है।

समीक्षाधीन वर्ष में 10 पुस्तकें तथा शोध पत्रिकाओं के सात अंक — अंग्रेजी जर्नल के चार और हिंदी जर्नल - *'परिप्रेक्ष्य'* के तीन नीपा और *एन्ट्रिप* न्यूज लेटर के दो अंक प्रकाशित किए गए।

समीक्षाधीन वर्ष में अनेक मिमियोग्राफ, शोध पत्रों और रिपोर्टों के अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रम, वार्षिक रिपोर्ट, आईडेपा और डेपा के घोषणापत्र प्रकाशित किए गए।

अकादमिक और सहायक एकक

संस्थान के अकादमिक कार्यक्रम नौ अकादमिक एककों द्वारा संचालित किए जाते हैं। इन अकादमिक और सहायक एककों का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है :

अकादमिक एकक

शैक्षिक योजना एकक : आज हम केंद्रीकृत की जगह विकेंद्रीकृत योजनाओं पर जोर दे रहे हैं। योजना एकक में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श का केंद्र भी बदला है। हमारा मुख्य प्रयास है संस्था, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर योजना के आगतों,

प्रक्रियाओं और उत्पादों का एकीकरण करना। अर्थव्यवस्था का उदारीकरण आरंभ होने के बाद अब परंपरागत अर्थों में व्यापक योजना की जगह कार्यनीतिक, सांकेतिक योजना पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। यह एकक अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श से संबंधित कार्यक्रम संचालित करता है।

शैक्षिक प्रशासन एकक : इस एकक का प्रमुख बल शैक्षिक प्रबंधन में अनुसंधान और प्रशिक्षण पर है। यह संस्था प्रमुखों तथा क्षेत्र स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यक्रम आयोजित करता है। यह एकक वर्तमान में नेपाल में शिक्षा के विकेंद्रीकरण पर परामर्श परियोजना संचालित कर रहा है जिसमें दूसरे एककों के विशेषज्ञ भी सम्मिलित हैं।

शैक्षिक वित्त एकक : यह विषयगत एकक शिक्षा के वित्तपोषण, योजना तकनीक तथा नीति-निर्धारण के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों – शिक्षा, साक्षरता तथा प्रौढ़ शिक्षा के औपचारिक तथा अनौपचारिक स्तर पर प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर तथा तकनीकी शिक्षा में सरकारी तथा गैर सरकारी संसाधनों की लामबंदी, संसाधनों का आवंटन तथा उनके उपयोग को केंद्र बिंदु बनाकर शोध, प्रशिक्षण तथा परामर्श कार्य करता है। शिक्षा का सार्वजनिक वित्त पोषण तथा शिक्षा में आंतरिक तथा बाह्य निवेश अनुसंधान तथा प्रशिक्षण के कुछ अन्य महत्वपूर्ण विषय है।

शैक्षिक नीति एकक : यह विषयगत एकक केंद्र, राज्य तथा संस्था के स्तर पर शिक्षा के सभी क्षेत्रों, जैसे – विद्यालय, अनौपचारिक, औपचारिक, उच्च, प्रौढ़ तथा दूरवर्ती शिक्षा से संबंधित शैक्षिक नीति, योजना क्रियान्वयन, समीक्षा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन पर बल देता है। यह नीति-निर्माण, क्रियान्वयन, समीक्षा तथा मूल्यांकन में राष्ट्रीय समर्थन प्रणाली के रूप में कार्य करता है। यह एकक नीति-निर्माताओं, योजनाकारों, प्रशासकों, तथा क्रियान्वयनकर्त्ताओं के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा परामर्श के माध्यम से करता है। इसके अतिरिक्त शोध-कार्य, रोटेशनल हेडशिप, स्व-वित्त पोषित कार्यक्रमों, मानित विश्वविद्यालयों, मानवाधिकारों, महिला अध्ययन इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परिचर्चा, संगोष्ठी, कार्यशाला तथा परिचर्चा बैठकों को भी आयोजित करता है।

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक : इस एकक का मुख्य कार्य शिक्षा के विकास और सतत सुधार के लिए विद्यालय शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत अनुभवाश्रित आधार प्रदान करना है। इस एकक द्वारा शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में छह माह का डिप्लोमा नियमित रूप से आयोजित किया जाता है। यह संस्थान का एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है। यह एकक प्रादेशिक, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक व्यवस्था के पुनर्गठन तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के संपर्क में रहता है।

उच्च शिक्षा एकक : इस एकक के प्रमुख कार्य हैं : (अ) उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन में ज्ञान/सूचना का सृजन तथा प्रसार करना; (ब) कॉलेज प्राचार्यों तथा विश्वविद्यालय तथा राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं के माध्यम से योजना तथा प्रबंधन क्षमताओं को विकसित करना; (स) उच्च शिक्षा के क्रियान्वयनकारी संस्थानों, योजना तथा नीति-निर्माण से जुड़ी संस्थाओं को तकनीकी तथा व्यावसायिक सहयोग प्रदान करना।

प्रादेशिक प्रणाली एकक : जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) तथा राज्य शैक्षिक प्रबंधन और प्रशिक्षण संस्थान (सीमैट) के संकाय का क्षमता निर्माण तथा राज्य और जिला स्तर के योजनाकारों और प्रशासकों की विकेंद्रीकृत तथा स्थानीय योजना की क्षमता को सुदृढ़ करना इसका मुख्य कार्य है। डी.पी.ई.पी. कार्यक्रमों में अनुसंधान आधारित हस्तक्षेप तथा केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन, इस एकक के शोध के प्रमुख विषय हैं।

अंतर्राष्ट्रीय एकक : यह एकक नीपा का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र है। यह एकक नियमित रूप से शैक्षिक योजना और प्रशासन में छह माह का अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करता है। यह संस्थान का एक विशिष्ट कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का लाभ अनेक

विकासशील देशों ने उठाया है। इसके अतिरिक्त यह एकक मांग के आधार पर शैक्षिक योजना और प्रबंधन में देश-विशिष्ट कार्यक्रमों को भी आयोजित करता है। शैक्षिक योजना और प्रबंधन में तुलनात्मक अध्ययन इस एकक की एक और विशिष्टता है। यह एकक नीपा के माध्यम से अर्धवार्षिक एंट्रीप (एशियन नेटवर्क आफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग) पत्रिका भी प्रकाशित करता है। इसका उद्देश्य सदस्य संस्थानों में शैक्षिक योजना और प्रशासन में नवाचार तथा अनुसंधान का प्रसार करना है।

संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन एकक : यह एकक तंत्र प्रबंधन, सूचना प्रणाली, नियंत्रण प्रणाली, शिक्षा में संक्रियात्मक अनुसंधान, योजना निर्माण तथा निर्णय समर्थन प्रणाली प्रबंधन संबंधी मुद्दों और विषयों पर कार्य करता है। यह एकक सूचना प्रणाली की रूपरेखा, विकास तथा क्रियान्वयन के लिये जिला तथा राज्य स्तरीय स्टाफ के कंप्यूटर में क्षमता निर्माण पर विशेष बल देता है। यह जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना के लिए तकनीकी तथा व्यावसायिक सहयोग भी प्रदान करता है।

समर्थनकारी एकक

पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र : नीपा में शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर एक विशिष्ट पुस्तकालय है। पुस्तकालय में लगभग 59,078 पुस्तकें हैं और नियमित रूप से 240 से अधिक भारतीय तथा विदेशी पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं। पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है तथा नेटवर्क से जुड़ा है। पुस्तकालय इंटरनेट, एरिक तथा डेलनेट के माध्यम से संदर्भ-सेवाएं प्रदान करता हैं। यह पुस्तकालय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में बहुत ही समृद्ध संदर्भ संसाधन केंद्र है।

प्रलेखन केंद्र में राज्य गजट, राज्य जनगणना रिपोर्ट, विश्व हस्तपुस्तिकाएं, शैक्षिक सर्वेक्षण पंचवर्षीय योजना इत्यादि की राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की सरकारी रिपोर्टों, प्रलेखों तथा अन्य प्रकाशनों का एक विशिष्ट संग्रह है। शिक्षा पर नवीनतम प्रलेखों के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं है।

प्रकाशन एकक : नीपा का अपना एक प्रयोजन मूलक प्रकाशन कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य समसामयिक आलेखों, पत्रिकाओं, न्यूजलेटर, पुस्तकों तथा रिपोर्टों के माध्यम से शिक्षा में अनुसंधान तथा विकास का प्रसार करना है। कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन है : जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, परिप्रेक्ष्य, एंट्रीप न्यूजलेटर तथा नीपा न्यूजलेटर। इसने पुस्तक के रूप में कई अनुसंधान, संगोष्ठी तथा सम्मेलन की रिपोर्टें प्रकाशित की हैं। संस्थान ने विभिन्न राज्यों तथा संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्टों की एक श्रृंखला भी प्रकाशित की है।

आंकड़ा और शब्द संसाधन एकक : यह एकक संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं की पूरा करता है। नीपा अपने दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक कार्यकलापों को पूर्ण करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का भरपूर प्रयोग करता है। सभी संकाय सदस्यों, प्रशासनिक अनुभागों तथा वित्त अनुभागों और पुस्तकालय के पास ई-मेल तथा इंटरनेट सुविधा के साथ नवीनतम कंप्यूटर हैं। यह एकक कंप्यूटर अनुप्रयोग के प्रति जागरूकता लाने में योगदान करता है तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बोधगम्य मॉड्यूल भी तैयार करता है।

हिंदी कक्ष : यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी प्रशासन और संकाय को सहयोग देता है।

मानचित्रण कक्ष : यह कक्ष मानचित्रों, ग्राफों, चार्टों, तालिकाओं तथा ट्रान्सपीरेन्सीज के माध्यम से सूचना और आंकड़ों के नवाचारी प्रस्तुतिकरण द्वारा अनुसंधान और प्रसार हेतु कंप्यूटरीकृत मानचित्रण सेवाएं प्रदान करता है।

आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम का उद्घाटन सत्रः नीपा-नेपाल परियोजना

डिस्ट्रिक्ट रिपोर्ट कार्ड 2004 (डाइस) का लोकार्पण समारोह

अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के प्रतिभागी

25वें डेपा कार्यक्रम की कक्षा की एक झलक

प्रशासन और वित्त

प्रशासन : प्रशासनिक व्यवस्था में सामान्य, अकादमिक और कार्मिक प्रशासन आते हैं। 31 मार्च, 2005 तक अकादमिक और प्रशासनिक, दोनों प्रकार के कार्मिकों की संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ सदस्य संख्या 163 थी। इनके अलावा विभिन्न परियोजनाओं में उनकी अपनी-अपनी अवधियों तक के लिए नियुक्त 31 परियोजनाकर्मी भी थे।

वित्त : इस वर्ष संस्थान को कुल 525.33 लाख रुपये का अनुदान मिला (गैर-योजना मद में 264.79 लाख रुपये और योजना मद में 260.54 लाख रु.)। वर्ष के आरंभ में संस्थान के पास योजना और गैर-योजना, दोनों मदों में 15.35 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान कार्यालय और छात्रावास से 20.17 लाख रुपए की प्राप्ति हुई। योजना और गैर-योजना मदों में इस वर्ष का व्यय 595.27 लाख रुपये था।

दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष के दौरान संस्थान के पास 144.97 लाख रुपये थे और 266.96 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष में कुल 185.08 लाख रुपये खर्च किए गए।

परिसर की सुविधाएं : संस्थान के पास एक चार-मंजिला कार्यालय, व सुसज्जित व स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास-क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप I के 16, टाइप II से V तक के 8-8 क्वार्टर और एक निदेशक आवास हैं। संस्थान ने हाल ही में डी.डी.ए. से द्वारका में 25 विस्तार योग्य मकान खरीदे हैं तथा इनमें एक और कक्ष बनाने का प्रस्ताव है। छात्रावास को वर्ष के दौरान 8.48 लाख रुपये की प्राप्ति हुई।

प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, संस्थान के मुख्य कार्यकलापों में से एक हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के अधिकारियों तथा विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय डिप्लोमा, अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठी तथा सम्मेलन इत्यादि आयोजित किये। संस्थान ने विकासशील देशों के शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम भी आयोजित किया।

दृष्टिकोण और मुख्य बल

प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की रूपरेखा संबंधित क्षेत्र के नए विकासक्रमों से उत्पन्न आवश्यकताओं के अनुसार बनाई जाती है। कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाते समय भागीदारों और निर्णयकर्त्ताओं द्वारा पहचानी गई प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं पर भी विचार किया जाता है। कार्यक्रमों का आयोजन करते समय पिछले भागीदारों द्वारा दिए गए सुझावों को भी ध्यान में रखा जाता है। कार्यक्रमों के ब्यौरों पर विचार-विमर्श के लिए कार्यबल गठित किए जाते हैं।

इसके अलावा, संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची बनाते समय प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जाता है। जैसे विद्यालय प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक शिक्षा की योजना और प्रबंधन, सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय योजना की विधि और तकनीक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों/जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों की योजना और प्रबंधन, शिक्षा में मात्रात्मक शोध की तकनीक, प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण की योजना और प्रबंधन और शिक्षा में कंप्यूटर की भूमिका आदि। डी.पी.ई.पी. जिलों में कार्यरत कार्मिकों के लिए संस्थान ने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से विकासशील देशों के शिक्षाकर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी केंद्रीय भूमिका निभाता आ रहा है।

संस्थान समकालीन आवश्यकता के अनुसार धीरे-धीरे अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर तथा राज्य और क्षेत्र स्तर की संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के शिक्षाशास्त्र विभागों के नेटवर्किंग पर जोर दे रहा है।

प्रशिक्षण सामग्री

नीपा का संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान पर आधारित प्रशिक्षण सामग्री की तैयारी में सक्रिय रहा है। कार्यक्रमों के दौरान यह सामग्री भागीदारों के लिए बुनियादी लेखों का काम करती है। इन सामग्रियों के साथ संबंधित विषयों पर प्रकाशित साहित्य भी प्रदान किया जाता है।

मूल्यांकन

प्रशिक्षण के हर कार्यक्रम का औपचारिक मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में एक संरचनाबद्ध प्रपत्र पर हर भागीदार से कार्यक्रम का मूल्यांकन करने को कहा जाता है। लंबी अवधि के कार्यक्रमों में इस मूल्यांकन से पहले एक या दो मध्यावधि मूल्यांकन किए जाते हैं।

भागीदारी

वर्ष 2004-2005 में संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुल 52 प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सम्मेलनों और डिप्लोमा कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में कुल 1720 व्यक्तियों ने भाग लिया। इनमें से 1340 भागीदार राष्ट्रीय और 380 भागीदार अंतर्राष्ट्रीय थे। 2004-2005 में आयोजित कार्यक्रमों की सूची अनुलग्नक-I में दी गई है।

इस वर्ष आयोजित कार्यक्रम दो प्रकार के थे : (अ) डिप्लोमा कार्यक्रम और (ब) शैक्षिक योजना और प्रशासन पर सामान्य या विषयवार कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर संक्षिप्त अवधि के विषय केंद्रित कार्यक्रम। संस्थान द्वारा आयोजित श्रेणीवार कार्यक्रम तालिका I में दिए गए हैं।

तालिका I

2004-2005 में संस्थान द्वारा आयोजित श्रेणीवार कार्यक्रम

कार्यक्रमों की श्रेणी	*कार्यक्रमों की संख्या*	*अवधि (दिन)*	*भागीदारों की संख्या*
डिप्लोमा कार्यक्रम			
(अ) राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम*	2	186	44
(ब) अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम*	2	179	85
शैक्षिक योजना और प्रशासन पर विषयवार कार्यक्रम			
विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए योजना और प्रबंध में प्रशिक्षण	7	29	217
उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन	8	55	339
विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टि स्तरीय योजना	1	5	39
शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन	2	10	45
जि.शि.प्र.सं. और राज्य शै.अ.प्र.प. की योजना और प्रबंधन	4	27	110
शैक्षिक योजना में मात्रात्मक अनुसंधान की विधियां	1	12	27
डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी. कार्यक्रम	8	19	250
आईडेपा के अलावा अन्य अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	11	80	295
अन्य कार्यक्रम	10	27	269
योग	**56**	**629**	**1720**

*इस सूची में पहले से जारी दो कार्यक्रम (एक राष्ट्रीय और एक अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम) शामिल हैं।

संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में देश के लगभग सभी राज्यों और संघीय क्षेत्रों ने भाग लिया। राज्यवार भागीदारी तालिका II में दिखाई गई है।

तालिका II
राज्यवार भागीदारी

क्रम संख्या	*राज्य/संघीय क्षेत्र*	*भागीदारों की संख्या*
1.	आंध्रप्रदेश*	27
2.	अरुणाचल प्रदेश*	16
3.	असम*	29
4.	बिहार*	73
5.	छत्तीसगढ़*	61
6.	गोवा	11
7.	गुजरात	46
8.	हरियाणा	40
9.	हिमाचल प्रदेश	48
10.	जम्मू-कश्मीर*	58
11.	झारखंड*	21
12.	कर्नाटक	50
13.	केरल	63
14.	मध्यप्रदेश*	36
15.	महाराष्ट्र	37
16.	मणिपुर	09
17.	मेघालय	18
18.	मिजोरम	24
19.	नागालैंड	26
20.	उड़ीसा*	30
21.	पंजाब	41
22.	राजस्थान*	18
23.	सिक्किम	43
24.	तमिलनाडु	47
25.	त्रिपुरा	14
26.	उत्तरांचल*	80
27.	उत्तरप्रदेश*	41

क्रमशः

क्रम संख्या	*राज्य/संघीय क्षेत्र*	*भागीदारों की संख्या*
28.	पश्चिम बंगाल*	97
29.	अंडमान-निकोबार द्वीप समूह	01
30.	चंडीगढ़	27
31.	दादरा व नागर हवेली	01
32.	दमन और दीव	8
33.	दिल्ली	179
34.	लक्षद्वीप	0
35.	पांडिचेरी	20
योग		**1340**

* शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रदेश

भागीदारी का प्रकार और स्तर

विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारों का स्तरों के आधार पर एक मिला-जुला समूह था। इनमें राज्यों, संघ क्षेत्रों, शिक्षा निदेशालयों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम राज्यों और मंडलीय तथा जिला स्तर के कार्मिक और विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों जैसे संस्था-प्रमुख शामिल थे; इसी तरह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महाविद्यालयों के प्राचार्यों और विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्रशासकों ने भी भाग लिया। प्रकार और स्तर के अनुसार भागीदारों के ब्यौरे तालिका-III में देखे जा सकते हैं :

तालिका III

2004-2005 में आयोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं संगोष्ठियों और सम्मेलनों आदि में स्तरवार भागीदारी

स्तर	*भागीदारों की संख्या*
विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/प्रमुख	217
जिला शिक्षा अधिकारी	120
जि.शि.प्र. संस्थानों/राज्य शै.अ.प्र.प. सीमेट के कार्मिक	110
डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी. के कार्मिक	250
वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासक	145
महाविद्यालयों के प्राचार्य	199
विश्वविद्यालयों के प्रशासक/वरिष्ठ अकादमिक सदस्य	250
अन्य	128
योग	**1340**

श्रेणीवार भागीदारी
कार्यक्रमों की संख्या
भागीदारों की संख्या
कार्यक्रमों की संख्या-भागीदारों की संख्या
400
300
200
100
0
राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम
अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम
विद्यालय प्रधानाध्यापकों के लिए योजना और प्रबंधन में प्रशिक्षण
उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन
विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टि स्तरीय योजना
शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन
डाइट/एससीईआरटी की योजना और प्रबंधन
शिक्षा में मात्रात्मक शोध की विधियां
डीआईएसई/ईएमआईएस/डीपीईपी कार्यक्रम
अंतर्राष्ट्री डिप्लोमा के अलावा अन्य दूसरे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम
अन्य कार्यक्रम
डिप्लोमा कार्यक्रम
शैक्षिक योजना और प्रशासन में विषयगत और सामान्य कार्यक्रम

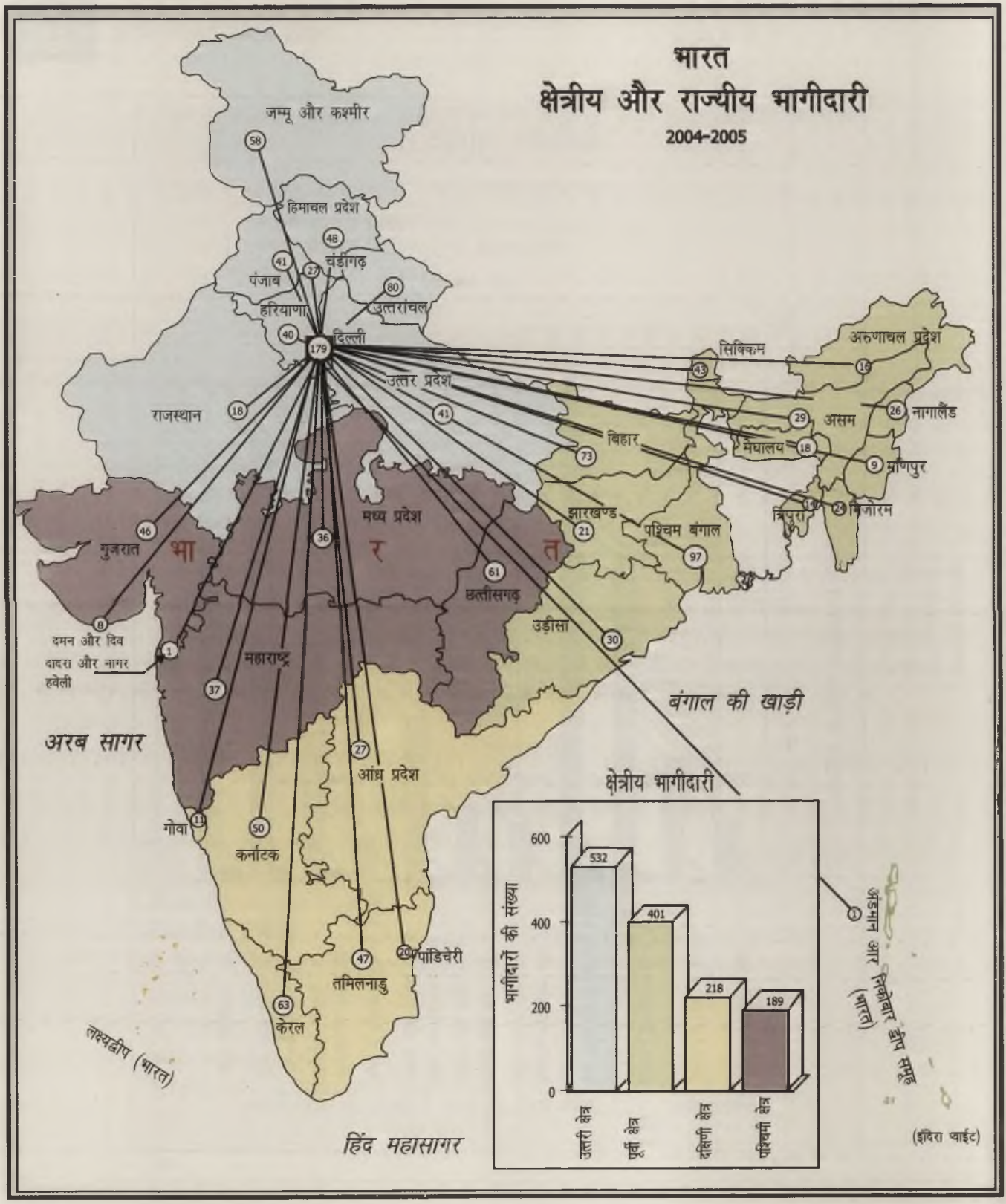

भारत
क्षेत्रीय और राज्यीय भागीदारी
2004-2005
जम्मू और कश्मीर
58
हिमाचल प्रदेश
48
41
27
चंडीगढ़
पंजाब
80
हरियाणा
उत्तरांचल
40
179
दिल्ली
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
43
16
उत्तर प्रदेश
राजस्थान
18
41
29
असम
26
नागालैंड
बिहार
मेघालय
18
73
9
मणिपुर
त्रिपुरा
14
24
मिजोरम
झारखण्ड
21
पश्चिम बंगाल
97
मध्य प्रदेश
46
गुजरात
भा
36
र
त
61
छत्तीसगढ़
8
दमन और दिव
1
दादरा और नागर हवेली
महाराष्ट्र
उड़ीसा
30
37
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
27
आंध्र प्रदेश
क्षेत्रीय भागीदारी
11
गोवा
50
कर्नाटक
600
532
भागीदारों की संख्या
400
401
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
1
218
200
189
47
20
पांडिचेरी
तमिलनाडु
63
केरल
लक्षद्वीप (भारत)
0
उत्तरी क्षेत्र
पूर्वी क्षेत्र
दक्षिणी क्षेत्र
पश्चिमी क्षेत्र
हिंद महासागर
(इंदिरा प्वाईंट)

अंतर्राष्ट्रीय स्तर

इस वर्ष संस्थान ने एक डिप्लोमा कार्यक्रम, एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला तथा एक कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम वरिष्ठ शिक्षाविदों के लिए तथा इसके अतिरिक्त संस्थान ने नेपाल के शिक्षा निदेशकों, एम.ओ.ई.एस. के लिए आठ अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। इन दोनों डिप्लोमा कार्यक्रमों में विकासशील और अन्य देशों के 295 शैक्षिक योजनाकार और प्रशासक शामिल हुए। इसके अलावा अन्य देशों के 85 भागीदारों ने भी संस्थान के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लिया। देशवार भागीदारी संबंधी विवरण तालिका IV में प्रस्तुत है।

क्षेत्रवार और विषयवार कार्यक्रम

संस्थान ने चार डिप्लोमा कार्यक्रमों - 2 राष्ट्रीय और 2 अंतर्राष्ट्रीय(इन दोनों में से एक-एक डिप्लोमा कार्यक्रम पिछले वर्ष से चल रहे थे), 34 प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों, 18 कार्यशालाओं, 4 संगोष्ठियों का आयोजन किया। देशवार भागीदारी संबंधी विवरण तालिका IV में प्रस्तुत है।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम (डेपा) : वर्ष 2004-2005 में संस्थान ने 24वें डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा और तीसरा चरण पूरा किया। इस कार्यक्रम का प्रथम चरण 1 सितंबर से 28 नवंबर 2003 तक संचालित किया गया था। इसके दूसरे और तीसरे चरण क्रमश: दिसंबर 2003 अप्रैल और फरवरी 2004 के दौरान संचालित किए गए।

तालिका IV

2004-2005 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

देश का नाम	*भागीदारों की संख्या*	*देश का नाम*	*भागीदारों की संख्या*
1. अफगानिस्तान	8	15. कजाकिस्तान	1
2. बांग्लादेश	3	16. केन्या	5
3. बुरकिना फासो	1	17. कोरिया	2
4. कंबोडिया	3	18. मैडागास्कर	4
5. कैमरून गणराज्य	1	19. मलावी	3
6. अल सल्वाडोर	1	20. मॉरीशस	1
7. गाम्बिया	1	21. मैक्सिको	2
8. जार्जिया	2	22. मंगोलिया	1
9. घाना	6	23. मोजाम्बिक	1
10. गुयाना	2	24. म्यांमार	4
11. इंडोनेशिया	2	25. नेपाल	200
12. इराक	1	26. नाईजीरिया	2
13. आइवरी कोस्ट	1	27. ओमान	1
14. जमैका	1	28. पाकिस्तान	1

क्रमश:

देश का नाम	भागीदारों की संख्या	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
29. फिलीस्तीन	1	37. तंजानिया	1
30. पनामा	1	38. थाइलैण्ड़	3
31. रूस	1	39. तुनिशिया	1
32. सेशल्स	2	40. टर्की	1
33. दक्षिण अफ्रीका	6	41. उगांडा	1
34. श्रीलंका	3	42. उजबेकिस्तान	2
35. सीरिया	1	43. वियतनाम़	4
36. ताजिकिस्तान	1	44. जांबिया (गणराज्य)	4
		45. जिम्बाबवे	1
		योग	**295**

25वां डिप्लोमा कार्यक्रम का पहला चरण सितंबर, 2004 में प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के तीन घटक थे : (i) नीपा में 1 सितंबर 2004 से 3 दिसंबर, 2004 के दौरान तीन महीने का सघन पाठ्यचर्या कार्य, (ii) प्रशिक्षणार्थी के पदस्थापित क्षेत्र में दिसंबर 2004 से फरवरी 2005 के दौरान तीन महीने का परियोजना कार्य, (iii) परियोजना रिपोर्टों पर आधारित पांच दिवसीय कार्यशाला। यह कार्यक्रम व्याख्यान, परिचर्चा, परिसंवाद, केस अध्ययन, समेकित विधि, अभिप्रेरणात्मक भूमिका, बास्केट विधि में भूमिका निर्वहन और निर्धारित विषयों पर परिचर्चा पर आधारित था। इसके अलावा व्यावहारिक कार्याभ्यास, पुस्तकालय आधारित कार्य और दिल्ली में तथा दिल्ली के बाहर कुछ महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के अध्ययन दौरों के लिए भी पर्याप्त समय दिया गया। प्रत्येक प्रतिभागी को कार्य प्रशिक्षण भी दिया गया जिसके अंतर्गत प्रतिभागी को अपने पदस्थापित क्षेत्र में 3 माह का परियोजना अध्ययन करना था। परियोजना अध्ययन कार्य का निर्देशन भी किया गया। प्रतिभागी को अपनी परियोजना रिपोर्ट का सारांश भी प्रस्तुत करना था। जो कि पंद्रह टंकित पृष्ठों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पाठ्यचर्या में भागीदारों द्वारा मध्यावधि में कार्यक्रम के मूल्यांकन का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त प्रथम चरण के अंत में कार्यक्रम का वृहद मूल्यांकन किया जाता है। भागीदारों का मानना था कि कार्यक्रम का उद्देश्य सिद्ध हो रहा है। इसके अतिरिक्त भागीदारों ने कार्यक्रम के लिए आधारभूत सुविधाओं, पाठ्यचर्या के क्रम आदि, को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

पाठ्यचर्या के एक भाग के रूप में 25-29 अक्तूबर 2004 के दौरान प्रशिक्षणार्थियों के लिए राजस्थान का अध्ययन दौरा भी आयोजित किया गया ताकि वे राज्य में चलाए जा रहे शैक्षिक नवाचारों और गतिविधियों से अवगत हो सकें। अध्ययन के दौरे के दौरान प्रतिभागियों ने बोध शिक्षा समिति के स्कूलों, दिगंतर स्कूलों, जनशालाओं मोबाइल स्कूलों के दौरे किए और उन्होंने जयपुर में अर्धशिक्षकों के साथ अनुक्रिया की। उन्होंने तिलोनिया स्थिति सामाजिक कार्य तथा शोध केंद्र और आज़मेर में अध्यापक प्रशिक्षण कैंप के दौरे भी किए।

राजस्थान भ्रमण के अतिरिक्त भागीदारों ने सी.आई.ई.टी., एन.सी.ई.आर.टी. तथा डाइट संस्थानों का भी दौरा किया।

इन दोनों कार्यक्रमों में कुल 44 भागीदार शामिल हुए। राज्यवार भागीदारी तालिका V में दर्शाई गई है।

तालिका V

24वें और 25वें डिप्लोमा कार्यक्रमों में राज्यवार भागीदारी

राज्य	*24वां डिप्लोमा*	*25वां डिप्लोमा*	*योग*
आन्ध्र प्रदेश	–	2	2
अरुणाचल प्रदेश	–	1	1
असम	2	1	3
बिहार	–	1	1
छत्तीसगढ़	3	2	5
दिल्ली	–	1	1
हरियाणा	–	2	2
हिमाचल प्रदेश	1	1	2
जम्मू तथा कश्मीर	–	2	2
कर्नाटक	3	2	5
केरल	2	1	3
महाराष्ट्र	1	1	2
मणिपुर	3	3	6
मिजोरम	–	2	2
उड़ीसा	–	2	2
नागालैण्ड	2	–	2
सिक्किम	1	–	1
उत्तरांचल	–	2	2
योग	**18**	**26**	**44**

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) : नीपा में 1985 से हर वर्ष विकासशील देशों के शिक्षाकर्मियों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में छः माह का एक अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 20 वां आई-डेपा कार्यक्रम 1 फरवरी, 2004 को प्रारम्भ होकर 30 जुलाई, 2004 को पूरा हुआ। 21वां आई-डेपा कार्यक्रम 1 फरवरी, 2005 को शुरू हुआ।

तालिका VI

20वें और 21वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

	देश का नाम	*20वां डिप्लोमा*	*21वां डिप्लोमा*	*योग*
1.	अफगानिस्तान	4	4	8
2.	बांग्लादेश	1	2	3
3.	बुरकिना फासो	–	1	1
4.	कंबोडिया	2	1	3
5.	कैमरून गणराज्य	–	1	1
6.	कोट द' आइवरे	1	–	1
7.	अल सल्वाडोर	–	1	1
8.	गाम्बिया	–	1	1
9.	जार्जिया	–	2	2
10.	घाना	1	2	3
11.	गुयाना	2	–	2
12.	इंडोनेशिया	–	2	2
13.	इराक	–	1	1
14.	जमैका	1	–	1
15.	कजाकिस्तान	–	1	1
16.	केन्या	2	–	2
17.	कोरिया	–	2	2
18.	मैडागास्कर	2	2	4
19.	मैक्सिको	2	–	2
20.	मंगोलिया	–	1	1
21.	म्यांमार	2	2	4
22.	मोजाम्बिक	1	–	1
23.	नेपाल	–	3	3
24.	नाईजीरिया	–	2	2
25.	ओमान	1	–	1
26.	फिलीस्तीन	1	–	1
27.	पनामा	–	1	1
28.	रूस	1	–	1
29.	सेशल्स	2	–	2
30.	दक्षिण अफ्रीका	1	3	4

क्रमश:

स्तरवार भागीदारी: 2004-05

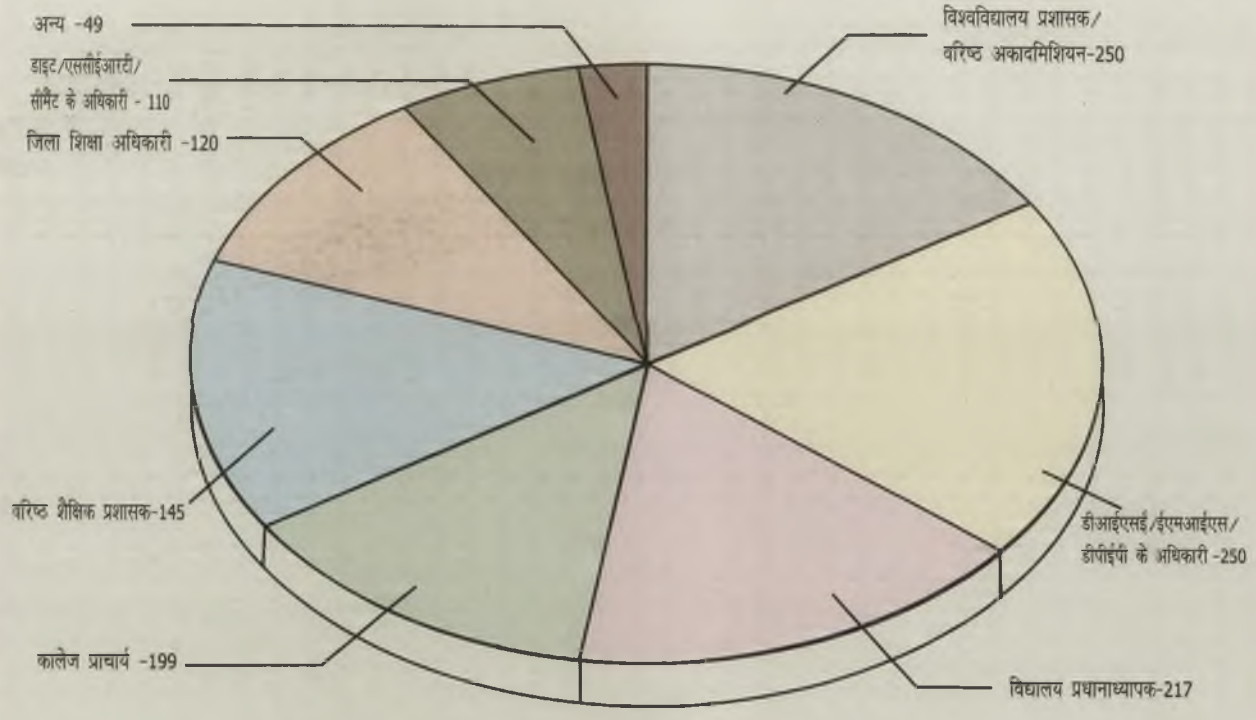

अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी : 2004 - 2005

	देश का नाम	20वां डिप्लोमा	21वां डिप्लोमा	योग
31.	श्रीलंका	–	3	1
32.	सीरिया	–	1	1
33.	ताजिकिस्तान	1	–	1
34.	तंजानिया	1	–	1
35.	थाइलैण्ड़	2	1	3
36.	ट्यूनिशिया	–	1	1
37.	टर्की	–	1	1
38.	उगांडा	–	1	1
39.	उजबेकिस्तान	2	–	2
40.	वियतनाम़	2	2	4
41.	जांबिया (गणराज्य)	1	3	4
42.	जिम्बाबवे	–	1	1
	योग	**36**	**49**	**85**

पाठ्यक्रम की संरचना के दो प्रमुख घटक थे : (अ) पहला चरण जो नीपा में तीन माह के गहन पाठ्यचर्यात्मक कार्य पर आधारित था, और (ब) भागीदार के अपने प्रयास से उसी के देश में तीन माह की क्षेत्र अनुसंधान परियोजना। कार्यक्रम के पद्धतिशास्त्र में सिद्धांत और व्यवहार के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। इसमें मोटे तौर पर व्याख्यान और विचार-विमर्श, अनुकरण और व्यावहारिक कार्य, भूमिका निर्वाह, केसों पर बहस, प्रबंध कार्याभ्यास, खोजी सम्मेलन, प्रदर्शन और सामूहिक विचार-विमर्श शामिल हैं। इसके अलावा भागीदारों को प्रोत्साहन देने के लिए पैनल विचार-विमर्श और भागीदारों की संगोष्ठियां इस पाठ्यक्रम की पद्धति की प्रमुख विशेषताएं हैं।

कार्यक्रम में व्यष्टिगत स्तर पर अकादमिक कार्यों, शैक्षिक/सांस्कृतिक क्षेत्र-भ्रमण, शैक्षिक संबद्धताओं और समृद्धकारी व्याख्यानों पर भी जोर दिया जाता है। पूरे कार्यक्रम में अन्य प्रमुख क्षेत्रों के अलावा, व्यष्टिगत स्तर पर क्षेत्रीय शैक्षिक संबद्धताएं आई-डेपा के भागीदारों के कार्यों का एक प्रमुख घटक है। इन संबद्धताओं में दिल्ली और दिल्ली के बाहर की उच्च स्तरीय संस्थाओं के दौरे और उनसे संबद्धता शामिल थे। इस वर्ष क्षेत्रीय संबद्धता के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के विभिन्न शिक्षा संस्थानों के दौरे किए गए। ऐसे हर दौरे के बाद पहले से मनोनीत एक भागीदार/क्षेत्र सलाहकार ने एक संस्था विशेष के शैक्षिक भ्रमण पर एक रिपोर्ट पेश की।

20वें और 21वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में विकासशील देशों से कुल 85 भागीदार शामिल हुए। देशवार भागीदार तालिका VI में दिखाई गई है।

विद्यालय-प्रमुखों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन

नीपा ने विद्यालय प्रमुखों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन पर सात प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा एक कार्यशाला आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में 217 विद्यालय प्रमुखों तथा अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन

नीपा ने उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में 8 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इन कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा के 339 विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।

विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टिस्तरीय योजना

समीक्षाधीन वर्ष में नीपा ने विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टिस्तरीय योजना पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इनमें राज्य, केन्द्रीय तथा जिला स्तर के 39 भागीदार शामिल हुए।

शैक्षिक वित्त की योजना तथा प्रबंधन

शैक्षिक वित्त की योजना तथा प्रबंधन के क्षेत्र में नीपा ने 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। इनमें 45 भागीदारों ने प्रतिभाग किया।

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों की योजना और प्रबंधन

नीपा ने जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की योजना और प्रबंधन पर चार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में जि.शि.प्र.सं. तथा रा.शै.अ.प्र.प. के 110 अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

शिक्षा में मात्रात्मक शोध की विधियां

नीपा ने शिक्षा में मात्रात्मक शोध की विधि पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिनमें 27 प्रतिभागी शामिल हुए।

डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी.कार्यक्रम

नीपा ने डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी. पर 8 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 250 भागीदार शामिल हुए।

आइडेपा के अतिरिक्त अन्य दूसरे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

नीपा ने नेपाल सरकार के शैक्षिक योजनाकारों के लिये एक अभिविन्यास कार्यक्रम सहित 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। इन कार्यक्रमों में 295 भागीदारों ने हिस्सा लिया।

अन्य कार्यक्रम

इसके अतिरिक्त नीपा ने अन्य 10 कार्यक्रमों/बैठकों/कार्यशालाओं का आयोजन किया जिनको अनुलग्नक I में सूचीबद्ध किया गया है। इनमें 269 विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

अनुसंधान

नीपा शैक्षिक योजना और प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान अध्ययन को संचालित करने, सहायता देने, प्रोत्साहन देने और उसका समन्वय करने संबंधी कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न है। संस्थान में अनुसंधान की प्रकृति बहुशास्त्रीय होती है और इसमें शैक्षिक योजना और प्रशासन के सिद्धांतों, नीतियों, प्रासंगिक विधियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं पर विशेष बल दिया जाता है।

नीपा द्वारा संकाय को शोध परियोजनाओं के लिए धन देकर, दूसरे संगठनों से शोध परियोजनाएं लेकर तथा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में शोध के लिए विशेषज्ञों और संस्थाओं को वित्तीय सहायता देकर अनुसंधान को प्रोत्साहन दिया जाता है।

नीपा द्वारा आयोजित और सहायता प्राप्त अनुसंधान में सैद्धांतिक और अनुभवाश्रित मुद्दों का समन्वय होता है। संस्थान के शोधकार्यों, नीतियों और योजनाओं के निरूपण के लिए निरंतर ठोस अनुभवाश्रित और वैश्लेषणिक आधार तैयार करने के प्रयास किए जाते हैं। प्रशिक्षण संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों के लिए भी महत्वपूर्ण सामग्री प्रदान की जाती है।

पूरे किये गये अध्ययन

1. भारत में विदेशी शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों का अध्ययन : डा. सुधांशु भूषण
2. वंचित प्रवावर्ग के लिए वैकल्पिक तथा नवाचारी उच्च शिक्षा की व्यवस्था का अध्ययन : डा. सुधांशु भूषण
3. भारत में विशेष शिक्षा के क्षेत्र में सरकार के प्रयास तथा गैर सरकारी संगठनों की भूमिका तथा योगदान : डा. (श्रीमती) एस. मुखोपाध्याय
4. परिवर्तन का प्रबंधन तथा शिक्षा की गुणवत्ता के विशेष संदर्भ में शिक्षा बोर्ड की भूमिका पर अध्ययन : डॉ. मंजू नरूला
5. शांति शिक्षा पर युनेस्को प्रयोजित अध्ययन : प्रो. एम. मुखोपाध्याय
6. दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा के लक्ष्यों की निगरानी तथा प्रसार पर नीतिगत शोध : डॉ. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय

जारी/स्वीकृत अध्ययन

1. 'विभिन्न परिस्थितियों में प्रारंभिक अध्यापक' का अध्ययन : डा. (श्रीमती). नीलम सूद
2. भारत में शिक्षा पर बच्चों का अधिकार पर न्यायालय के निर्णयों का प्रभाव : डा. (श्रीमती) नलिनी जुनेजा
3. जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस IV) : डा. अरुण सी. मेहता
4. नीपा नेपाल परियोजना : डा. (श्रीमती) नज़मा अख्तर
5. भारत में स्कूली शिक्षा बोर्ड और शिक्षा की सुलभता, समता तथा गुणवत्ता के संदर्भ उनकी भावी भूमिकाओं और कार्यकलापों का अध्ययन- डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय
6. स्थायी पंचायत विकास तथा ग्राम स्वराज के लिए योजना तथा प्रबंधन संस्थानों का सुदृढ़ीकरण : डा. सुधांशु भूषण
7. भारत में प्रारंभिक शिक्षा के लिए ई.एम.आई.एस. का सुदृढ़ीकरण : डा. अरुण सी. मेहता
8. भारत में माध्यमिक शिक्षा : माध्यमिक शिक्षा के गुणनखण्ड तथा वितरण तंत्र का विश्लेषण : डा. (श्रीमती) के सुजाता
9. सीमेट की कार्यप्रणाली : 14 डी.पी.ई.पी. राज्यों का अध्ययन (चरण I, II तथा III) डा. (श्रीमती) पी. मेनन
10. डाइस/एस.एस.ए. में जी.आई.एस. का अनुप्रयोग : डा. अरुण सी. मेहता
11. ई.एफ.ए. का विस्तार तथा कार्य निष्पादन : डाटा गैप्स, आंतरिक निपुणता तथा संक्रामण दर : डा. अरुण सी. मेहता तथा डा. के. बिस्वाल
12. तीन नए सृजित राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा की योजना तथा प्रबंधन में क्षमता निर्माण : डा. एस.एम.आई.ए. जैदी
13. महिलाओं पर विशेष बल देते हुए उत्तर-पूर्वी राज्यों में संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम क्रियान्वयन (एन.ई.पी.) : डा. (श्रीमती) वाई जोसेफिन
14. आदिवासी क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के विकास पर डी.पी.ई.पी. का प्रभाव : डा. (श्रीमती) वाई जोसेफिन
15. उड़ीसा के संभलपुर तथा कियोनझार जिले में उच्च विद्यालय त्याग दर का कारण : डा. के. बिस्वाल
16. डी.पी.ई.पी. जिलों में सूक्ष्म योजना : हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश 2001-02 का तुलनात्मक अध्ययन : डा. (श्रीमती) नीरू स्नेही
17. दिल्ली में छाया शिक्षण : डा. (श्रीमती) नीरू स्नेही
18. माध्यमिक शिक्षा का विकेंद्रीकरण : केस अध्ययन, डा. (श्रीमती) एम. बंद्योपाध्याय
19. 2004 के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की मानीटरिंग : डा अरुण सी. मेहता
20. भारतीय स्कूलों में संविदाधीन अध्यापकों के मुद्दे : डा. आर. गोविंदा और डा. (श्रीमती) वाई जोसेफिन
21. नीपा में प्रकाशित तथा अप्रकाशित कार्यों का डिजीटलीकरण : डा. डी.एस. ठाकुर
22. जनशाला कार्यक्रम का प्रलेखन - विशेष शिक्षा : डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय
23. दिल्ली में माध्यमिक शिक्षा के बच्चों के विद्यालय त्याग के कारण : डा. (श्रीमती) सुनीता चुग
24. भारतीय विश्वविद्यालयों में आंतरिक संसाधनों का अर्जन और उपयोग - चुनिंदा दक्षिण भारतीय विश्वविद्यालयों के केस अध्ययन : डा. के. मुरलीधरन और डा. सी. कृष्णन (सहायता योजना के अंतर्गत)

प्रकाशन

नीपा में समसामयिक आलेखों, जर्नलों, न्यूजलेटरों, पुस्तकों और रिपोर्टों के माध्यम से शिक्षा के शोध और विकास के प्रचार-प्रसार के लिए एक सुनियोजित प्रकाशन कार्यक्रम है। संस्थान की कुछ पत्रिकाएं हैं — जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (अंग्रेजी), परिप्रेक्ष्य (हिंदी) और एंट्रीप न्यूज लेटर। संस्थान ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तकाकार में प्रकाशित की हैं। संस्थान 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन हायर एजुकेशन' पर शृंखला का प्रकाशन कर रहा है। संस्थान विभिन्न राज्यों और संघीय क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन पर सर्वेक्षण रिपोर्टों की एक शृंखला भी प्रकाशित कर रहा है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने निम्नांकित प्रकाशन निकाले :

नीपा प्रकाशन (समूल्य)

जेपा (जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)

संस्थान नियमित रूप से जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन का प्रकाशन कर रहा है। समीक्षाधीन वर्ष में चार अंकों का प्रकाशन किया गया।

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XVIII अंक 1, जनवरी 2004, जिल्द XVIII अंक 1, अप्रैल 2004, जिल्द XVIII अंक 3, जुलाई 2004, जिल्द, XVIII अंक 4, अक्तूबर 2004, (संपादक) डा. जांध्याला बी.जी. तिलक

नीपा प्रकाशन (नि:शुल्क)

1. नीपा प्रशिक्षण कार्यक्रम 2004-05 (अंग्रेजी और हिंदी)
2. डेपा - (25) फोल्डर और आवेदन पत्र
3. एजुकेटिंग द नेशन : नीड फार ए डैडीकेटेड सैटेलाइट : प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय (पुनर्मुद्रण)
4. नॉलेज कनेक्टिविटी फार पुरा (रिपोर्ट) : प्रो. सुधांशु भूषण
5. प्रोग्रेस ऑफ लिटरेसी इन इंडिया : डा. अरुण सी. मेहता (पुनर्मुद्रण)
6. एजुकेशन फार आल - इंडिया मार्चेस अहेड (मा.स.वि. मंत्रालय दस्तावेज़)

7. फोल्डर फार कांफरेंस आन इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन : इसूज एण्ड कांसेप्ट्स
8. 'पीस एजुकेशन' - फ्रेमवर्क फार टीचर एजुकेशन (यूनेस्को पब्लिकेशन) : प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय
9. कांसेप्ट्स एण्ड टर्म्स इन एजुकेशनल प्लानिंग : प्रो. वाई. पी. अग्रवाल तथा आर.एस. ठाकुर (पुनर्मुद्रण)
10. एजुकेटिंग दि नेशन, एडुसैट, परियोजना दस्तावेज़
11. एजुकेटिंग दि नेशन (सेकेंडरी एजुकेशन) साफ्टवेयर इनवेंटरी : प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय (पुनर्मुद्रण)
12. मैनेजमेंट आफ इनक्लूसिव एजुकेशन, सेमिनार रिपोर्ट 4-6 अक्तूबर 2004 : प्रो. सुदेश मुखोपाध्याय (पुनर्मुद्रण)
13. स्टेट रिपोर्ट कार्ड-2004 : डा. अरुण सी. मेहता
14. लिस्ट ऑफ पब्लिकेशन्स, जुलाई 2004 तथा जनवरी 2005
15. उच्च शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीयकरण पर आयोजित सम्मेलन के लिये विभिन्न रिपोर्टें, 26-27 अगस्त, 2004

एंट्रीप न्यूजलेटर

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एंट्रीप (एशियन नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग) न्यूजलेटर (संपादक : डा. के. सुजाता) के दो अंक - जनवरी-जून, 2004 तथा जुलाई-दिसंबर, 2004 प्रकाशित किए गए।

परिप्रेक्ष्य

संस्थान हिंदी जर्नल 'परिप्रेक्ष्य' (संपादक : डा. सुभाष शर्मा) का भी प्रकाशन करता है तथा समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत परिप्रेक्ष्य के तीन अंक प्रकाशित किये गए। जिल्द X, अंक 3, दिसंबर, 2003 तथा जिल्द XI अंक 1, अप्रैल, 2004 और वर्ष XI, अंक 2, अगस्त, 2004 प्रकाशित हुये।

प्रकाशित मिमियोग्राफ

इसके अतिरिक्त समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों, समसामयिक आलेखों, नीपा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों /संगोष्ठियों की रिपोर्टें/प्रशिक्षण सामग्री/मिमियोग्राफ प्रकाशित किए।

नीपा वेबसाइट को योगदान

नीपा ने ज्ञान और सूचना के वृहद प्रचार-प्रसार के लिए वेबसाइट का निर्माण किया है। प्रकाशन विभाग ने अपने प्रकाशनों से संबंधित निम्नांकित सूचना उपलब्ध कराई है :

- नीपा के समूल्य तथा नि:शुल्क प्रकाशनों की वृहद सूची तथा नीपा के लिए निजी प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की सूची।
- जेपा के वर्तमान तथा भविष्य के अंकों के बारे में सूचना।
- नीपा वेबसाइट पर आर्डर फार्म तथा जर्नल मंगाने के लिए फार्म उपलब्ध हैं।
- नीपा प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेंडर

5

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र और अकादमिक समर्थन प्रणाली

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र

संस्थान में शैक्षिक योजना, प्रशासन और अंतर - अनुशासन संबंधी विषयों पर एक समृद्ध पुस्तकालय तथा प्रलेखन केंद्र है। नीपा इन क्षेत्रों में एक उत्कृष्ट केंद्र है शैक्षिक योजना और प्रबंध के क्षेत्र में सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में शामिल किया जा सकता है। पुस्तकालय संकाय, अनुसंधानकर्त्ताओं, प्रशासकों नीति-निर्माताओं तथा संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के भागीदारों को नवीनतम सूचनाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय संस्था के वृहद विकास हेतु उपयोगकत्ताओं की अपेक्षित जरूरतों को पूरा करने के लिए संस्थान के संसाधन तथा अधिगम केन्द्र के रूप में काम करता है।

नीपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केंद्र में शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर 18,500 प्रकाशनों का संग्रह है। इसमें केंद्र तथा राज्य सरकार के प्रकाशनों का विशिष्ट संग्रह है जैसे भारत की जनगणना रिपोर्ट, राज्य तथा जिला बजट, राज्य तथा जिला जनगणना रिपोर्ट, केंदीय तथा राज्य विद्यालयों के नियम तथा अधिनियम, राज्यों की सांख्यिकी हस्तपुस्तिकाएं, अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण, आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य शिक्षा योजना, पंचवर्षीय योजना, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान इत्यादि।

संस्थान के अनुसंधान अध्ययनों, समसामयिक आलेख, वार्षिक रिपोर्ट, प्रशिक्षण, कार्यक्रम की रिपोर्ट के अतिरिक्त विभिन्न मंत्रालयों की वार्षिक रिपोर्ट तथा अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, पेरिस के प्रकाशन भी उपलब्ध हैं। यह अतंर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, पेरिस के संसाधन केंद्र के रूप में काम कर रहा है। प्रलेखन केंद्र में इंडैक्सिंग शिक्षा तथा उससे संबंधित विषयों, भारत की जनगणना तथा इंडेसिंग आंकड़ा आधार समेत लगभग 40 गैरपुस्तकीय सामग्री दृश्य-श्रृण्य रूप में उपलब्ध है।

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र की प्राणितयां

समीक्षित काल में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में 1279 पुस्तकों और दस्तावेजों की वृद्धि हुई। इस समय पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र के पास संयुक्त राष्ट्र, युनेस्को, ओ.ई.सी.डी, आई. एल. ओ, यूनिसेफ, विश्व बैंक आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोटों इत्यादि के अलावा 59,078 पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह भी है।

समीक्षाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने शिक्षा योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर 240 राष्ट्रीय तथा अतंराष्ट्रीय जर्नल एवम् पत्रिकाएं मंगाई। इन पत्र-पत्रिकाओं से शैक्षिक योजना तथा प्रशासन से संबंधित 3000 आलेखों को सूचीबद्ध किया गया।

प्रलेखन केंद्र 26 राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय समाचार पत्र (रोजगार समाचार सहित) मंगाता है तथा संकाय तथा अन्य लोगों के लिये प्रेस कतरनों का संग्रह भी करता है। समीक्षाधीन वर्ष में पुस्तकों, दस्तावेजों तथा गैरपुस्तकीय सामग्री के रूप में 326 मदों को प्रलेखन केंद्र में सम्मिलित किया गया।

पुस्तकालय में पुस्तकों का संग्रह

क्र.सं.	सामग्री का प्रकार	वर्ष 2004-05 में सम्मिलित	कुल संग्रह
	पुस्तकालय		
पुस्तकें तथा अमुद्रित सामग्री			
1.	पुस्तक	469	32142
2.	उपहार में पुस्तकें	38	-
3.	अमुद्रित सामग्री	18	54
जर्नल तथा अन्य पत्रिकाएं			
1.	विदेशी	103	
2.	भारतीय	49	
3.	विनिमय	44	
4.	उपहार	18	
5.	पत्रिकाएं	15	
6.	सजिल्द		P.4715
	प्रलेखन केन्द्र		
पुस्तकें, प्रलेखन तथा अपुस्तकीय सामग्री			
1.	दस्तावेज	38	2718
2.	उपहार दस्तावेज	274	12581
3.	अपुस्तकीय सामग्री	14	40
समाचार पत्र			
1.	समाचार-पत्र (रोजगार समाचार सहित)	26	26

उपयोगकर्ता तथा समय

पुस्तकालय की सुविधायें संकाय, शोध छात्रों, डेपा तथा आईडेपा के भागीदार तथा भ्रमणकारी संकाय द्वारा भरपूर उपयोग की जाती है। इसके अतिरिक्त संस्थान का स्टाफ, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के भागीदार तथा अन्य संगठनों के शोध छात्र भी पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। संस्थान के पुस्तकालय तथा प्रलेखन केंद्र के अध्यक्ष क्रमश: पुस्तकाध्यक्ष तथा प्रलेखन अधिकारी है। इसके अतिरिक्त दो व्यावसायिक सहायकों तथा अन्य समर्थनकारी स्टाफ का भी सहयोग मिलता है। इसका समय है:

पुस्तकालय - सोमवार से शुक्रवार प्रात: 9.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक
शनिवार प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक

प्रलेखन केन्द्र - सोमवार से शुक्रवार प्रात: 9.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक

पाठन सामग्री तथा पाठन सुविधाओं का संगठन

सभी पुस्तकें, दस्तावेज तथा संदर्भ पुस्तकों का वर्गीकरण किया गया है तथा डिवी दशमलव वर्गीकरण योजना के अंतर्गत रखा गया है। पुस्तकालय का समृद्ध संग्रह, विभिन्न संकायों तथा सुविधाएं देश-विदेश के उपयोग कर्ताओं के लिए आर्कषण प्रस्तुत करती है। अपुस्तकीय सामग्री को व्यवस्थित ढंग से रखा गया है। केंद्र पूरी तरह से वातानुकूलित है तथा प्रकाश एवम जनरेटर की अच्छी व्यवस्था समेत शांतिपूर्ण माहौल प्रस्तुत करती है

कम्पयूटीकरण

कम्पयूटीकरण: पुस्तकालय/ प्रलेखन केंद्र पूरी तरह से कम्पयूटीकृत है तथा पेंटियम- पअ सर्वर तथा पी -प्प कम्पयूटर टर्मिनल से युक्त है। पुस्तकालय के सभी डाटाबेस के संगह हेतु लिनसेस साफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है। सभी सिस्टम को लैन से जोड़ा गया है जिससे कि संकाय सदस्य अपने डेस्कटाप से सूचना/डाटा बेस प्राप्त कर सकते हैं।

उपयोगकर्ताओं को वेब ओ. पी. ए. जी सुविधा भी उपलब्ध करा रखे है। पत्रिकाओं के व्यटकों , शिक्षा व्यारल तथा राष्ट्रीय तथा अतंराष्ट्रीय सम्मेलनों की सूचना भी अनलरन प्रदान की जाती है।

इंटरानेट: इंटरानेट गतिविधियों को बढ़ाने के लिए विशेष बल दिया गया है। विभिन्न नि:शुल्क प्रकाशनों, अनुसंधान आलेखों, सामाजिक आलेखो, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रिपोर्ट इत्यादि का चूर्ण वर्ण वर्ष 2002 से पी. डी. एफ के रूप में उपलब्ध है। अन्य आनलाइन संदर्भ सेवायें हैं: (1) नई प्राप्तियों की सूची; (2) जर्नल सदस्यता तथा सदस्यता समाप्ति की सूची; (3) पत्रिकाओं की विषय वस्तु की जानकारी; (4) मांग पर संदर्भ सूची; (5) प्रेस कतरन सेवाएं तथा (6) साहित्य खोज

नेटवर्किंग: दिल्ली पुस्तकालय नेटवर्क के सदस्य के रूप में, दिल्ली में 878 पुस्तकालयों के साथ ऑन-लाइन संपर्क उपलब्ध है। पुस्तकालयों को नीपा पुस्तकालय की ऑन-लाइन सुविधा उपलब्ध है। इससे अतंर -पुस्तकालय ऋण सुविधा तथा उपयोगकर्त्ता को अपेक्षित सामग्री की सुविधा उपलब्ध होती है।

रेनिक इंटरनेट सेवाओं को जोड़ता है जिससे उपभोक्ता की आवश्यकता तुरतं पूर्ण हो जाती है।

सेवाएं

समसामयिक ज्ञान सेवा: हर पखवाड़े में आने वाली शैक्षिक पत्रिकाओं के लेखों के बारे में पाठकों को जानकारी देते रहने के लिये पुस्तकालय ने अपना पाक्षिक अनुलेखित प्रकाशन – *पीरियाडिकल्स आन एजुकेशन:* टाइटिल्स रिसीव्ड एंड दियर कंटेंट का प्रकाशन जारी रखा।

नीपा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र की प्राप्तियां

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में आनेवाले प्रकाशनों की कंप्यूटर से मासिक सूचियां भी तैयार की जाती हैं ताकि इससे पाठकों को उनकी रुचि के दस्तावेजों, लेखों और नई सामग्रियों की जानकारी मिलती रहे।

सूचनाओं का चुनिंदा प्रसारण

पुस्तकालय ने संस्थान के अकादमिक एककों और शोध-परियोजनाओं के अध्ययन दलों को नई सूचनाएं उपलब्ध कराई ताकि वे उसका उपयोग कर सकें।

संदर्भ-सूची

इस अवधि में पुस्तकालय ने संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के लिए संदर्भ सूचियां तैयार कीं।

फोटोकॉपी

आलेख और रिपोर्ट जैसे संदर्भ सामग्री हेतु उपयोगकर्त्ताओं को भुगतान के आधार पर फोटोकापी सुविधा प्रदान की गई।

सामयिक पत्र

समीक्षाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने 4,715 जर्नलों को उपयोगकत्ताओं को सूचना प्रदान करने के लिए जिल्द में तैयार किए।

अमुद्रित सामग्री

यह पुस्तकालय एक बहुमाध्यमी संसाधन केंद्र है। इसमें वीडियों कैसेटों, आडियो कैसेटों, फिल्मों, माइक्रो फिल्मों और माइक्रोफिंचों का एक संग्रह भी मौजूद है।

सी डी रोम डाटाबेस

1. वर्ल्ड बैंक : ग्लोबल डवलपमेंट फायनेंस
2. यूनाइटेड नेशन्स : सिस्टम आफ नेशनल अकाउन्ट
3. डब्ल्यू.टी.ओ, गैट : बेसिक इन्सट्रुमेन्ट एंड सलेक्टेड डाक्यूमेंट
4. वर्ल्ड बैंक : माइक्रो रिव्यालुशन फायनेन्स जिल्द 1 तथा 2
5. ओ.ई.सी.डी : ज्याग्रिकफ़कल डिस्ट्रीब्यूशन आफ फायनेन्स
6. ओ.ई.सी.डी : इन्सायक्लोपीडिया ब्रिटानिका
7. स्पास्टिक सोसायटी : मौली

8. वर्ल्ड बैंक : वर्ल्ड डवलपमेंट रिपोर्ट 1978-2003
9. वर्ल्ड बैंक : वर्ल्ड डवलपमेंट इंडिकेटर्स 2002
10. यूनाइटेड नेशन्स : यूनाइटेड नेशन्स ईयरबुक कलैक्शन 1977-2002
11. यूनाइटेड नेशन्स : यूनाइटेड नेशन्स ईयरबुक कलैक्शन 1946-1972
12. यूनाइटेड नेशन्स : डेमोग्राफिक ईयरबुक 2002
13. यूनाइटेड नेशन्स : वूमेन ग्लोबल : यू.एन. एंड द इंटरनेशनल वूमेन मूवमेन्ट 1945-2000

मानचित्रण कक्ष

मानचित्रण कक्ष मानचित्रों, ग्राफ, डिस्पले चार्ट के माध्यम से आंकड़ा प्रस्तुति की नयी विधियां तथा प्रकार विकसित करता रहता है। यह कक्ष विभिन्न प्रकाशनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रमाण-पत्र तथा तालिकाएं भी तैयार करता है। यह विभिन्न परियोजनाओं तथा कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर ग्राफिक्स की सुविधा भी उपलब्ध कराता है।

इस कक्ष ने विभिन्न प्रकाशनों तथा पत्रिकाओं जैसे जेपा, परिप्रेक्ष्य, वार्षिक रिपोर्ट, शैक्षिक प्रशासन रिपोर्ट में चित्रों के माध्यम से योगदान दिया।

हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष अनुवाद की सुविधाएं तथा अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रशासन में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह विभिन्न प्रकाशनों के हिंदी संस्करण प्रकाशित करने में ही नहीं बल्कि राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहायता प्रदान करता है।

संस्थान के हिंदी कक्ष ने समीक्षित वर्ष में रोजमर्रा के कार्यों के अलावा अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए :

(1) हिंदी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा के लिए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

(2) हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य के तीन अंक प्रकाशित किए गये।

(3) हिंदी में निम्नलिखित का अनुवाद और उन्हें प्रकाशन के लिए तैयार किया गया :
   (i) वार्षिक रिपोर्ट : 2003-2004
   (ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम : 2004-2005

(4) हिंदी दिवस का आयोजन : हिंदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
   (i) 14 से 28 सितंबर, 2004 के दौरान पांच दिनों की हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें संस्थान के 20 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।
   (ii) हिंदी प्रतियोगिताएं : हिंदी निबंध, टिप्पण तथा प्रारूपण, अनुवाद तथा टंकण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्थान के वर्ग 'घ' के कर्मचारियों के लिये हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(5) सबके लिए शिक्षा - विश्व मानिटरिंग रिपोर्ट, यूनेस्को की मुख्य रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद तथा प्रकाशन।

6

सूचना प्रौद्योगिकी समर्थन प्रणाली

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता हैं। यह सभी प्रशिक्षुओं तथा स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर सुविधाएं तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है। नेटवर्क संसाधन की सुलभता के लिए सभी संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को नेटवर्क प्वांइट उपलब्ध कराए गये हैं। नीपा डोमेन पर सभी संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को व्यक्तिगत ई-मेल सुविधा प्रदान की गई है। निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों को डायल-अप एक्सेस की सुविधा मुहैया कराई गई है। संस्थान के पास इंटरनेट तथा ई-मेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 128 के.बी.पी.एस. आई.एस.डी.एन. लाइन है। सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय को डैस्कटाप कंप्यूटर सुविधा दी गई है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं।

कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रयोगशाला

नीपा अपनी दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम कंप्यूटर और प्रिंटरों से सुसज्जित है। संस्थान के सभी कमरे लोकल एरिया नेटवर्क (विंडो एन.टी. आपरेटिंग सिस्टम सहित) से जुड़े हुए हैं।

गतिविधियां

यह केंद्र अकादमिक एककों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर-अकादमिक एककों जैसे — पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

सेवाएं

नीपा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के भागीदारों, स्टाफ एवं संकाय सदस्यों के लिए कंप्यूटर केंद्र, परिकलन तथा नेटवर्क विस्तृत आंकड़ा विश्लेषण सेवाएं, नेटवर्क शेयरिंग, इंटरनेट तथा ई-मेल सुविधाएं प्रदान करता है। इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए केंद्र के पास मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण, परियोजना प्रबंधन तथा अन्य गतिविधियों के लिए विकसित सॉफ्टवेयर पैकेजों का संग्रह है। कंप्यूटर केंद्र प्रशिक्षणार्थियों और प्रतिभागियों के लिए विशेष रूप से आरक्षित किया गया है तथा कार्य दिवस में लगातार बारह घण्टे खुला रहता है।

कंप्यूटर केंद्र में आधारभूत कंप्यूटर सुविधाएं निम्नांकित हैं :

- आई.बी.एम.ई. सीरीज सर्वर
- 20 पेंटियम IV कम्पयूटर
- 50 नोड्स से अधिक पेंटियम II 266 एम.एच.जेड, 32 एम.बी. रैम, 3.51 जी.बी. एच.डी.डी., कलर मॉनिटर

निम्नलिखित सॉफ्टवेयर पैकेज कार्यालय में प्रयोग के लिए उपलब्ध हैं :

- ओरेकल 10 जी (5 यूजर्स)
- पावर बिल्डर 10 (असीमित प्रयोगकर्त्ता)
- एस.पी.एस.एस. 10
- एम.एस. ऑफिस 2000, 2003
- एम.एस. फ्रंट पेज - 2002
- एम.एस. विंडोज - 2003 सर्वर
- विंडोज एमपी ओ.ई.एम. पैक
- विनप्राक्सी 4.0
- श्रीलिपि
- अंकुर
- एम.एस. प्रोजेक्ट 2002
- अडोब एक्रोबैट 6.0
- ए.बी.बी.वाई.वाई. फाइन रीडर 5

साझा संसाधन

साझा संसाधनों के माध्यम से कंप्यूटर केंद्र निम्नांकित सुविधाएं प्रदान करता है। ये संसाधन हैं :

- एच.पी. 4000 एन लेजर प्रिंटर (बी/डब्ल्यू)
- एच.पी. 4200 एन. लेजर प्रिंटर (बी./डब्ल्यू.)
- एच.पी. लेजर जेट 4एम.पी.
- एच.पी. लेजर जेट 5पी.
- एच.पी. ऑफिसजेट आर65
- यूमैक्स पावर लुक - II इमेज तथा टैक्स्ट स्कैनर
- एच.पी. 8200 सी.डी. राइटर

सुविधाएं

केंद्र आधुनिकतम परिकलन सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें आई. बी.एम. ई - सीरीज सर्वर तथा काम्पैक पेंटियम - II सर्वर है जो तीव्र गति के इंटरनेट से जुड़ा है। वर्तमान में आधारभूत सुविधाएं हैं :

- एनहांस्ड कैट 5 यू.टी.पी. केबलिंग
- हाई परफारमेंस सर्वर तथा क्लाइन्ट पी. सी. सहित केंद्रीकृत परिकलन सुविधाएं
- इंटरनेट तथा अन्य सेवाओं से अप-लिंक
- डीजल जेनरेटर
- 10 के.वी.ए. यू.पी.एस. (2 घंटे के बैक-अप के साथ)
- प्रिंट सरवर्स

संगठन, प्रशासन और वित्त

संगठनात्मक ढांचा

नीपा सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक पंजीकृत स्वायत्त संगठन है और भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय से उसे वित्तीय सहायता-अनुदान प्राप्त होता हैं। नीपा के प्रमुख निकाय हैं : नीपा परिषद्, कार्यकारी समिति, वित्त समिति और योजना और कार्यक्रम समिति। संस्थान का निदेशक उसका प्रमुख कार्यकारी अधिकारी होता है और भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। उसकी सहायता संयुक्त निदेशक करता है। कुलसचिव कार्यालय का प्रमुख तथा पूरे प्रशासन का प्रभारी होता है।

परिषद्

संस्थान का शीर्ष निकाय परिषद् है। इसका प्रमुख अध्यक्ष होता है जिसे भारत सरकार मनोनीत करती है। नीपा का निदेशक परिषद् का उपाध्यक्ष होता है। राष्ट्रीय और प्रादेशिक शिक्षा व्यवस्थाओं के कार्यपालक और यशस्वी शिक्षाशास्त्री परिषद् के सदस्य होते हैं, जैसे-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अध्यक्ष, भारत सरकार के चार सचिव (शिक्षा, वित्त, कार्मिक और योजना आयोग); राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का निदेशक; राज्यों और संघीय क्षेत्रों के छः शिक्षा सचिव और छः शिक्षा निदेशक; छः यशस्वी शिक्षाशास्त्री; नीपा कार्यकारी समिति के सभी सदस्य और नीपा संकाय के तीन सदस्य। नीपा का कुलसचिव परिषद् का सचिव होता है।

परिषद् का मुख्य कार्य संस्थान के उद्देश्यों और लक्ष्यों को आगे बढ़ाना और उसके कार्यकलापों का पर्यवेक्षण करना है।

31 मार्च, 2005 के अनुसार परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट I में दी गई है।

कार्यकारी समिति

संस्थान का निदेशक इसका पदेन अध्यक्ष होता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), वित्त मंत्रालय और योजना आयोग के सचिव द्वारा नामांकित एक-एक सदस्य, किसी एक राज्य का शिक्षा सचिव, एक यशस्वी शिक्षाशास्त्री, एक राज्य सरकार का निदेशक, शैक्षिक योजना और प्रबंध में सक्रिय एक राज्य शिक्षा संस्थान का निदेशक, नीपा का संयुक्त निदेशक, तथा नीपा परिषद् में शामिल तीन संकाय सदस्यों में से दो कार्यकारी समिति के सदस्य होते हैं। नीपा का कुलसचिव कार्यकारी समिति का सचिव होता है।

यह समिति संस्थान के मामलों और वित्तीय प्रबंध के प्रति उत्तरदायी होती है और परिषद् की सभी शक्तियों के प्रयोग का अधिकार रखती है। 31 मार्च, 2005 के अनुसार कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट II में दी गई है।

वित्त समिति

वित्त समिति का गठन नीपा परिषद का अध्यक्ष करता है। इसमें संस्थान के निदेशक की पदेन अध्यक्षता में पांच सदस्य होते हैं। इसमें परिषद् के वित्तीय सलाहकार और वे सदस्य शामिल होते हैं जो अध्यक्ष द्वारा मनोनीत हों। नीपा का कुलसचिव वित्त समिति के सचिव का कार्य करता हैं।

यह समिति खातों और बजट के अनुमानों की छानबीन करती है और व्यय के नए प्रस्तावों और दूसरे वित्तीय विषयों पर अपनी सिफारिशें देती हैं। 31 मार्च, 2005 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची पारिशिष्ट III में दी गई है।

योजना और कार्यक्रम समिति

नीपा निदेशक योजना और कार्यक्रम समिति का पदेन अध्यक्ष होता है। इसके अलावा संयुक्त निदेशक, नीपा के अकादमिक एककों के अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), योजना आयोग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक-एक प्रतिनिधि, एक विश्वविद्यालय का कुलपति (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत); और अध्यक्ष द्वारा मनोनीत छः शिक्षाशास्त्री/समाज वैज्ञानिक/प्रबंध विशेषज्ञ (जिनमें से दो महिलाओं/लड़कियों की शिक्षा, एक अनुसूचित जातियों/जनजातियों की शिक्षा और एक अल्पसंख्यकों की शिक्षा से संबद्ध हो) इस समिति के सदस्य होते हैं। 31 मार्च, 2005 के अनुसार इस समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट IV में दी गई है।

यह समिति संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करती है। समिति के मुख्य कार्य हैं : विभिन्न कार्यक्रमों को स्वीकृति देना और कार्यक्रमों को अंतिम रूप देना, समीक्षा करना, दीर्घकालिक और अल्पकालिक अकादमिक परिप्रेक्ष्यों और योजनाओं का विकास करना, संस्थान द्वारा नियोजित अनुसंधान, प्रशिक्षण, प्रसार और परामर्शकारी कार्यक्रमों का वार्षिक समेकन करना, उनका अध्ययन करना तथा कमियों और प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करना।

संकाय परिषद्

समीक्षा समिति की संस्तुतियों और तद्पश्चात नीपा उच्चाधिकार समिति के निर्णय के अनुसार नीपा संकाय परिषद् की स्थापना की गई। इसके अध्यक्ष नीपा निदेशक हैं। संयुक्त निदेशक इसके उपाध्यक्ष हैं और सभी वरिष्ठ अध्येता, अध्येता, सह-अध्येता तथा पुस्तकालयाध्यक्ष इसके सदस्य हैं। कुलसचिव, सदस्य सचिव के रूप में कार्य करते हैं। इस परिषद् के मुख्य कार्य हैं : निदेशक द्वारा विभिन्न लाभार्थी वर्ग समूह, उनकी सोच, पुनर्निवेशन, आशाएं, परिवेश में परिवर्तन इत्यादि के बारे में संकाय को जानकारी देना; संकाय के कार्य-दबाव तथा मानकों के बारे में चर्चा करना, कार्यक्रमों, परियोजनाओं की समीक्षा, अनुभव तथा सुझाव तथा भावी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संस्थान के मुख्य कार्यक्रमों की समीक्षा तथा भविष्य के कार्यक्रमों के बारे में चर्चा करना; परियोजना अनुभवों, विदेश भ्रमण, अनुसंधान इत्यादि पर संकाय सदस्यों द्वारा अपने अनुभवों की प्रस्तुतियां, क्षमता, प्रासंगिकता, सामग्री-विकास के लिये तंत्र-व्यवस्था पर चर्चा, विभिन्न समूहों की वार्षिक कार्य योजना की प्रस्तुति, समर्थनकारी आवश्यकताओं की पहचान करना; समस्याओं के निपटारे के लिये निर्णय लेना, संस्थान के विशिष्ट प्रबंधन पक्ष पर ध्यान देना; संस्थान के संकाय की प्रमुख गतिविधियों के संदर्भ में सुझाव देना, नीपा परिषद्, कार्यकारी समिति तथा अकादमिक समिति को पुनर्निवेशन प्रदान करना।

अकादमिक एकक

संस्थान का संकाय निम्नलिखित नौ अकादमिक एककों में विभाजित है : शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक नीति, विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रादेशिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय, और संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन। इन एककों के कार्यक्षेत्र और शैक्षिक प्राथमिकताओं का वर्णन अध्याय 1 में किया जा चुका हैं।

इनमें शैक्षिक योजना और प्रादेशिक प्रणाली एकक को छोड़कर शेष सभी एककों के अध्यक्ष वरिष्ठ अध्येता हैं। सभी अकादमिक एकक अपने-अपने क्षेत्र में पूरे दायित्व के साथ विकास और प्रशिक्षण, अनुसंधान संबंधी कार्य करते हैं और साथ ही अपेक्षित परामर्शकारी सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

कार्यबल और समितियां

निदेशक द्वारा विशेष कार्यक्रमों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है।

विभिन्न शोध परियोजनाओं में सलाह देने तथा उनकी प्रगति पर निगरानी रखने के लिए संबंधित विशेषज्ञों को शामिल करके परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं।

निदेशक की अध्यक्षता में गठित अनुसंधान अध्ययन सलाहकार मंडल शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अध्ययनों के लिए सहायता-योजना हेतु प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करता हैं। इसमें अन्य सदस्यों के अलावा अकादमिक एककों के अध्यक्ष भी सदस्य होते हैं। कुलसचिव इसका सदस्य सचिव होता है।

प्रशासन और वित्त

संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग-अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन, और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और समन्वय कक्ष हैं। अकादमिक प्रशासन और समन्वय कक्ष सीधे कुलसचिव को रिपोर्ट देते हैं। कुलसचिव के संपूर्ण प्रभार के अंतर्गत प्रशासनिक अधिकारी, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और प्रशिक्षण कक्ष के कामों की निगरानी करता है।

वित्त अधिकारी, वित्त और लेखा अनुभाग का प्रभारी होता है और कुलसचिव को रिपोर्ट देता है। 31 मार्च, 2005 के अनुसार संस्थान की कुल स्टाफ संख्या 163 थी। संस्थान के स्वीकृत स्टाफ का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार हैं :

संवर्ग पद	संख्या
संकाय	49
अकादमिक सहायता	14
प्रशासन, वित्त, अनुसचिवीय और अन्य	
तकनीकी स्टाफ	64
समूह घ	36
योग	**163**

स्टाफ में परिवर्तन

प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय ने दिनांक 7.12.2004 (अपराह्न) को निदेशक (प्रभारी), नीपा का कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. प्रदीप कुमार जोशी को नीपा, निदेशक के के पद से दिनांक 7.12.2004 को कार्यमुक्त कर दिया गया।

वित्त

इस वर्ष संस्थान को 525.33 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ (इसमें गैर-योजना मद में 264.79 लाख और योजना मद में 260.54 लाख रुपये शामिल थे)। वर्ष के प्रारम्भ में संस्थान के पास गैर-योजना तथा योजना, दोनों मदों में 15.35 लाख रुपये की राशि थी। इस साल कार्यालय और छात्रावास से 20.17 लाख रुपये की प्राप्ति हुई। समीक्षाधीन वर्ष में योजना तथा गैर-योजना व्यय 595.27 लाख रुपये था।

दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में संस्थान के पास 144.97 लाख रुपये की राशि थी और इस साल 266.96 लाख रुपयों की राशि प्राप्त हुई। इस साल प्रायोजित कार्यक्रमों और अध्ययनों पर कुल 185.08 लाख रुपये व्यय किए गए। वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा की विस्तृत रिपोर्ट परिशिष्ट VI में प्रस्तुत है।

अनुलग्नक

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
डिप्लोमा कार्यक्रम				
राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम				
01.	05.1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 24वां राष्ट्रीय डिप्लोमा जारी (चरण III)	19 - 23 जून 2004 (5 दिन)	18
02.	05.4	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 25वां राष्ट्रीय डिप्लोमा चरण I	1 सितम्बर-3 दिसंबर 2004 (94 दिन)	26
		चरण II	04 दिसंबर 2004-फरवरी 2005 (87 दिन)	
	योग	**2**	**186** दिन	**44**
अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम				
03.	08.3	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 20वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (चरण I) (जारी)	1 फरवरी - 30 अप्रैल 2004 (30 दिन)	36
		चरण II (गृहदेश)	1 मई - 30 जुलाई 2004 (91 दिन)	
04.	08	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 21वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम चरण-I	1 फरवरी - 30 अप्रैल 2005 (58 दिन)	49
	योग	**2**	**179** दिन	**85**

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी विषयवार कार्यक्रम				
विद्यालय प्रमुखों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन				
05.	04.1	प्रधनाध्यापकों के लिए विकलांग बच्चों के शिक्षा पर कार्यशाला	9-10 अप्रैल, 2004 (2 दिन)	25
06.	04.2	प्रधनाध्यापकों के लिए विकलांग बच्चों के शिक्षा पर कार्यशाला	16-17 अप्रैल, 2004 (2 दिन)	26
07.	02.7	माध्यमिक स्कूलों में विद्यालय आधारित पर्यवेक्षण पर कार्यशाला	16-20 अगस्त, 2004 (5 दिन)	16
08.	07.1	स्थानीय स्तर पर मॉनीटरिंग के लिए वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासकों का अभिविन्यास कार्यक्रम	23-27 अगस्त, 2004 (5 दिन)	33
09.	02.9	राजकीय तथा राजकीय सहायता प्राप्त व.मा. विद्यालयों के प्राचार्यों तथा जि.शि.अ. (मा.) के लिए स्कूल आधारित पर्यवेक्षण तथा अध्यापक विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	20-24 सितम्बर, 2004 (5 दिन)	48
10.	08.2	आदिवासी कल्याण आश्रम स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए संस्थानिक योजना और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	1-5 नवंबर, 2004 (5 दिन)	45
11.	02.12	केंद्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम	7-11 फरवरी, 2005 (5 दिन)	24
	योग	**7**	**29 दिन**	**217**
उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन				
12.	06.2	महिला कालेज प्राचार्यों के लिए कालेज की योजना तथा प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम	27 सितंबर - 16 अक्तूबर, 2004 (20 दिन)	26
13.	04.4	विशेष शिक्षा के प्रबंधन पर संगोष्ठी	4-6 अक्तूबर, 2004 (3 दिन)	48

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
14.	02.3	बालिका शिक्षा में सुधार के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन पर महिला शैक्षिक प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-22 अक्तूबर, 2004 (5 दिन)	11
15.	06.3	कालेज प्राचार्यों के लिए कॉलेजों की योजना तथा प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम	10-28 जनवरी, 2005 (19 दिन)	23
16.	00.1	मद्रास में स्वास्थ्य पर टी.क्यू.एम. कार्यक्रम	20-21 मई, 2004 (2 दिन)	140
17.	00.3	उच्च शिक्षा में महिला प्रबंधकों का क्षमता विकास	25-27 अक्तूबर, 2004 (3 दिन)	19
18.	06.4	शिक्षक संगठनों के हितार्थ कालेज शिक्षा में नवाचार पर अभिविन्यास कार्यक्रम	11-12 मार्च, 2005 (2 दिन)	33
19.	06.6	उच्च शिक्षा के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	15 मार्च, 2005	39
	योग	**8**	**55 दिन**	**339**

विद्यालय मानचित्रण और सूक्ष्म योजना

20.	01.2	स्कूल मानचित्रण तथा व्यष्टि स्तरीय योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	4-8 अगस्त, 2004 (5 दिन)	39
	योग	**1**	**5 दिन**	**39**

शैक्षिक वित्त की योजना तथा प्रबंधन

21.	03.1	विश्वविद्यालय वित्त के प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम	31 जनवरी - 4 फरवरी, 2005 (5 दिन)	27
22.	03.3	शैक्षिक वित्त के प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम	21-25 फरवरी, 2005 (5 दिन)	18
	योग	**2**	**10 दिन**	**45**

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एस.सी.ई.आर.टी.) की योजना तथा प्रबंधन				
23.	04.5	प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम के सार्वजनिकरण के सफल कार्यान्वयन की नीतिगत योजना तथा प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम	1-5 नवंबर, 2004 (5 दिन)	23
24.	07.3	डाइस संकाय के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम	6-17 दिसंबर, 2004 (12 दिन)	32
25.	01.3	माध्यमिक शिक्षा में स्कूल सुधार योजना में प्रशिक्षण कार्यक्रम	13-17 दिसम्बर, 2004 (7 दिन)	39
26.	07.4	पूर्वोत्तर में स्वायत्त जिला परिषदों के अधिकारियों के लिए विकेंद्रीकृत शैक्षिक योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	21-25 फरवरी, 2005 (5 दिन)	16
	योग	**4**	**27 दिन**	**110**
शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधि				
27.	07.2 & 08.2	शिक्षा में निर्णयकारी समर्थन सेवाओं हेतु परिमाणात्मक विधियों के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	22 नवंबर से 3 दिसंबर, 2004 (12 दिन)	27
	योग	**1**	**12 दिन**	**27**
डी.आई.एस.ई./ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी. कार्यक्रम				
28.	09.6	प्रारंभिक शिक्षा की योजना में संकेतकों के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	14-18 फरवरी, 2005 (5 दिन)	50
29.	09.1	गंगटोक में सिक्किम के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला	21-22 अप्रैल, 2004 (2 दिन)	30
30.	09.2	केरल सरकार के अधिकारियों के लिए तिरुवनंतपुरम में डाइस पर कार्यशाला	27-28 अप्रैल, 2004 (2 दिन)	38

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
31.	09.3	गैर डीपीईपी/स.शि.अ. राज्यों में डाइस लागू करने के लिए ई एम आई एस मैनेजरों के लिए बोधात्मक कार्यशाला	11-12 मई, 2004 (2 दिन)	22
32.	09.1	बिहार के एम आई एस प्रभारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला (क्षेत्र आधारित)	16-17 जून, 2004 (2 दिन)	40
33.	09.5	हिमाचल प्रदेश के एम आई एस प्रभारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला	1-2 जुलाई, 2004 (2 दिन)	20
34.	09.6	श्रीनगर के एम आई एस प्रभारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला	19-20 जुलाई, 2004 (2 दिन)	20
35.	09.7	देहरादून के एम आई एस प्रभारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला	8-9 सितंबर, 2004 (2 दिन)	30
	योग	**8**	**19 दिन**	**250**

आईडेपा के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

36.	02.1	नेपाल के पांच पायलट जिलों में जि.शि.यो. के आकलन पर कार्यशाला	12-14 अप्रैल, 2004 (13 दिन)	29
37.	08.1	स्कूल की विकेंद्रीकृत योजना तथा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	26 अप्रैल, 2004 (1 दिन)	36
38.	02.2	नेपाल में जि.शि.का. के मूल्यांकन के लिए संदर्शिका की तैयारी हेतु कार्यशाला	25-29 मई, 2004 (5 दिन)	15
39.	02.3	नेपाल में जि.शि.का. के मूल्यांकन के लिए संदर्शिका की तैयारी हेतु दूसरा कार्यशाला	31 मई - 5 जून, 2004 (6 दिन)	31
40.	02.4	शैक्षिक योजनाओं तथा कार्यक्रमों की मानीटरिंग तथा मूल्यांकन पर कार्यशाला	13-17 जून 2004 (4 दिन)	29
41.	02.6	जि.शि.यो. में नीचे से ऊपर की विधि पर उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम	8-13 अगस्त 2004 (6 दिन)	33

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
42.	06.1	उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण मुद्दे और सरोकार पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन	26-27 अगस्त 2004 (2 दिन)	45
43.	02.10	नेपाल में जि.शि.यो. में नीचे से ऊपर की विधि पर उच्च पाठ्यक्रम (काठमाण्डू)	26 सितंबर से 2 अक्तूबर, 2004 (7 दिन)	31
44.	02.11	नेपाल के संबंधित विभागों के अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु आवश्यकता आधारित पाठ्यचर्या को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	6-10 दिसम्बर 2004 (5 दिन)	10
45.	02.12	नेपाल के संबंधित विभागों के अधिकारियों के लिए प्रबंधन तथा योजना पर आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम	20 दिसम्बर 2004 से 15 जनवरी, 2005 (27 दिन)	25
46.	03.2	बुनियादी शिक्षा के विकास पर अफ्रीका एशिया विश्वविद्यालय संवाद	16&18 फरवरी 2005 (3 दिन)	11
	योग	**11**	**80** दिन	**295**

अन्य कार्यक्रम

47.	05.2	भारत में शैशवकालीन कार्यक्रम पर संगोष्ठी सहित कार्यशाला	16-17 जून, 2004 (2 दिन)	37
48.	09.4	परियोजना नियोजन तथा मानीटरिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	9-13 अगस्त, 2004 (5 दिन)	31
49.	09.5	शिक्षा में निर्णय समर्थन सेवा के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-22 अक्टूबर, 2004 (5 दिन)	38
50.	04.7	महिला शिक्षा तथा विकास के नीतिगत विश्लेषण तथा मूल्यांकन पर संगोष्ठी तथा कार्यशाला	8-10 दिसंबर, 2004 (3 दिन)	23
51.	06.1	पुरा के लिए ज्ञान संलग्नता (ग्रमीण क्षेत्रों में नगरीय सुविधाएं प्रदान करना)	21 अप्रैल, 2004 (1 दिन)	28

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
52.	06.2	विश्वविद्यालय प्रशासन का लोकशाहीकरण	22-23 जून, 2004 (2 दिन)	10
53.	00.2	एडुसैट पर बैठक तथा कार्यशाला	7-8 अक्तूबर, 2004 (2 दिन)	24
54.	09.8	शिक्षा में निर्णय समर्थन सेवा के लिए संगणक अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-22 अक्तूबर, 2004 (5 दिन)	38
55.	06.7	तकनीकी समिति का बैठक	14 मार्च, 2005 (1 दिन)	21
56.	02.7	माध्यमिक शिक्षा में विविधता के प्रबंधन पर कार्यशाला/विचार मंच	23 मार्च, 2005 (1 दिन)	19
	योग	**10**	**27** दिन	**269**
	महायोग	**56**	**629** दिन	**1720**

एकक कोड संख्या

00. संयुक्त निदेशक
01. शैक्षिक योजना एकक
02. शैक्षिक प्रशासन एकक
03. शैक्षिक वित्त एकक
04. शैक्षिक नीति एकक
05. विद्यालय तथा अनौपचारिक शिक्षा एकक
06. उच्च शिक्षा एकक
07. प्रादेशिक प्रणाली एकक
08. अंतर्राष्ट्रीय एकक
09. संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन एकक (ओ.आर.एस.एम.)

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान : 2004-2005

जांध्याला बी.जी. तिलक

प्रकाशन

अनुसंधान आलेख

आर वी मार्चिंग टूवाड्र्स लेसर्स - फेयरीज्म इन हायर एजुकेशन डवलपमेन्ट, वेल्थ आफ डाइवर्सिटी : द रोल आफ यूनीवर्सिटीज इन प्रमोटिंग डायलॉग एंड डवलपमेंट पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत, साओ-पालो (25-29 जुलाई 2004) द वेल्थ आफ डायवर्सीटी : द रोल आफ यूनीवर्सीटीज़ इन प्रमोटिंग डायलाग एंड डवलपमेंट : हायलायट 2004, आम सभा, साओ पालो : अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय संघ, 2005, पृ. 93-112 [http://www.unesco.org/iau/gc-brazil/gcworkshop_files/rtf/tilak_21 or http://www.unesco.org/iau/confeences/SaoPaulo/confsaopaulo7.rtf] जर्नल आफ पीकींग यूनिवसर्टी एजुकेशन रिव्यू में चीनी अनुवाद, बीजिंग)

सस्टेनेबल एजुकेशन डवलपमेंट फार सस्टेनेबल डवलपमेंट : इंटरनेशनल फोरम आन एजुकेंशन फार सस्टेनेबल डवलपमेंट, ग्लोबलाइजिंग एजुकेशन : पर्सेपशन एंड प्रोसेस में (सं) एस.सी. बेहर, पुणे : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन 2005, पृ. 77-92 इंटरनेशनल फोरम आन एजुकेशन फार सस्टेनेबल डवलपमेंट पर मुख्य व्याख्यान, बीजिंग अकादमी आफ एजुकेशनल साइन्सेज़

हायर एजुकेशन अंडर स्ट्रक्चलर मेंनेजमेंट, फायनेंसिंग हायर एजुकेशन इन ए ग्लोबल मार्केट में (सं) सी.ओ. माइकल तथा मार्क ए. केरटोविक्स, न्यूयार्क अलगोरा पब्लिशिंग, 2005, पृ. 27-99

हायर एजुकेशन बिटवीन द स्टेट एंड द मार्केट, रिसर्च एंड हायर एजुकेशन पॉलिसी एंड नौलेज एक्चेंज एंड गर्वनेन्स पर विचार मंच, पेरिस; यूनेस्को फारम आन हायर एजुकेशन, रिसर्च एंड नॉलेज (1-3 दिसम्बर 2004) ई डी 04/के. 611/26 (मिमियो)

http://portal.unesco.org/education/en/file_download.php/08f7elec2e243806a82bde9d7179ae72Colloquim+-+December+04+-+Tilak.doc [यूनेस्को में पोलिस में अनुवाद, A Szkolinictwo Wyzsze, Warszawa: Wydawnictwo Wyzszej Szkoly Pedagogicznej, Pedagogical univeristy in Warsaw, 2005, pp. 7-30].

एजुकेशन इन द यू.पी.ए. गर्वमेंट कॉमन मिनिमम प्रोग्राम: इकोनोमिक एंड पालिटिकल वीकली 39 (43) 23 अक्तूबर 2004) http//epw.org.in/showArticles.php?root=2004&leaf=10&filename=7836&filetype=pdf].
आटोनॉमस कालेज इन इंडिया : ए रिव्यू ऑफ प्रोग्रेस, प्राब्लम्स एंड प्रास्पेक्ट्स : आटोनामी आफ कालेज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : न्यू डामेन्शन्स मैसूर : एस.बी.आर.आर. महाजना फर्स्ट ग्रेड कालेज (10-11 सितम्बर 2004)

बिल्डिंग ह्यूमन कैपिटल इन ईस्ट एशिया : व्हाट अदर्स कैन लर्न? एस. नरसिम्हन तथा जी. बाला चदारिने (सं), इंडिया एंड इस्ट एशिया : लर्निंग फ्राम ईच अदर; दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय, पूर्वी एशिया अध्ययन विभाग तथा नानक प्रकशन, 2004, पृ. 13-100

क्वालिटी हायर एजुकेशन एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट इन क्वालिटी हायर एजुकेशन एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट : नॉक डकेनियल व्याख्यान, बैंगलोर, नॉक 2004, पृ. 77-104 (नॉक डेकिनियल ईयर लैक्चर हैदराबाद विश्वविद्यालय, 9 अगस्त 2004)

अब्सेन्स आफ पॉलिसी एंड पर्सपेक्टिव इन हायर एजुकेशन, इकोनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली 39 (21) (22 मई 2004) : 2159-64 (चैलेज इन हायर एजुकेशन इन इंडिया पर आयोजित अर्न्तराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत आलेख, समाज शास्त्र विभाग, पूणे, पुणे-विश्वविद्यालय (30-31 जनवरी 2004)

http://epw.org.in/showArticles.php?root=2004&leaf=05&filename=7222&filetype=html

ग्लोबलाइजेशन एण्ड एजूकेशन, आई.एच. खान और एम.एस. थामस (सं.), मैनेजमेंट ऑफ हायर एजुकेशन : 21 सेंचुरी चैलेंज, नई दिल्ली : अनम्य पब्लिशर्स - जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 2004, पृ. 87-93

कास्ट्स एंड फायनेंसिंग आफ एजुकेशन इन तमिलनाडु, इंडिया डवलपमेंट रिव्यू 2 (2 दिसम्बर 2004) 141-83

रोल आफ एन.जी.ओ. इन एजुकेशन इन इंडिया, मैन एण्ड डवलपमेंट 26(2) जून 2004 : 17-24 (सबके लिए शिक्षा पर सम्मेलन : गैर सरकारी संगठनों के लिए नई भूमिका, टोक्यो : अर्न्तराष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, तोवा विश्वविद्यालय तथा शिक्षा में अर्न्तर्राष्ट्रीय सहयोग केन्द्र, हिरोशिमा विश्वविद्यालय

हायर एजुकेशन एंड डवलपमेंट इन केरला, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल एंड इकानामिक पॉलिसी 1 (1 जून 2004) : 61-86

समीक्षा लेख/पुस्तक समीक्षाएं

क्रिटिक : जेंडर एंड एजुकेशन फार आल, इ.एफ.ए. ग्लोबल मानिटरिंग रिपोर्ट 2003/04 (यूनेस्को)। इंटरनेशनल रिव्यू आफ एजुकेशन 51 (जनवरी 2005) : 73-83

इकानमिक्स आफ स्कूलिंग एंड स्कूल इक्विटी (इ.ए. हानुसेक, सं) जर्नल आफ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन 19 (1), (जनवरी 2005) : 161-63

इकामिक्स ऑफ हायर एजुकेशन/सी.आर. बेलफील्ड एंड हेनरी एम लेविन सं) जेपा 18 (4 अक्तूबर 2004) 544-46

चाइल्ड लेबर एंड राइट टू एजुकेशन इन साऊथ ईस्ट एशिया, नीड्स वर्सेस राइट (एन कबीर सं), रिव्यू ऑफ डवलपमेंट एंड चेंज 9 (1) (जनवरी-जून 2004) 107-12

अचीविंग यूनिवर्सल प्राईमरी एजुकेशन बाय 2015 : ए चान्स फार एवेरी चाइल्ड (बारंबरा बर्न्स सं) जेपा 18(3) जुलाई 2004, 414-16

द इकानमिक इंस्टीट्यूशन्स ऑफ हायर एजुकेशन्स : इकामिक थियोरीज ऑफ यूनिवर्सटीज बिहेवियर (जे.पी. टेन्स एंड सी.जी. लेदर्स जेपा (18) (2) अप्रैल 2004: 281-86

सदस्य, व्यावसायिक निकाय

सदस्य, बोर्ड आफ स्टडीज, अर्थशास्त्र विभाग, श्री सत्या साई उच्च अध्ययन संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), प्रशान्ति निलायम (2002 - 06)

सदस्य, उच्च तथा तकनीकी शिक्षा पर परामर्शकारी समूह (योजना आयोग, भारत सरकार, अगस्त 2004)

सदस्य सचिव, उच्च तथा तकनीकी शिक्षा वित्त पोषण पर केब समिति, नई दिल्ली (मा.सं.वि. मंत्रालय) 2004-05

सदस्य, आन्ध्र प्रदेश विश्वविद्यालय में स्टाफिंग पैटर्न के युक्तिकरण पर उच्च समिति (2004-05)

कार्यशालाएं/सम्मेलनों में भागीदारी

यूनिवर्सलाइजेशन ऑफ कम्पलसरी एजुकेशन पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, बीजिंग अकादमी ऑफ एजुकेशनल साइन्सेज (16-18 मार्च 2005) आलेख प्रस्तुत किया, सत्र की अध्यक्षता की तथा पैनलचर्चा में भाग लिया

मुफ्त तथा अनिवार्य शिक्षा बिल तथा समान स्कूल व्यवस्था पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, नई दिल्ली, नेशनल अलायंस फार राइट टू एजुकेशन एंड इक्विटी (26-27 फरवरी 2005) मुख्य भाषण दिया

यू.पी. एजुकेशन बजट अनालिसिस पर कार्यशाला, लखनऊ, आक्सफॉम (24 जनवरी 2005)

उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्रियों का सम्मेलन, बेंगलोर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (10-11 जनवरी 2005)

सबके लिए शिक्षा क्रियान्वयन हेतु संगोष्ठी : टीचर्स एंड रिसोर्स मेंनेजमेंट इन द कान्ट्रैक्सट आफ डिसेन्ट्रेलाजेशन्स यूनेस्को/नीपा/एएससीआई, हैदराबाद, अकादमिक स्टाफ कालेज आफ इंडिया (6-8 जनवरी 2005)

कृषि अर्थव्यवस्था तथा ग्रामीण विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रशान्ति निलियम : श्री सत्य साईं उच्च शिक्षा संस्थान (21-22 दिसम्बर 2004) आलेख प्रस्तुत किया तथा पैनल चर्चा में पैनालिस्ट के रूप में भाग लिया

विकास-शिक्षा मुद्दे, चुनौतियों तथा रणनीतियों में अभिशासन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, ग्रामीण प्रबन्धन संस्थान, आनन्द, 14-16 दिसम्बर 2004, तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की तथा आलेख प्रस्तुत किया

एशिया तथा प्रशान्स क्षेत्र में डब्ल्यू टी ओ तथा गेट्स के क्रियान्वयन पर प्रस्तावित क्षेत्रीय संगोष्ठी हेतु विशेषज्ञों की तैयारी बैठक, नई दिल्ली, यूनेस्को (9-10 दिसम्बर 2004)

अनुसंधान तथा उच्च शिक्षा नीति : ज्ञान, पहुंच तथा अभिशासन पर विचार मंच बैठक (1-3 दिसम्बर 2004) आलेख प्रस्तुत किया

भारत में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, उभरती चुनौतियां, बेलगांव, लिंगारी कालेज, 20-21 नवंबर 2004, मुख्य भाषण दिया

शिक्षा के अधिकार पर सम्मेलन, नई दिल्ली, यूनेस्को तथा आन्तरिक कानून भारतीय समिति (14 नवंबर 2004) [पैनालिटी]

शैक्षिक अनुसंधान पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, हिरोशिमा विश्वविद्यालय (10-12 नवंबर 2004), तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की

कामकाजी बच्चों के स्कूल के भेजने के विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, हैदराबाद, एम.वी. फाउन्डेशन (4-5 नवंबर, 2005) [पैनालिस्ट]

ए.आई.एफ.यू.सी.टी.ओ. तथा सभी युवाओं के लिए गुणवत्ता शिक्षा पर यू.जी.सी. की राष्ट्रीय संगोष्ठी (1-3 नवंबर, 2004) जोधपुर, जे.एन. व्यास विश्वविद्यालय

आन्ध्र प्रदेश में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का सम्मेलन, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश उच्च शिक्षा राज्य परिषद (14 अक्तूबर 2004)

भारत के विश्वविद्यालयों के समक्ष चुनौतियां, नई दिल्ली, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (2 अक्तूबर, 2004)

कालेजों की स्वायत्ता हेतु राष्ट्रीय संगोष्ठी : नये आयाम, मैसूर : एस.बी.आर.आर. महाजना फस्ट ग्रेड कालेज (10-11 सितम्बर 2004) व्याख्यान दिया

न्यूनतम सहमति कार्यक्रम पर संगोष्ठी भारतीय जन प्रशासन संस्थान, (3 सितम्बर, 2004, प्रस्तुति)

बीजिंग फोरम आन द हारमोनि एंड पर्सपैरिटी ऑफ सिविलाईजेशन, बीजिंग, 23-25 अगस्त 2004, आलेख प्रस्तुत किया

चीन में शिक्षा तथा मानव संसाधन तथा विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बीजिंग, पीकिंग विश्वविद्यालय, 26-27 अगस्त, 2004

महिला शिक्षा तथा विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन सोसाइटी फार इकानमिक एंड सोशल रिसर्च तथा मिसेज हेलना काशिक वूमेन कालेज, मल्सीसार (31 जुलाई-2 अगस्त 2004) संगोष्ठी की अध्यक्षता की

वेल्थ ऑफ डायवर्सीटी पर बारहवां आम सम्मेलन : द रोल ऑफ यूनिवर्सिटी इन प्रोमोटिंग डाइलाग एंड डवलपमेंट, साओ पालो, साओ पालो विश्वविद्यालय 25-29 जुलाई 2004 (तकनीकी सत्र में भाषण दिया)

शिक्षा पर परामर्शकारी बैठक, नई दिल्ली, कॉमनवेल्थ फंड फार एजुकेशन/एक्शन एड (14 जुलाई 2004) (फाइनेंसिंग एजुकेशन पर व्याख्यान)

आंध्र प्रदेश शिक्षक संघ की सोलहवीं वार्षिक बैठक, अनंतपुर (10-12 जुलाई), शिक्षा तथा भूमण्डलीकरण पर व्याख्यान

अल्पसंख्यक कल्याण तथा शिक्षा पर चर्चा, नई दिल्ली, मा.स.वि. मंत्रालय (3 जुलाई 2004)

शिक्षा में गुणवत्ता स्थायित्व हेतु गोलमेज सम्मेलन, हैदराबाद अकादमिक स्टाफ कालेज आफ इंडिया, 2-3 जुलाई 2004 (तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की)

शिक्षा के स्नात्तकोत्तर कार्यक्रम पर रूपरेखा बैठक, बैंगलोर, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एडवान्स स्टडीज (24-25 जून 2004)

भारत में एम.डी.जी. प्राप्त करने हेतु सम्मेलन, निजी नीति तथा सेवा वितरण की भूमिका, विश्व बैंक (17-18 जून 2004)

टूवडर्स इंक्लूसिव सोसाइटी : सिविल सोसाइटी रिसपान्स टू दी कामन मिनिमम प्रोग्राम, नई दिल्ली, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, (11 जून 2004) शिक्षा पर पैनलिस्ट के रूप में चर्चा

योजना मूल्यांकन के लिये संहिता तैयरी हेतु कार्यशाला, काठमाण्डू, नेपाल (4-6 जून 2004) [सभी के लिए शिक्षा के वित्त पोषण पर विशेष व्याख्यान]

कंट्रीब्यूशन आफ पोस्ट बेसिक एजुकेशन एंड ट्रेनिंग टू पावर्टी रिडक्शन पर रूपरेखा कार्यशाला, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय (22-25 मई 2004)

चेंजिंग रिसर्च पॉलिसी इन द हायर एजुकेशन सिस्टम आफ द एशिया-पैसिफिक रीजन, एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र हेतु प्रथम अनुसंधान बैठक (13-14 मई 2004) चर्चा में भाग लिया

चिल्ड्रन मिसिंग एंड एजुकेशन इन इंडिया, वर्किंग ग्रुप फार ग्लोबल एक्शन वीक पब्लिक लेक्चर, कामनवेल्थ एजुकेशन फंड (21 अप्रैल 2004) व्याख्यान

विदेश भ्रमण

फ्रांस - रिसर्च एण्ड हायर एजुकेशन पालिसी : नॉलेज, एक्सेस एंड गवर्नेन्स : स्ट्रेटीज फार चेंज, पेरिस : यूनेस्को फोरम आन हायर एजुकेशन रिसर्च एंड नालेज (1-3 दिसंबर 2004) [आलेख प्रस्तुत किया]

चीन - बीजींग फोरम आन द हारमोनी एंड प्रासप्रेटी आफ सिविलाईजेशन में भागीदारी (23-25 अगस्त बीजींग) इंटरनेशनल सिम्पोसियम आन एजुकेशन एंड ह्यूमन रिसोर्स डवलपमेंट इन चायना, अनिवार्य शिक्षा के सार्वजनीकरण पर अंतर-देशीय संगोष्ठी, बीजिंग, बीजिंग शिक्षा विज्ञान संस्थान (16-18 मार्च 2005)

ब्राजील -वेल्थ आफ डाइवरसिटी पर बारहवीं आम सभा द रोल आफ यूनीवर्सीटीज इन प्रमोटिंग डॉयलाग एंड डवलपमेंट, साओ पालो, साओ पालो विश्वविद्यालय (25-29 जुलाई 2004)

नेपाल - पिरेपरेशन आफ ए मैनुअल फार प्लान अप्रेसल पर कार्यशाला, काठमाण्डू, नेपाल (4-6 जून 2004) सबके लिए शिक्षा पर विशेष व्याख्यान

इंग्लैण्ड - कंट्रीब्यूशन आफ पोस्ट बेसिक एजुकेशन एंड ट्रेनिंग टू पावर्टी रिडक्शन : एविडेन्स फ्रास साउथ एशिया एंड सब-सहारा अफ्रीका, अध्ययन केन्द्र पर रूपरेखा कार्यशाला, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय (22-25 मई 2004)

जापान - एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के लिये प्रथम अनुसंधान संगोष्ठी में भाग लिया : चेजिंग रिसर्च पालिसी इन द हायर एजुकेशन सिस्टम आफ द एशिया पैसिफिक रीजन, यूनेस्को फोरम आन हायर एजुकेशन, रिसर्च एंड नॉलेज, पेरिस, टोक्यो, संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय (13-14 मई 2004) तथा जापान : शैक्षिक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी

शैक्षिक शोध पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, 10-12 नवंबर 2004

विशेष ब्याख्यान

नॉक दशकीय वर्ष व्याख्यान, हैदराबाद विश्वविद्यालय (9 अगस्त 2004)

अन्य महत्वपूर्ण कार्य

मानद प्रोफेसर के रूप में कार्य, श्री सत्या साई उच्च शिक्षा संस्थान, प्रशान्ति निलायम

जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन का संपादन, चतुमासी पत्रिका

के. सुजाता

'शैक्षिक योजना तथा कार्यक्रमों के अनुश्रवण तथा मूल्यांकन पर कार्यशाला, काठमाण्डू, नेपाल (14-17 जुलाई, 2004)

'इम्प्रूविंग स्कूल मैनेजमैंट : लर्निंग फ्राम स्कूलस' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा संयोजना की, मनिला, फिलीपीन्स (6-9 जुलाई, 2004)

'स्कूल मैनेजमैंट एंड सुपरवीजन' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, आगा खान फाउन्डेशन पाकिस्तान द्वारा आयोजित, पाकिस्तान, कराची, (7-13 अगस्त, 2004)

'एजुकेशन रिसर्च फार डवलपिंग एंड ट्रांसिशन कंट्रीज' विश्व सम्मेलन में भागीदारी, प्राग, चेक गणराज्य (31मार्च से 2 अप्रैल, 2005)

पुस्तकें

'इम्प्रूविंग स्कूल मैनेजमैंट : लर्निंग फ्राम स्कूल्स' (प्रकाशनाधीन) आई.आई.ई.पी द्वारा प्रायोजित

सदस्य

सदस्य, संपादक मंडल, जर्नल आफ स्टडीज़ आफ ट्राइब्स एंड ट्राइब्लस', दिल्ली विश्वविद्यालय

सदस्य, आंध्रप्रदेश में आदिवासी बोलियों में पुस्तकों के क्रियान्वयन पर सलाहकार मंडल

अन्य गतिविधियां

संपादन : एट्रीप न्यिूज्लेटर (जनवरी-जून 2004 अंक)

संपादन : जुलाई-दिसंबर 2004 अंक

'इम्प्रूविंग स्कूल मैनेजमैंट इन एशियन कंट्रीज : कैपसिटी बिल्डिंग फार हैड टीचर्स' एंट्रीप द्वारा आयोजित सहयोगात्मक एंट्रीप अनुसंधान गतिविधि कार्यक्रम

'इम्प्रूविंग स्कूल मैनेजमैंट : लर्निंग फ्राम स्कूलस' पर रिपोर्ट तैयार की

'इम्प्रूविंग स्कूल मैनेजमैंट : लर्निंग फ्राम स्कूल' पर वार्षिक एंट्रीप सम्मेलन तथा मनिला, फिलिपाइन्स में आयोजित एंट्रीप बैठक में संयोजन, 6-9 जुलाई 2004

सुदेश मुखोपाध्याय

पुस्तकें तथा अनुसंधान रिपोर्ट

'पॉलिसी रिसर्च फार मानिटरिंग एंड डिसेमिनिशन आफ ई.एफ.ए गोल्स इन साउथ एशिया': द इंडियन केस, यूनेस्को, नई दिल्ली, वेबसाइट, (मार्च-जून 2005) सह-लेखक, सेदवाल-एम

जनशाला, इवालविंग रिसपान्सिव स्कूल्स) फ्रेमवर्क एंड प्रैक्टिसेज आफ इंकलूसिव एजुकेशन, नई दिल्ली, मा.सं.वि. मंत्रालय-2005

'मैनेजमैंट आफ इन्कजलूसिव एजुकेशन (सेमिनार रिपोर्ट 4-6 अक्तूबर 2004) नीपा: नई दिल्ली 2005 (सहलेखक-जयंती प्रकाशन)

'ए स्टडी आन द गर्वनेमेंट इनिशियेटिव एंड रोल एंड कंट्रीब्यूशनस आफ एन.जी.ओ.टूवर्डस इन्कलुसिव एजुकेशन इन इंडिया, नई दिल्ली, नीपा 2005 (मिमियो)

प्राइमरी एजुकेशन एन्हासमेंट प्रोजेक्ट (पी.ई.ई.पी11) मिड टर्म एव्यालूशन रिपोर्ट, नई दिल्ली यूनिसेफ 2004 (सहलेखक : ईलीन वहाव)

पुस्तकों में अध्याय

इन्कलूसिव एजुकेशन इन द कांटेक्सट आफ ई.एफ.ए. अलूर मित्थू एंड माइकल बाक (सं) इन्कलूसिव एजुकेशन फ्राम रेहेटोरीक टू रियालती, द नार्थ-साउथ डायॅलाग, नई दिल्ली वाइवा बुक्स में, 2005

सम्मेलन संगोष्ठियों में प्रस्तुत आलेख

'रिथिन्किस इन्कलूसिव एजुकेशन : दि नार्थ साऊथ डायलाग III: टूवर्डस ए ग्लोबल अलायन्स आन इंक्लूसिव एजुकेशन पर आयोजित सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया, नेशनल रिसोर्स सेंटर फार इन्कलूसन- इंडिया, 27 फरवरी 4 मार्च 2005

चैन्जिंग ट्रेंडस इन एजुकेशन, सुदेश मुखोपाध्याय इन्कलूसन - द राइटस एप्रोच, वेस्ट रीजनलस कांफ्रेंस आई सी.ई.वी. आई, नई दिल्ली 23-25 जनवरी 2005

परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

एडसिल, पेडागॉजी पर विशेषज्ञ तथा मिशन सदस्य

मा.सं.वि. मंत्रालय जनशाला के अंतर्गत दस्तावेज

रीच इंडिया, स्कूल जाने वाले छात्रों के लिये समर्थन तथा कार्य कर रहे एन.जी.ओ की पहचान तथा मूल्यांकन

द वर्ल्ड बैंक, डी.पी.ई.पी संबंधित संयुक्त समीक्षा मिशन के लिए शिक्षा विशेषज्ञ

यूनेस्को इराक, इराक में समेकित, शिक्षा पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति (अम्मान में आयोजित)

यूनिसेफ, पी.ई.ई.पी के मध्यावधि मूल्यांकन के लिये प्रमुख परामर्शदाता

नजमा अख्तर

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/विचारमंच

नेपाल के पांच पायलट जिलों के डी.ई.पी. मूल्यांकन हेतु कार्यशाला, काठमांडू, 12 अप्रैल-24 अप्रैल, 2004

नेपाल में डी.ई.पी के मूल्यांकन हेतु संहिता के विकास हेतु प्रथम कार्यशाला 25-29 मई,2004, काठमांडू

नेपाल में डी.ई.पी के मूल्यांकन हेतु संहिता के विकास हेतु द्वितीय कार्यशाला, काठमांडू 31 मई-5 जून 2004

नेपाल, काठमांडु में जि.शि.यो. की मानीटरिंग तथा मूल्यांकन पर कार्यशाला, 13-17 जून 2004

नेपाल में जिला शिक्षा मूल्यांकन योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशाला, काठमांडू, 8-13 अगस्त 2004

डी.ई.पी के विकास हेतु विधि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 26 सितंबर-1 अक्तूबर 2004

एन.सी.ई.डी, एम.ओ.ई.एस नेपाल के क्षमता निर्माण के लिये प्रबंधन तथा योजना पर पाठ्यक्रम के पाठ्यचर्चा को अंतिम रूप देने पर कार्यशाला 6-9 दिसंबर, 2004

एन.सी.ई.डी.एम.ओ.ई.एस के क्षमता निर्माण हेतु प्रबंधन तथा योजना में एक महीने का पाठ्यक्रम, 20 दिसंबर 2004 से 15 जनवरी, 2005,

शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में महिला प्रशासकों के लिये कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम: बलिका शिक्षा पर विशेष ध्यान 18-22 अक्तूबर, 2004

केंद्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षा अधिकारियों के लिये शैक्षिक प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, 7-11 फरवरी, 2005

मैनेजिंग डाइवर्सीटीज़ इन सैकेण्डरी स्कूल एजुकेशन, नीपा, नई दिल्ली 23 मार्च, 2005

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रदान समर्थन

कार्यशाला : माध्यमिक विद्यालयों में विद्यालय आधारित निरीक्षण जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) तथा माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य, 16-20 अगस्त, 2004

प्रशिक्षण कार्यक्रम : विद्यालय मानचित्रण तथा सूक्ष्म योजना, प्रारंभिक शिक्षा की योजना तथा प्रबंधन से जुड़े राज्य तथा जिला स्तर के अधिकारी 16-20 अगस्त, 2004

प्रशिक्षण कार्यक्रम : स्कूल आधारित पर्यवेक्षण तथा अध्यापक विकास, माध्यमिक स्कूलों के प्राचार्य तथा जिला शिक्षा अधिकारी, 20-24 सितंबर, 2004

प्रशिक्षण कार्यक्रम : शिक्षा की जिला योजना, प्रारंभिक शिक्षा से संबद्ध राज्य तथा जिला स्तर के अधिकारी, 4-8 अक्तूबर, 2004

डेपा 25 पाठ्यक्रम सं 104 की प्रभारी, शैक्षिक प्रबंधन

पाठ्यक्रम सं.105 की प्रभारी, भूमंडलीकरण के दौर में शैक्षिक प्रबंधन तथा विकास

शोध-अध्ययनों में मार्गदर्शन

आइडेपा 2004 के शोध अध्ययन हेतु 'मोजाम्बिक में गुणवत्ता शिक्षा पर कार्यक्रम का प्रभाव' पर श्री हिलाटियो सामोस काऊ को मार्गदर्शन

डेपा कार्यक्रम हेतु महिला शिक्षा के लिये सशक्तिकरण योजनाओं पर शोध अध्ययन हेतु सुश्री शीलू मैरी एलेक्स, व्याख्याता (योजना तथा प्रबंधन) डाइट, प्रीतमपुरा को मार्गदर्शन, 2004

राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय सम्मलेन/संगोष्ठी

'ए डायलाग विद माइनरटी आर एजुकेशन' पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया, तीन जुलाई 2004 विज्ञान भवन, नई दिल्ली

'एव्याल्यूशन आफ डी.पी.ई.पी. प्रोग्राम' पर सम्मेलन में भाग लिया, 22-23 अक्तूबर 2004, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

'एजुकेशन एंड द माइनरटी पर सम्मेलन में भाग लिया, 29 अक्तूबर 2004, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

को - आपरेटिव फेडेरालिसम एंड द मेंनेजमेंट ऑफ डायवरसिटी पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी ताज मान सिंह होटल, नई दिल्ली

'प्रोफेशनल डवलपमेंट प्रोग्राम्स' पर आलेख प्रस्तुत किया, कोबसे क्षेत्रीय सम्मेलन, पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड के सहयोग से मोहाली, पंजाब 5-6 नवंबर, 2004

'इंटरनेशनल लॉ' : स्पेशल पैनल आन राइट टू एजुकेशन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, यूनेस्को द्वारा आयोजित, 14 नवंबर, 2004, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली

'बेंच मार्किंग आफ इंटरनेशनल प्रैक्सिेज इन द यूज आफ मल्टीमीडिया फार फार्मल एजुकेशन' पर अंर्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इसरो तथा सी.इ.एम.सी.ए. द्वारा आयोजित, यू.एन. प्रशिक्षण कार्यक्रम, भोपाल, अहमदाबाद, 18-20 जनवरी 2005

'एक्सामिनेशन रिफार्म फार क्वालिटी, पर कोबसे की वार्षिक बैठक में भाग लिया, तिरूवंतापुरम, केरल, 27-29 जनवरी, 2005

'लीडर शिप डवलपमेंट' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, १६-१८ फरवरी

'आन्ध्र प्रदेश - सीमैट' के लिए रूपरेखा संयोजन, एस.एस.ए. राज्य परियोजना कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद, 18 फरवरी, 2005

'ग्लोबलाइजेशन एंड वूमेन एम्पावरमेंट' आलेख राष्ट्रीय संगोष्ठी ग्लोबलाइजेशन इन द एशियन पर्सपैक्टिव (सहलेखक डा. वाई जोसेफिन) प्रस्तुत किया, इरान सांस्कृतिक भवन द्वारा आयोजित, 18 तिलक मार्ग, दिल्ली, 5 मार्च, 2005

केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड की 'नेशनल वर्किंग ग्रुप आन द स्कीम आफ कान्डेनसड कोर्स आफ एजुकेशन एंड वोकेशनल ट्रेनिंग' पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया, 22-23 मार्च, 2005, सी.एस.डब्ल्यू.बी. कार्यालय, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली

बैठकों में अकादमिक समर्थन

स्टाफ के चयन के लिए यूपीएससी साक्षात्कार बोर्ड में भाग लिया, 27 अक्तूबर, 2004, यूपीएससी कार्यालय नई दिल्ली

व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण की पुन:श्चर्या योजना के संशोधन हेतु अंतर विभागीय बैठक, 22 नवंबर, 2004, मा. सं.वि. मंत्रालय, नई दिल्ली

सीमैट की वार्षिक कार्यकारी समिति इलाहाबाद, नीपा प्रतिनिधि के रूप में, 24 फरवरी, 2005, लखनऊ, उत्तर प्रदेश मा. सं.वि. मंत्रालय की सहायता अनुदान समिति में नीपा प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी, 16 मार्च, 2005

संस्थानों में सदस्यता

सदस्य, नेशनल वर्किंग ग्रुप आन कंडेनसड कोर्स फार गर्ल्स, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड (सी एस डब्ल्यु बी) समाज कल्याण भवन, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली

कार्यकारिणी समिति सदस्य कोबसे काउन्सिल आफ बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया, रिंग रोड, दिल्ली

सदस्य, प्रबंधन समिति, एयर फोर्स केन्द्रीय विद्यालय, तुगलकाबाद, नई दिल्ली

सुधांशु भूषण

अनुसंधान अध्ययन/आलेख/रिपोर्ट

'नालेज कनेक्टीविटी फार प्राविजन आफ अर्बन अमेनीटीज इन रूरल एरिया : मई 2004, रिपोर्ट

'ट्रेड इन एजुकेशन सर्विसेज अंडर गैट्स - इम्पलिकेशन्स फार हायर एजुकेशन इन इंडिया' इकानामिक एंड पालिटिकल वीकली, 5 जून 2004

'दि आलटरनेटिव एंड इनोवेटिव फार्म आफ हायर एजुकेशन फार लेफ्ट आउट यूथ' का अनुसंधान अध्ययन, जून 2004

ब्यूरोक्रेटाइजेशन आफ यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन' पर विचार मंच में आलेख प्रस्तुत किया, 22 जून 2004 नीपा, मई दिल्ली

'फोरन एजुकेशन प्रोवाइडर्स; इशूज एंड कन्सर्नस, मा.सं.वि. मंत्रालय को प्रस्तुत रिपोर्ट अगस्त 2004,

'मेसजर्स फार एनहान्सिंग कंपीटीवनेस आफ हायर एजुकेशन'' यूनीवर्सीटी न्यूज जिल्द 43, अंक 05, 31 जनवरी - 06 फरवरी, 2005

'इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन : इशूज एंड कसर्नस' पृष्ठभूमि आलेख, 26-27 अगस्त 2004 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु

'फोरेन एजुकेशन प्रोवाइडर्स इन हायर एजुकेशन इन इंडिया'' अगस्त 2004 में प्रकाशित

26-27 अगस्त के दौरान आयोजित सम्मेलन के लिये आलेखों का संग्रह, वितरण हेतु प्रकाशन

डोमेस्टिक रेगुलेशन इन द इमर्जिंग कांटेक्स्ट आफ इंटरनेशनेलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन, मा.सं.वि. मंत्रालय को प्रस्तुत रिपोर्ट 2004 नवंबर

रिसपेक्टेड इंटिग्रेटेड एप्रोच टू मोड 1 एंड मोड 2 इन एजुकेशनल सर्विसेज एंड नेगेटिव लिस्टिंग एप्रोच टू डब्ल्यू.टी.ओ., जापान के अनुरोध पर 21वीं तकनीकी समिति में पृष्ठभूमि आलेख, 4 नवंबर 2004, पत्र सं नीपा/एच ई यू - डब्ल्यू टी ओ/2004/दिनांक 11 नवंबर 2004 के अध्ययन से मा.सं.वि. मंत्रालय को तकनीकी समिति की रिपोर्ट सौंपी

फोरन एजुकेशन प्रोवाइडर्स इन इंडिया, मा.सं.वि. मंत्रालय को सम्मिलित रिपोर्ट, 2004 नवंबर

'द हायर एजुकेशन समित : द रोड मैप फार द फ्यूचर', फिक्की में संगोष्ठी हेतु तैयार, 1-2 दिसंबर 2004

i) एडमिशन एंड फीस इन प्राइवेट प्रोफेशनल कालेजस ii) प्राइवेट यूनीवर्सीटीज (iii) फोरन यूनीवर्सीटीज से संबंधित मुद्दों पर पृष्ठभूमि आलेख राज्य मंत्रियों की बैठक हेतु मा.सं.वि. मंत्रालय को सम्मिलित, 10-11 जनवरी 2005, बेंगलौर

केप्रैहैन्सिव इकॉनामिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट बिटवीन इंडिया एंड श्रीलंका, 22वीं तकनीकी समिति बैठक की रिपोर्ट, मा.सं.वि. मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी, 24 मार्च 2005,

कार्यशालाएं/सम्मेलन/व्याख्यान

'चॉयस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' पर आलेख प्रस्तुत किया, 20 अक्तूबर, 2004, कुवेम्पू विश्वविद्यालय, कर्नाटक, प्राचार्यों की कार्यशाला

'इंटरनेशनलाइजेशन आन एजुकेशन' पर व्याख्यान, 3 नवंबर, 2004, अकादमिक स्टाफ कालेज, जे.एन.यू., नई दिल्ली

'हायर एजुकेशन इन साउथ एंड साउथ ईस्ट एशिया' आलेख प्रस्तुत किया, ओमकुमार दास संस्थान द्वारा आयोजित संगोष्ठी गुवाहाटी, 16-19 नवंबर 2004

'इंटरनेशनलाईजेशन आफ एजुकेशन' एंड 'क्वालिटी एशुरंस इन हायर एजुकेशन' पर दो व्याख्यान, 26-27 नवंबर, 2004 अकादमिक स्टाफ़ कालेज, गोरखपुर

इम्पिलकेशन आफ डब्ल्यू.टी.ओ./गैट्स आन हायर एजुकेशन इन द एशिया एंड पैसिफिक' पर दो दिवसीय संगोष्ठी में रिपोर्तार्ज, 9-10 दिसम्बर 2004, यूनेस्को, नई दिल्ली, यूनेस्को को तत्पश्चात रिपोर्ट सम्मिलित

'हायर एजुकेशन इन द ट्वेन्टी फर्स्ट सेन्चुरी' पर व्याख्यान, 13 दिसंबर 2004, अकादमिक स्टाफ कालेज, जे.एन.यू., नई दिल्ली

'डेटेरोटिंग क्वालिटी इन हायर एजुकेशन इन इंडिया' पर आलेख, प्राचार्य संघ द्वारा आयोजित सम्मेलन, अहमदाबाद, 18 दिसंबर 2004

'ग्लोबलाइजेशन एंड हायर एजुकेशन' पर आलेख, भारतीय समाज विज्ञान कांग्रेस अकादेमी, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, 17 जनवरी 2004, शैक्षिक अनुसंधान समिति का समानांतर सत्र

'इम्प्रूविंग क्वालिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर टू मेक इंडियन हायर एजुकेशन ग्लोबली कंपीटीटीव' आलेख सुश्री बेला बनर्जी, संयुक्त सचिव, मा.सं.वि. मंत्रालय को सौंपा, 8 फरवरी 2005

'चैलेंजस आफ इंटरनेशनल ट्रेड इन एजुकेशन सर्विसेज' जे.एन.यू. में प्रस्तुत आलेख, दक्षिण एशिया कुलपति विचार-मंच, जे.एन.यू. द्वारा आयोजित, 2-4 मार्च 2005, शैक्षिक सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर तकनीकी संत्र में रिपोर्ताज

सम्मेलन/तकनीकी समिति परामर्श बैठकों का आयोजन

परामर्श बैठक

i) नालेज कन्केटीवीटी फार प्यूरा, नीपा, 21 अप्रैल 2004

ii) फोरेन एजुकेशन प्रोवाइडर्स इशूज एंड कन्सर्न, नीपा, 15 जून 2004

iii) मेसर्स टू इम्प्रूव इनफ्रास्टक्चर एंड क्वालिटी इन हायर एजुकेशन, 14 दिसंबर 2004

iv) रोड मैप फार हायर एजुकेशन इन इंडिया, 27 जनवरी 2005, नीपा

'इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन : इशूज एंड कन्सर्न, 26-27 अगस्त 2004, नीपा, नई दिल्ली

तकनीकी समिति की बैठकें

द प्रपोसल आफ जापान रिलेटिंग टू मोड 1 एंड मोड 2 एंड लेबर लॉज रिसट्रक्टिंग मूवमेंट आफ नैचुरल पर्सनस, 4 नवंबर 2005

कम्प्रैहेन्सिव इकानामिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट बिटवीन इंडिया एंड श्रीलंका, 14 मार्च 2005, प्रो. अरूण निगावेकर, अध्यक्ष, वि.अ. आयोग की अध्यक्षता में

प्रशिक्षण कार्यक्रम

दो प्रशिक्षण कार्यक्रम डिग्री कालेज के प्राचार्यों के लिये आयोजित किये, 28 सितंबर - 16 अक्तूबर 2004 तथा 10-28 जनवरी 2005, 'डवलपमेंट आफ कालेजियट एजुकेशन एंड रोल आफ टीचर्स आग्रेनाइजेशन' पर ए.आई.एफ.यू.सी.टी.ओ. की दो दिवसीय कार्यशाला, 11-12 मार्च 2005, कोहिमा के प्राचार्यो के लिये क्षेत्र आधारित कार्यक्रम

प्रमिला मेनन

पुस्तक समीक्षाएं

एलान रोजर्स, व्हाट इज डिफरेंस? ए न्यू क्रिटिक आफ एडल्ट लर्निंग एण्ड टीचिंग, ओपन यूनिवर्सिटी प्रेस, इंटरनेशनल जर्नल आफ एडल्ट एण्ड लाइफ लांग एजुकेशन, जिल्द 2, अंक 1, अप्रैल 2004

परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

सेवारत शिक्षकों की प्रशिक्षण हेतु मार्गदर्शिका के लिए परामर्शकारी बैठक, 2 अप्रैल 2004

उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिये योजना कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, 17-18 मार्च 2004

अनुसंधान परामर्श समिति (एस.एस.ए.) की बैठक में भागीदारी, 25 जून 2004

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन का एक दिवसीय परामर्श बैठक, (एन.एल.एम.) 4 अगस्त, 2004

अल्पसंख्यक शैक्षिक सांख्यिकी से जुड़े मुद्दों हेतु बैठक में भाग, मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा अयोजित, 24 अगस्त 2004

सीमेट की स्थापना हेतु केरल सरकार को संसाधन सहायता, बैठक की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री ने की तथा शिक्षा सचिव ने भाग लिया, राज्य परियोजना निदेशक तथा जनशिक्षा निदेशक, 18 अक्टूबर, 2004

सर्वशिक्षा अभियान के प्रथम संयुक्त समीक्षा मिशन में भारत सरकार के सदस्य के रूप में भागीदारी 24 जनवरी - 7 फरवरी 2005

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन

'इनोवेटिव प्रैक्टिस इन डाइट्स' पर दो दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया, पूर्वी क्षेत्रीय समिति, पुरी, 27-30 अगस्त 2004

'रिफोर्म नीड्स इन एजुकेशनल मेंनेजमेंट फार अचीविंग यू.ई.ई.' मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा शिक्षा विभाग महाराष्ट्र के सहयोग से, 28-29 अक्तूबर 2004, पृष्ठभूमि आलेख प्रस्तुत किया, मुंबई

'रोल आफ कम्यूनिटी इन द कांटेक्सट आफ यू.ई.ई., एम.वी. फाउण्डेशन के सहयोग से एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित, 17-19 नवंबर 2004, हैदराबाद

अरुण सी. मेहता

पठन सामग्री

'क्वान्टेटिव असपेक्ट्स आफ एजुकेशनल प्लानिंग' पर निम्नाकित माड्यूलों में संशोधन

इन्फारमेशन रिक्यारमेंट फार फारमूलेटिंग डिस्ट्रिक्ट एलिमेंट्री एजुकेशन प्लान्स

इंडिकेटर्स आफ एजुकेशन डवलपमेंट

प्रोजेक्शन एंड फोरकास्टिंग आफ एजुकेश्नल डाटा

संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

'डाटा डिसेमिनेशन' पर संगोष्ठी, रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया के कार्यालय द्वारा आयोजित, विज्ञान भवन, 10 जुलाई, 2004

'स्टेट्स आफ एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया पर आलेख प्रस्तुत किया। मा.सं.वि. मंत्रालय प्रारंभिक शिक्षा ब्यूरो भारत सरकार, नई दिल्ली, 14 जुलाई 2004

'इंट्रोडक्शन टू डाइस- पर आलेख राज्य मानव विकास योजना पर यू.एन.डी.पी. द्वारा आयोजित कार्यशाला, 23-24 सितंबर 2004, जोधपुर

'डाईस' पर प्रस्तुती, राज्य शिक्षा सचिवों तथा एस.पी.डी. की बैठक, 28-29 सितंबर 2004

'एजुकेशन इक्विटी' पर कार्यशाला, यूनेस्को सांख्यिकी संस्थान, बैंकाक, 13-15 दिसंबर 2004

'डाईस 2004' आंकड़ों पर प्रस्तुति, राज्य परियोजना निदेशकों की बैठक, भारत सरकार द्वारा आयोजित, 8 फरवरी, 2005

'स्टेट्स आफ एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया' डाईस 2004 आंकड़ा, सर्व शिक्षा अभियान के संयुक्त समीक्षा मिशन के समक्ष, 24 जनवरी, 2005

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

सिक्किम सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, गंगतोक, 21-22 अप्रैल 2004

केरल सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, तिरुवंतपुरम, 27-28 अप्रैल 2004

बिहार सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, पटना, 16-17 जून 2004

हिमाचल प्रदेश सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, शिमला, 1-2 जुलाई 2004

जम्मू तथा काश्मीर सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, श्रीनगर, 19-20 जुलाई 2004

उत्तरांचल सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, देहरादून, 8-9 सितंबर, 2004

पंजाब सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, चंडीगढ़, 2-3 फरवरी 2005

दिल्ली सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, दिल्ली, 6-7 जनवरी 2005

तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, चेन्नई, 13 दिसंबर 2004

मणिपुर सरकार के अधिकारियों के लिए डाइस पर कार्यशाला, इम्फाल, 7-8 मार्च 2005

नीपा में डाइस पर कार्यशाला, दिल्ली, 11-12 मई 2004

प्रारंभिक शिक्षा की योजना में संकेतकों का प्रयोग, 14-18 फरवरी, 2005

डाइस आंकड़ा प्रयोग पर यूनिसेफ प्रायोजित कार्यशाला में डाइस प्रस्तुती तथा भागीदारी, 28 मार्च 2005

प्रकाशन

एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया - व्हेयर डू वी स्टैण्ड, डिस्ट्रिक्ट रिपोर्ट कार्ड 2004, जिल्द-1

एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया - व्हेयर डू वी स्टैण्ड, डिस्ट्रिक्ट रिपोर्ट कार्ड 2004, जिल्द-2

सी.डी. रोम - डिस्ट्रिक्ट रिपोर्ट कार्ड 2004

एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया, अलालिटिकल रिपोर्ट कार्ड 2004

एस.एम.आई.ए. जैदी

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला

'यूज आफ क्वाटिटेटिव टैक्नीक्स इन एजुकेशनल प्लानिंग', प्रशिक्षण कार्यक्रम, 22 नवंबर - 3 दिसंबर 2004 नीपा, 10 दिन

'पिरेपरेशन आफ मैन्यूल फार एप्रेसल आफ डी.ई.पी. इन नेपाल,' अन्य एककों के सहयोग से, 25-29 मई 2004, मूल्यांकन संहिता की रूपरेखा हेतु नीपा-नेपाल परियोजना के अंर्तगत

अन्य एककों के सहयोग से 'पिरिपरेशन आफ मैन्युल फार अप्रेसल आफ डी.ई.पी.' नेपाल पर द्वितीय कार्यशाला, काठमाण्डू, 31 मई - 5 जून 2004, मैन्युअल का ड्राफ्ट इस कार्यशाला में तैयार किया गया। यह कार्यशाला नीपा-नेपाल परियोजना के अंर्तगत आयोजित की गई

'मॉनीटरिंग एंड एव्यालूशन आफ एजुकेशनल प्लान्स एंड प्रोग्राम्स' पर अन्य एककों के साथ मिलकर कार्यशाला, 13-17 जून 2004, यह कार्यशाला नीपा-नेपाल परियोजना के अंर्तगत आयोजित की गई, 29 भागीदार

'नेपाल में डी.ई.पी. के मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम' काठमाण्डू, 08-13 अगस्त 2004, यह कार्यशाला नीपा-नेपाल परियोजना के अंर्तगत आयोजित की गई, 31 भागीदार

'एडवांस कोर्स आन बॉटम अप अप्रोच टू डवलपमेंट आफ डिस्ट्रिक्ट एजुकेशनल प्लान्स इन नेपाल' अन्य एककों के साथ मिलकर कार्यशाला नीपा-नेपाल परियोजना के अंर्तगत आयोजित करी। 26 सितंबर-01 अक्तूबर 2004, काठमाण्डू

अनुसंधान आलेख प्रकाशित

नेपाल में प्राथमिक शिक्षा के विकास में क्षेत्रीय असमानताएं' हिन्दी जर्नल परिप्रेक्ष्य में प्रकाशित, जिल्द-2, अंक 2, अगस्त 2004

पुस्तक समीक्षाएं आलेख प्रकाशित

''ग्रामीण शिक्षा समिति और प्रवृत्तियां', भास्कर चटर्जी और कुतुब खान, हिन्दी पत्रिका परिप्रेक्ष्य, जिल्द 2, अंक 2, अगस्त 2004

डेमोग्राफिक असपैक्ट आफ एजुकेशनल प्लानिंग : सीरीज आन फंडामेंटल आफ एजुकेशनल प्लानिंग', तांगोक चाऊ, जेपा, जिल्द XVIII, अंक 4, अक्तूबर 2004

'सरवाईविंग स्कूल्स : एजुकेशन फार रिफ्यूजी चिल्ड्रन फ्राम रवांडा, 1994-1996' द्वारा बर्ड लिडंस, जेपा जिल्द XIX, अंक 1, जनवरी 2005

संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी

'पिरेपरेशन आफ स्टेट प्रसपैक्टिव प्लान आन टीचर एजुकेशन' पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, अरूणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर, 21-23 मई 2004

'प्लानिंग प्रोसेस अंडर एस.एस.ए.' राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित, संसाधन व्यक्ति, एल.बी.एस. एन.ए.ए., पंजाब, दिल्ली हेतु मंसूरी, 18-19 अक्तूबर 2004

'प्लानिंग अण्डर एस.एस.ए.' पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा आयोजित सिक्किम सरकार, गंगतोक, 29-30 अक्तूबर 2004

'मैथोडलाजी आफ प्लानिंग अंडर एस.एस.ए.' कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, पंजाब के सभी जिलों के लिए, राज्य परियोजना कार्यशाला द्वारा आयोजित, एस.एस.ए. पंजाब, चंडीगढ़ 31 जनवरी - 01 फरवरी 2005

परामर्शकारी सेवाएं तथा व्याख्यान

नेपाल के अन्य संकाय सदस्यों तथा अधिकारियों के साथ 'अपरेसल आफ डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन प्लान्स आफ फारव पाइलट डिस्ट्रिक्ट इन नेपाल' 12-24 अप्रैल 2004, यह अभ्यान नीपा-नेपाल परियोजना के अंतर्गत किया गया

'एजुकेशनल प्लानिंग इन इंडिया' पर एमिटी शिक्षा संस्थान में व्याख्यान, नई दिल्ली 27 अगस्त 2004

'सर्व शिक्षा अभियान' पर टी.जी.टी. की सभा में व्याख्यान, डाइट द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, 02 फरवरी 2005, काठमाण्डू

'सर्व शिक्षा अभियान' पर टी.जी.टी. की सभा में व्याख्यान, डाइट द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिल्ली, 07 फरवरी 2005

नीलम सूद

अनुसंधान तथा प्रकाशन

'डिस्ट्रिक्ट इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग - ए केस स्टडी आफ हरियाणा स्टेट' पुस्तक की पांडुलिपि की समीक्षा

अकादमिक उपाधि

वर्ष 2004 अंतिम सत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार तथा यू.एस.इ.एफ.आई. द्वारा भ्रमणकारी फुलब्राइट संकाय छात्रवृत्ति प्रदान की गई

पठन सामग्री

'इंट्रोडक्शन टू अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन' शीर्षक पाठ्यक्रम, शिक्षा कॉलेज वायोमिंग विश्वविद्यालय, बहु-संस्कृति/ विविधताओं पर बल देते हुए

अनुसंधान

विभिन्न स्थितियों में प्रारंभिक विद्यालय अध्यापकों की अध्यापक तैयारी को समानता

प्रस्तुति

यूनिर्वसल एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया : अचीवमेंट एण्ड चैलेंज्स, क्योनिंग विश्वविद्यालय

'द स्टोरी आफ एन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन सेंटर, बाइडिंग ए हिमालयन विलेज इन इंडिया, अर्बन कालेज आफ बोस्टन

अर्ली चाइल्डहुड प्रोग्राम्स इन इंडिया, लॉयन, अध्ययन केन्द्र, डारडेन शिक्षा कालेज, ओल्ड डोमिनियन विश्वविद्यालय, नोरफोल्क, विर्जिनिया

'एजुकेशनल चैलेंज्स इन 21 सेंचुरी ए पैनल डिसक्शन विद इंडियन स्कोलर्स' ओल्ड डोमिनियन विश्वविद्यालय द्वारा इंडिया फोरम के भाग के रूप में आयोजित, नारफालक, विर्जिनिया

यजाली जोसेफिन

आलेख प्रकाशन

ग्लोबलाइजेशन एंड इम्पैक्ट आन थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज : वर्ल्ड इम्पैक्ट अंक, अप्रैल - जून 2004

ई-गर्वनेंस चैलेंज एंड अर्पचुनिटीज इन एजुकेशन, थर्ड वर्ल्ड इम्पेक्ट अंक, जुलाई - सितंबर 2004

पैरा टीचर इन इंडिया की समीक्षा, एजुकेशन डायलाग जर्नल में प्रकाशन हेतु स्वीकृत (सह-लेखक प्रो. आर. गोविंदा)

पुस्तकें

''फाइनेंसिंग आफ स्कूल एजुकेशन इम्पैक्ट आन डवलपमेंट'' अनामिका पब्लिशर्स, 2004

व्याख्यान

''एजुकेशन पालिसीज सिन्स इंडिपेन्डेंस'', एस.सी.इ.आर.टी., 19 जून 2003

''प्लानिंग इन इंडिया, फाइव इयर प्लान्स आफ इंडिया'' विश्व युवक केन्द्र, 12-13 अप्रैल 2004

पैनालिस्ट ''चाइल्ड लेबर इन इंडिया-फोकस आन दलित गर्ल चाइल्ड'' भारत समाज संस्थान, 10 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली, 29-30 जुलाई 2004

अनुसंधान परियोजनाएं

'रिव्यू आफ पैरा टीचर्स इन इंडिया एच.ई.पी. संयोगात्मक अध्ययन प्रो. आर. गोविंदा के साथ सह-अनुसंधानकर्त्ता

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/बैठकें

बहाई इंटरनेशनल - सदस्य के रूप में बैठक में भागीदारी, 6 अप्रैल 2004

यूनिसेफ में आयोजित डाइस परामर्शकारी बैठक, 28 मार्च 2005

संसाधन व्यक्ति

नीपा-नेपाल परियोजना - प्रथम कार्यशाला - पिरेपरेशनल फार अपरेसल आफ डिस्ट्रिक एजुकेशन प्लान फार नेपाल-नीपा, नई दिल्ली, 25-29 मई, 2004

फार पिरेपरेशनल आफ द मैन्युल फार अपरेसल आफ डिस्ट्रिक एजुकेशन प्लान्स इन नेपाल काठमाण्डू (31 मई - 5 जून 2004)

प्रशिक्षण कार्यक्रम/विचार मंच

शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में महिला प्रशासकों के लिए कार्यशाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम, 18-22 अक्तूबर 2004

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, 7-11 फरवरी 2005

माध्यमिक शिक्षा विविधिताओं के नियंतत्रण हेतु विचार मंच, नीपा

सांस्कृतिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम (आई.सी.बी.पी.) पर आवश्यकता आधारित कार्यक्रम पर कार्यशाला, 20 दिसंबर 2004 से 15 जनवरी 2005

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में आलेख

"ग्लोबलाइजेशन एंड वूमैन इम्पावरमेंट" पर प्रो. नजमा अख्तर के साथ आलेख "ग्लोबलाइजेशन एंड एशियन प्रसपैक्टिव" पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया, 4-5 मार्च 2005, नई दिल्ली

सरकारी मूल्यांकन दलों/समिति के सदस्य

मूल्यांकन सदस्य - केरला सर्व शिक्षा अभियान, वार्षिक योजना, 28 मई - 6 जून 2005

प्रतिनिधि, भारत सरकार, 20वां समीक्षा मिशन (29 नवंबर - 13 दिसंबर 2004) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम हेतु

अनुसंधान दस्तावेज/पठन सामग्री

स्टूडेन्ट लोन्स - इंटरनेशनल पर्सपैक्टिव, एजुकेशन कंसलटेन्ट आफ इंडिया, नोएडा के लिए

'जर्नी आफ ए गर्ल चाइल्ड इन एजुकेशन', महिला प्रशासक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए पठन सामग्री

डा. बी.के. पाण्डा

आलेख प्रकाशित/प्रस्तुत

'द प्रैक्टिस आफ लाइफ लांग जर्नी इन जापान : ए लेसन टू लर्न" जर्नल आफ़ एडल्ट एजुकेशन में प्रकाशन हेतु

"इफैक्टिवनैस आफ स्कूलिंग इन द इंडियन कांटेक्सट: लेसन टू लर्न फ्राम द डवलपिंग वर्ल्ड" आलेख प्रकाशन हेतु

"एजुकेशन इन इमरजैंसी इन द कांटेक्सट आफ नेपाल" संसाधन व्यक्तियों के लिए कार्यक्रम हेतु काठमाण्डू, नेपाल

पुस्तक समीक्षा

जान एफ जानिंगस : 'व्हाई नेशनल स्टैडर्ड एंड टेस्ट्स' पालिटिक्स एंड द क्वेस्ट फार बैटर स्कूल्स", जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन में समीक्षा हेतु स्वीकार्य

कैरोलिन मेडल-अनोन्वुयो : "लाइफ लांग लर्निंग डिस्कोर्सेस इन यूरोप", जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन में प्रकाशन हेतु स्वीकार्य

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएं

एच.ई.पी. पेरिस का इंटरनेट चर्चा मंच - "प्लानिंग एजुकेशन बिफोर, इन एंड अफ्टर इमरजेंसीज" संगोष्ठी में पूर्व सदस्य के रूप में 27 सितंबर - 22 अक्तूबर 2004

एडवांस कोर्स आन द बॉटम अप एप्रोच टू डवलपमेंट आफ द डिस्ट्रिक एजुकेशन प्लान इन नेपाल, काठमाण्डू, 26 सितंबर - 1 अक्तूबर 2004

रश्मि दीवान

आलेख प्रकाशित

इंटरनेशनलाइजेशन एंड द इम्पेरेटिव फार फंक्शनल चेंज इन द टेरटीयरी एजुकेशन सैक्टर, सेवा प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया, 11-12 मार्च 2005, रेडीसन होटल, नई दिल्ली

महिला शिक्षा और विकास की नीति का विश्लेषण तथा मूल्यांकन पर आयोजित संगोष्ठी सहित कार्यशाला में शैक्षिक नेतृत्वकारी भूमिकाओं में महिलाएं : नीति निर्देशन के अवसर पर आलेख प्रस्तुति, 8-10 दिसंबर 2004, नीपा, नई दिल्ली

संगोष्ठी सम्मेलन में/कार्यशालाओं में भागीदारी

संगठन विकास पर कार्यशाला, 28 फरवरी - 1 मार्च 2005 , नीपा, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षाएं

माहेश्वरी, के : स्कूल प्रिंसिपल : कोर एक्टर्स इन एजुकेशनल इंप्रुवमेंट : एन एनालिसिस आफ सेवन एशियन कंट्रीज, पेरिस : आई आई ई पी, युनेस्को, 2004. जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एडं एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा) वर्ष 19, सं. 1, जनवरी 2005

करैकटरायसिंग लिटरैसी : ए स्टडी आफ वेस्टर्न एडं इंडियन लिटरेसी एक्सपिरिंएसेज, नरसिम्हन, आर., नई दिल्ली /थाउसैंड औक्स/ लंदन : सेज पब्लिकेशसं प्रा. लि. 2004, जेपा, वर्ष 18, अंक 4, अक्तूबर 2004.

अन्य संगठनों के लिए आलेख

राष्ट्रीय कार्यवाही योजना, सबंके लिए शिक्षा में भारत नामक दस्तावेज के लेखक मंडल में सदस्य, अभियान मा. सं. वि. मंत्रालय नवंबर 2004

सबके लिए शिक्षा हेतु विश्व मानचित्रण के लेखक मंडल में सदस्य, मा. सं. वि. मंत्रालय, जनवरी 2005

कमलकांत बिस्वाल

प्रशिक्षण सामग्री

नेपाल में विकेंद्रीकृत शैक्षिक योजना का आकलन करने हेतु संदार्शिका (नजमा अख्तर, एस एम आई ए जैदी, और राम स्वरूप सिन्हा आदि के साथ), नीपा -नेपाल परियोजना शिक्षा की विकेंद्रीकृत योजना तथा प्रबंधन हेतु क्षमता विकास

आलेख तथा शोध पत्र

भारत में सबके लिए शिक्षा : विकेंद्रीकरण के संदर्भ में अध्यापक तथा संसाधन प्रबंधन, शीर्षक से ई-9 देशों की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुति, हैदराबाद, 6-8जनवरी 2005 (यह आलेख यूनेस्को, पेरिस प्रकाशित कर रहा है।)

दसवीं योजना में प्रांरभिक शिक्षा: वचन बद्धता , कार्य निष्पादन तथा संभावनाएं (डा. आर. गोविंद के साथ) दसवीं योजना के मध्यावधिक आकलन के लिए आधार पत्र(अंग्रेजी में मिमियोग्राफ उपलब्ध)

भारत में साक्षरता का मानचित्र कौन निरक्षर है और वह कहां हैं? (डा. आर गोविंदा के साथ) सबके लिए शिक्षा: विश्व मानीटरिंग रिपोर्ट 2006 के लिए आधार पत्र, यूनेस्को, पेरिस, मिमियोग्राफ

परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

नीपा का पहला अतंर्राष्ट्रीय परामर्शकारी सेवा- नीपा-नेपाल परियोजना- नेपाल में शिक्षा की विकेंद्रीकृत योजना और प्रबंधन : परियोजना दल का सदस्य - परियोजना कार्यान्वयन से संबद्ध समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 7 प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं, दिल्ली तथा काठमांडू, नेपाल के केंद्रीय जिला तथा उप-जिला स्तर के अधिकारी प्रतिभागी के रूप में समिति, संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी।

सदस्य, प्रबंधन दल, नेपाल सरकार के राष्ट्रीय शैक्षिक विकास केंद्र के क्षमता विकास के लिए प्रबंधन तथा योजना पर आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली 20 दिसंबर 2004 से 15 जनवरी 2005 तक , नीपा -नेपाल परियोजना के अंतर्गत, संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां तथा सम्मेलन

ई-9 देशों के लिए सबके लिए शिक्षा का कार्यान्वयन: विकेंद्रीकरण के संदर्भ में अध्यापक तथा संसाधन प्रबंधन पर नीपा, नई दिल्ली के संहयोग से अकादमिक स्टाफ कालेज, हैदराबाद में आयोजित अंतरार्ष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी, 6-8 जनवरी 2005

अन्य अकादमिक तथा शैक्षिक योगदान

बंगलादेश, नेपाल तथा भारत (उत्तर प्रदेश) में अध्यापक संहिता का कार्यव्यवहार रिपोर्ट को अंतिम रूप देना (प्रो. बी. जी. खडंलवाल के साथ) अगस्त 2004 में आई आई ई पी, पेरिस को प्रस्तुत

नेपाल सरकार तथा नेपाल राष्ट्रीय शैक्षिक विकास केंद्र के क्षमता विकास के लिए योजना तथा प्रबंधन नीपा आयोजित पाठ्यक्रम 20 दिसंबर 2004 से 15 जनवरी 2005 की रिपोर्ट तैयार की। प्रबंधन दल नीपा, नई दिल्ली में सदस्यों के साथ

नीपा संकाय के लिए आयोजित कार्यशाला -'प्रागमन के लिए समवेत चिंतन: विभागीय कार्यशाला के आयोजन का संक्षिप्त विवरण, शीर्षक से रिपोर्ट लेखन (डा. रश्मि दीवान के साथ) 28 फरवरी - 1 मार्च 2005

आईडेपा -2005 के अंतर्गत गुयाना के प्रतिभागी म. बशीर खान के परियोजना अध्ययन का निर्देशन

आईडेपा -2005 के अंतर्गत तंजानिया के प्रतिभागी मु. शाबानी रशीद मगोजी के परियोजना अध्ययन का निर्देशन

डेपा के लघुशोध प्रबंध-जनपद चमौली की शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों के स्थानांतरण, प्रोन्नति एवं सेवा नियमावली के विशेष संदर्भ में समस्याओं का एक अध्ययन, - श्री महाबीर सिंह बिष्ट का मूल्यांकन

डेपा परियोजना लघुशोध प्रबंध - ए स्टडी आन रिक्वायर्ड स्कूलिंग फेसिलिटीज एडं इन एडिक्वेट अप्रोवल आफ फंड्स बाई दि एप्रोवल बोर्ड- प्रभा एलेक्जेंडर

डेपा पाठ्यक्रम - शिक्षा में परियोजना का नियोजन तथा वरिष्ट स्तरीय योजना का प्रभारी

शोध अध्ययन

उड़ीसा के संबलपुर तथा का इर्झर जिलों में प्राथमिक स्तर पर स्कूल त्याग की उच्च दर के कारण, यह अध्ययन इन दोनों जिलों में कार्यानिवत किया जा रहा है । रिपोर्ट लेखन का कार्य जारी है।

परियोजना अध्ययन -प्रारंभिक शिक्षा का विस्तार और कार्य निष्पादन : आंकड़ा अंतराल, आंतरिक क्षमता और संक्रमण दर (डा. अरूण सी मेहता के साथ)। यह अध्ययन तमिलनाडु, और उत्तरांचल के चुनिंदा जिलों में कार्यान्वित किया जा रहा है। द्वितीय स्रोतों से आंकडे तथा सूचनाएं एकत्र की गई। प्रतिदर्श जिलों का विवरण तैयार किया गया और उपयोगी ग्रंथों की समीक्षा की गई । आंकड़ा संग्रह के उपकरण तैयार किए जा रहे हैं।

आर.एस. त्यागी

प्रकाशित शोध पत्र

चेंजिग फोकस आफ एजूकेशनल मैनेजमेंट: इसूज एडं चैलेंजेज, यूनिवर्सिटी न्यूज, भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ, वर्ष 42, नं. 47 नवंबर 22-28,2004

शैक्षिक प्रशासन की नई प्रवृत्तियां, परिप्रेक्ष्य, वर्ष 1, अक 1, अप्रैल 2004

आयोजित प्रशिक्षण कार्यकम / कार्यशाला

जिला शिक्षा अधिकारियों (माध्यमिक) तथा व. मा. स्कूलों के प्राचायों के लिए माध्यमिक स्कूलों में स्कूल आधारित पर्यवेक्षण पर कार्यशाला, 16-20 अगस्त, 2004

जिला शिक्षा अधिकारियों (माध्यमिक) तथा व. मा. स्कूलों के प्राचायों के लिए माध्यमिक स्कूलों में स्कूल आधारित पर्यवेक्षण पर कार्यशाला, 20-24 सितंबर 2004

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग

नेपाल में जिला शिक्षा योजना का आकलन , काठमांडू, 9-13 अगस्त 2004

शैक्षिक प्रशासन एकक द्वारा नीपा-नेपाल परियोजना के अंतर्गत नेपाल सरकार तथा नेपाली राष्ट्रीय शिक्षा विकास केंद्र के अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम की पाठ्चर्या को अंतिम रूप देने के लिए नीपा, नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला 6-10 दिसंबर 2004, नई दिल्ली

शैक्षिक प्रशासन एकक द्वारा नीपा-नेपाल परियोजना के अंतर्गत नेपाल सरकार तथा नेपाली राष्ट्रीय शिक्षा विकास केंद्र के अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम की पाठ्चर्या को अंतिम रूप देने के लिए नीपा, नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला 20 दिसंबर - 15 जनवरी 2004, नई दिल्ली

केंद्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 7-11 फरवरी 2005

प्रशिक्षण सामग्री

स्कूल आधारित पर्यवेक्षण समितियों को सहायता

प्रो. सुभाष कश्यप की अध्यक्षता में गठित नीपा समीक्षा समिति को अकादमिक सहायता

सलाहकारी सेवाएं

सर्वशिक्षा अभियान के अतंर्गत वर्ष 2004-05 के लिए हिमाचल प्रदेश के 13 जिलों के जिला प्रांरभिक शिक्षा योजनाओं का डेस्क आकलन कार्य

सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत वर्ष 2004-05 के लिए असम के 23 जिलों का आकलन, असम के काम रूप, नलबाड़ी तथा दारांग जिलों का अध्ययन दौरा

लघु शोध अध्ययनों को निर्देशन

आईडेपा 2004-05 के तीन प्रतिभागियों (जार्डन -2) तथा मेडागास्कर (1) के परियोजना लघु शोध अध्ययनों का निर्देशन

डेपा 2004-05 के हरियाणा तथा बिहार के प्रतिभागियों के बालिका शिक्षा पर लघु शोध अध्ययनों का निर्देशन

नीरू स्नेही

रिपोर्ट

नीपा: नेपाल परियोजना -नेपाल में जिला शिक्षा की योजना के विकास में उपरगामी उपागम पर उच्च पाठ्यक्रम के रिपार्ट लेखन दल की सदस्या (26 सितंबर से 1 अक्तूबर 2004)

माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर स्कूल सुधार योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट (27-31 जनवरी 2004)

प्रकाशन

टीचिंग आफ आग्रैनिक कैमिस्ट्री- स्ट्रक्चर एडं रिजनिगं एबिलिटीज , 2004 , रजत पाब्लिकेशंस , दिल्ली

पैरा टीचर्स आन एलिमेंटरी एजुकेशन, पर्सपेक्टिव इन एजुकेशन, बड़ौदा , वर्ष 20, अंक 3, जुलाई 2004

पुस्तक समीक्षा- इनटेलेक्चुअल्स एडं सोसाइटी: ए स्टडी आफ टीचर्स इन इंडिया, पर्सपेक्टिव इन एजुकेशन, बड़ौदा, वर्ष 21, अंक 1, जनवरी 2005

परामशकारी सेवाएं

सर्व शिक्षा अभियान हेतु कर्नाटक की वार्षिक कार्य योजना तथा बजट का आकलन, भारत सरकार के आकलन दल की सदस्या

नीपा - नेपाल परियोजना -नेपाल में जिला शिक्षा योजना के विकास में उपरिगामी उपागम पर उच्च पाठ्यक्रम के प्रबंधन दल की सदस्या इंडस बाल विकास परियोजना के अंर्तगत अध्यापकों सामुदायिक सदस्यों का क्षमता विकास तथा स्कूल विकास योजना की रूपरेखा के विकास में सहभागिता

सबके लिए शिक्षा: भारत प्रगति की ओर शीर्षक दस्तावेज के विकास में सहयोग

राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों तथा सम्मेलनों में भागीदारी

महिला शिक्षा और विकास के नीतिगत मुददे् पर नीपा, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में दिल्ली में निजी ट्यूशनों के संदर्भ में क्षमता के पक्ष पर आलेख प्रस्तुत किया, 8-10 दिसंबर 2004

आई आई एम टी, गुड़गांव तथा ब्रूकी आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा सेवा प्रबंधन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्कूल सुधार योजना -स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के जिए एक उपागम पर आलेख प्रस्तुत किया, 11-12 मार्च 2005

मधुमिता बंद्योपाध्याय

प्रकाशन

वूमन एजुकेशन एण्ड डवलपमेंट (प्रकाशनाधीन)

प्रशिक्षण माड्यूल

भारत में राष्ट्रीय योजनाओं के विशेष संदर्भ में प्रारंभिक शिक्षा की विकेंद्रीकृत प्रबंधन प्रणाली: अध्यापकों के अलावा अन्य लाभार्थियों का क्षमता निर्माण

प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए नीतिगत योजना तथा प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम 1-5 नवंबर 2004

विदेश दौरा

नीपा - नेपाल परियोजना के अंतर्गत संसाधन व्यक्ति के रूप में नेपाल का दौरा

परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं

कर्नाटक तथा राजस्थान की सर्वशिक्षा अभियान योजनाओं के आकलन

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

संगोष्ठी, महिला शिक्षा और विकास, नीपा, 8-10 सितंबर 2004 आलेख-(1) महिला शिक्षा और विकास (2) महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यशिक्षा की संबद्धता

संगोष्ठी: विकास में अभिशासन : मुद्दे , चुनौतियां तथा कार्यनीतियां, गुजरात, 14-17 दिसंबर 2004 आलेख - (1) प्रारंभिक शिक्षा के विकेंद्रीकरण के उपागम (डॉ. आर.गोविंद के साथ)और (2) प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षाकर्मियों का क्षमता निर्माण

गीता रानी

प्रकाशित शोधपत्र

फायनेंसिगं इलेमेंटरी एजुकेशन फार आल इन इंडिया: दि क्रिटिकल इसूज, सेवा प्रबंधन पर आयोजित अतंर्राष्ट्रीय सम्मेजन की कार्यवाही रिपोर्ट में संकलित, 11-12 मार्च 2005 आई आई एम टी और आक्सफोर्ड यूनिवसिटी द्वारा आयोजित

ग्रोथ एडं फायनेंसिग आफ एलिमेंटरी एजुकेशन इन उत्तर प्रदेश: ए प्राविन्स इन इंडिया, एजुकेशनल पालिसी एनालिसिस एडं आर्कइव्स, जून 2004

इकानमिक रिफामर्स एडं फायनेंसिगं हायर एजुकेशन इन इंडिया, इंडियन जर्नल आफ इकानमिक्स एडं बिज़नेस, जून 2004, वर्ष 3 (1) पृ. 79-102

शोध रिपोर्टों में अध्याय

आलेख -पब्लिक फायनेंसिग ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया: ट्रेड्स एडं इसूज, आई सी एस एस आर प्रायोजित परियोजना - वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के विशेष संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा का वित्तीय व्यवस्था - जे. एल. आजाद

कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन

आलेख प्रस्तुति: इनवेस्टिंग आन सेकेंडरी एजुकेशन आफ गर्ल्स इन इंडिया - कार्यशाला- महिला और विकास के नीतिगत मुददे 8-10 दिसंबर 2004, नीपा नई दिल्ली

आलेख प्रस्तुति- फायनेंसिगं एलिमेंटरी एजुकेशन फार आल इन इंडिया: दि क्रिटिकल इसूज, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सेवा प्रबंधन 11-12 मार्च 2005, आई आई एम टी और आक्सफोर्ड ब्रूकीज यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

प्रो. बी. शिवा रेड्डी के साथ आलेख प्रस्तुति- इकानमिक्स रिफार्म एडं प्राइवेटाइजेशन आफ एजुकेशन इन इंडिया, आर्थिक सुधार और सामाजिक न्याय पर चौथा विकास सम्मेलन, 5-6 मार्च 2005, सी ई एस एस, हैदराबाद

आलेख प्रस्तुति - पब्लिक फायनेंसिंग आफ ह्यूमन केपिटल बेस आफ दि लेबर मार्केट : इमर्जिंग ट्रेंड्स एडं इसूज इन महाराष्ट्र, राष्ट्रीय संगोष्ठी- विकास के उभरते मुददे, 8-9 दिसंबर 2004, सी ई एस, प्रेसिडेंसी कालेज, कोलकात्ता, 21 भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सम्मेलन, 16-19 दिसंबर, 2004, आई.डी.एस., जयपुर

डॉ. बी बी अन्नीगेरी के साथ आलेख प्रस्तुति: इकानमिक्स रिफामर्स एडं फायनेंसिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया: क्वेशन आफ एक्सेस एडं इक्वलिटी, राष्ट्रीय संगोष्ठी - भारत में उच्च शिक्षा : उभरती चुनौतियां, 20-21 नवंबर 2004, लिंगराज कालेज, बेलगाम, कर्नाटक

के. श्रीनिवास

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में भागीदारी

प्रारंभिक स्तर पर कंप्यूटर आधारित शिक्षा, एन आई आई टी, नई दिल्ली, 25 मार्च 2004

सम्मेलन: उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण: मुद्दे और सरोकार, नीपा, नई दिल्ली, 26-27 अगस्त 2004

संगोष्ठी : कंप्यूटर आंकड़ा संरक्षण: मुद्दे ओर सरोकार, कंप्यूटर एसोशिएट्स, 22 सितंबर 2004, नई दिल्ली

कार्यशाला:अधिगम विषय वस्तु प्रबंधन प्रणाली का विकास, किसान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, 5 नवंबर 2004

कार्यशाला: ई डी ए कंप्यूटिंग में मूल्य का प्रतिपादन, सन माइक्रोसिस्टमस, नवंबर 30,2004

इंडिया- यूके सम्मेलन : शिक्षा में आई सी टी, ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली, 14-15 फरवरी 2005

कार्यशाला: संगठन विकास, नीपा, नई दिल्ली 28 फरवरी 1मार्च 2005

परामर्शकारी सेवाएं

विशेषज्ञ, सूचना तथा पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र वि.मा.आ. का स्वायत्त अंतर -विश्वविद्यालय केन्द्र, ई-जर्नल डाटाबेस का विश्लेषण

संसाधन व्यक्ति

विशेषज्ञ, सूचना तथा पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र वि.मा.आ. का स्वायत्त अंतर -विश्वविद्यालय केन्द्र, ई- जर्नल डाटाबेस का विश्लेषण अहमदाबाद, 26-30 सितंबर 2004

विशेषज्ञ शिक्षक, 44वां कालेज प्राध्यापक अधिविन्यास कार्यकम, 19-20नवंबर 2004

योजना तथा परियोजना प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा के प्रतिभागियों के लिए व्याख्यान तथा एम एस प्रोजेक्ट 2003 का प्रदर्शन, 15-17 दिसंबर 2004

आलेख/शोध पत्र इंटसेट स्ट्रेटजीज: इसूज एडं कांसर्स, यूनिवर्सिटी न्यूज, 24-30 जनवरी 2005

प्रशिक्षण सामग्री

कंप्यूटर अप्लिकेशंस इन एजुकेशन प्लानिंग एडं मैनेजमेंट डेपा के लिए (संशोधित सामग्री)

इंट्रोडक्शन टू कंप्यूटर्स एंड एजुकेशन मैनेजमेंट इन फार्मेशन सिस्टम (आई डेपा के लिए संशोधित सामग्री)

ट्रेनिंग प्रोग्राम आन प्रोजेक्ट प्लानिंग एडं मानीटरिंग (संशोधित अध्ययन सामग्री)

ट्रेनिंग प्रोगाम आन कंप्यूटर एप्लिकेशंस फार डिसीजन सपोर्ट सर्विसेज इन एजुकेशन (संशोधित अध्ययन सामग्री)

पी.एन. त्यागी

मानचित्रण कक्ष विभिन्न प्रकाशनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों के लिए पारदर्शी, तालिकाएं, प्रदर्शन चार्ट, ग्राफ, मानचित्र के माध्यम से आंकड़ा तथा सूचना के प्रदर्शन की नई विधियां सतत् रूप से विकसित कर रहा है। यह कक्ष मानचित्रण ओरगानोग्राम, डाटा पोस्टर तथा टाइटल पृष्ठ इत्यादि की तैयारी हेतु विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों में कम्प्यूटर ग्राफिक सुविधाएं प्रदान करता है

यह कक्ष विभिन्न प्रकाशनों में चित्रों का योगदान भी देता है, जैसे : टूवर्ड्स एजुकेशन फार आल : इंडिया मूविंग अहैड (कंट्री पेपर), जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नीपा न्यूजलेटर

अतिरिक्त कार्यभार

ओ.एस.डी. (जनवरी 2004 तक), इसके अतिरिक्त संगोष्ठियों व सम्मेलनों के आयोजन से संबंधित कार्य दायित्व तथा कार्यालय के प्रशासनिक व्यवस्थाओं से संबंधित कार्य

कौसर विजारत

शोध अध्ययन

उपेक्षित नौजवानों के लिए वैकल्पिक तथा नवाचारी उच्च शिक्षा (मा. सं. वि. मं. द्वारा प्रायोजित)

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों में भागीदारी

संगोष्ठी: अल्पसंख्यक कल्याण और शिक्षा, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, 25-26 नवंबर 2004

कार्यशाला: सांगठनिक उपाचार, 28 फरवरी - 1 मार्च 2005 सम्मेलन: उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण:मुद्दे और सरोकार 26 -27 अगस्त 2004

अतंर्राष्ट्रीय सम्मेलन: उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन : भविष्य की रूप रेखा, 1-2 दिसंबर 2004 फिक्की, नई दिल्ली

कार्यक्रम संयोजन

महिला कालेज प्राचार्यों के लिए 31वां अधिविन्यास कार्यक्रम, 28 सितंबर - 18 अक्तूबर 2004

कालेज प्राचार्यों के लिए योजना तथा प्रबंधन में 32 वां अभिविन्यास कार्यक्रम, 10-28 जनवरी 2005

कार्यशाला- कालेज शिक्षा का विकास और अध्यापक संगठनों की भूमिका 11-12 मार्च 2005

मंजू नरूला

परियोजना रिपोर्ट में अध्याय

यूनिवर्सिटी फायनांसेज, एन एनलिटिकल: फायनेंसिंग आफ एजूकेशन विद स्पेशल रिफरेंस टू दि सिस्टमस आफ फायनेंसियल मैनेजमेंट- प्रो. जे.एल. आजाद, 2005

परियोजना

परिवर्तन का प्रबंधन तथा स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता के विशेष संदर्भ के साथ स्कूल बोर्डों की भूमिका, 2005

पुस्तक समीक्षाएं

गिल. वी., दि टेन कमांडमेंट्स आफ प्रोफेशनलिज्म फार टीचर्स, क्राउन प्रेस, सेज पब्लिकेशंस कंपनी, कैलिफोर्निया (प्रकाशनाधीन)

एन.के. मोहंती

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला

शैक्षिक योजना में गुणात्मक तकनीक का प्रयोग, 11 दिन, 22 नवंबर से 3 दिसंबर 2004

शोध पत्र

माइग्रेशन एज ए सोर्स आफ ह्यूमन रिसोर्स डवलपमेंट: एनालिसिस आफ इंडियन इम्पिरियल एक्सपेरियंस, इंडियन जर्नल आफ इकानमिक्स, जिल्द LXXXV, अंक 338 भाग 3, जनवरी 2005

पैटर्न एडं स्ट्रक्चर आफ इंस्टीट्यूशनल कास्ट एट प्राइमरी लेबर इन दिल्ली: ए केस स्टडी, मैन एडं डवलपमेंट, सी.आर.आर.आई.डी, चंडीगढ़ (प्रकाश्नाधीन)

प्रशिक्षण सामग्री

जननांकीय संकेतक और शैक्षिक योजना में उन का प्रयोग शैक्षिक योजना में सह-संबंध और हास विश्लेषण का प्रयोग

परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं

सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत अरूणाचल प्रदेश की जिला प्रांरभिक शिक्षा योजना के भारत सरकार आकलन मिशन दल में संसाधन व्यक्ति

विदेश दौरे

संसाधन व्यक्ति, नीपा-नेपाल परियोजना, काडमांडू, 26 सितंबर 1 अक्तूबर, 2004

अन्य अकादमिक तथा व्यवसायिक योगदान

एजुकेशन फार आल : इंडिया मार्चेज अहेड, नीपा नई दिल्ली, बर्सिनोला में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक 8-10 नवंबर, 2004

ई एफ ए: गलोबल मैपिगं एक्सर साइज स्ट्रेटजी फार 2005 -2015, मा. सं. वि. मंत्रालय, नई दिल्ली, जनवरी 2005

डी.एस. ठाकुर

शोध पत्र

नालेज शेयरिंग इन हायर एजुकेशन इन फार्मेशन सर्विसेज एंड मैनेजमेंट लाइब्रेरीज: रीसेंट ट्रेडस 6वां राष्ट्रीय मैनलीबेंट सम्मेजन, मुबई आई.सी.एस.एस.आर. पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र 12-14 मई, 2004, पृ.19

आन लाइन इनफारमेशन रिसोर्सेज एडं इंटसेट: ए केस स्टडी आफ नीपा लाइब्रेरी, कोडेल: इंट्रोस्वेक्ट एडं प्रास्पेक्ट्स सेमिनार पेपर, 50 वां अखिल भारतीय सम्मेलन, शौकीन, आशु, मधु सूदन, मरगम और सिंह डी.वी.(सं.), बड़ोदरा, एम एस यूनिवर्सिटी, 1-4 दिसंबर 2004, दिल्ली: इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन 2004, 438-455

नालेज एक्विजीशन, मैनेजमेंट एडं शेयरिगं इन हायर एजुकेशन, कमलविजयन, डी. आदि (सं.) इटंरनेशनल कानफरेंस आन इन फार्मेशन मैनेजमेंट इन ए नालेज सोसायटी, जिल्द-2, मुंबई, आई.ए.एस.एल.आई.सी., 21-25 फरवरी, 2005 नई दिल्ली 703-709

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

6वां राष्ट्रीय सम्मेलन - पुसतकालय प्रबंधन में सूचना सेवाओं पर मैनेलिबनेट सम्मेलन, मुबई: आई एस. एस. आर वेस्टर्न रीजनल सेंटर (12-14 मई, 2004)

50वां अखिल भारतीय सम्मेलन, बड़ोदरा, एम एस विश्वविद्यालय (1-4 दिसंबर, 2004)

आई ए एस एल आई सी के ज्ञान पर समाज में सूचना प्रबंधन पर अतंर्राष्ट्रीय सम्मेलन 21-25 फरवरी, 2005

परिशिष्ट

नीपा परिषद् (31 मार्च, 2005 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. श्री अर्जुन सिंह
   माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

उपाध्यक्ष

2. प्रो. एम. मुखोपाध्याय
   निदेशक (प्रभारी)
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली

सदस्य

3. संयुक्त निदेशक
   नीपा, नई दिल्ली

पदेन सदस्य

4. प्रो. अरुण निगवेकर
   अध्यक्ष
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   बहादुरशाह जफर मार्ग
   नई दिल्ली-110002

5. श्री बी.एस. बासवान
   सचिव, (मा. एवं उ. शिक्षा)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

6. श्री राकेश मोहन
   सचिव, वित्त मंत्रालय
   नई दिल्ली
   (या उनके प्रतिनिधि)

7. श्री ए.एन. तिवारी
   सचिव, कार्मिक जन शिकायत तथा पेंशन सुधार विभाग
   (या उनके प्रतिनिधि)
   नई दिल्ली

8. श्री राजीव रतन शाह
   सचिव, योजना आयोग
   योजना भवन
   नई दिल्ली (या उनके प्रतिनिधि)

9. प्रो. कृष्ण कुमार
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
   नई दिल्ली

अन्य सदस्य

10. श्री पी. भरत सिंह
आयुक्त (स्कूल शिक्षा)
मणिपुर सरकार
मणिपुर सचिवालय,
इम्फाल-795001

11. श्री जी.के. धल
आयुक्त और सचिव
(स्कूल और जन शिक्षा)
उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर-751001

12. श्री एम.एम. भट्ट
सचिव (शिक्षा)
जम्मू तथा कश्मीर सरकार
सचिवालय,
जम्मू

13. श्री राम लुभाया
प्रधान सचिव
(उच्च तथा तकनीकी शिक्षा)
राजस्थान सरकार
सचिवालय भवन, जयपुर-302005

14. सुश्री शोभा नांबिसन
प्रधान सचिव (उच्च शिक्षा)
कर्नाटक सरकार
एम.एस. भवन,
डा. बी.आर. अम्बेडकर विथि
बैंगलोर-560001

15. सचिव
(उच्च तथा तकनीकी शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
पुराना सचिवालय
दिल्ली - 110054

राज्य शिक्षा निदेशक

16. श्रीमती के. नामचूम
स्कूल शिक्षा निदेशक,
असम प्रदेश सरकार
ई.एस.एस. सेक्टर, सिविल सचिवालय के पीछे
ईटानगर-795111

17. श्री ए.एस. विस्वास
स्कूल शिक्षा निदेशक
पश्चिम बंगाल सरकार,
साल्टलेक सिटी, कोलकाता-700091

18. श्रीमती निशा सरद
कालेज शिक्षा निदेशक
पंजाब सरकार
66-67, सेक्टर 17-डी
चंडीगढ़-160017

19. श्री एस.डी. अग्रवाल
आयुक्त (उच्च शिक्षा)
मध्य प्रदेश सरकार
सतपुड़ा भवन, पांचवीं मंजिल,
भोपाल - 462004

20. श्री के. रामकृष्ण राव
स्कूल शिक्षा आयुक्त
आन्ध्र प्रदेश सरकार,
सैफाबाद
हैदराबाद-500004

21. श्री डी.एस. मंगत
निदेशक (जन शिक्षा)
चंडीगढ़ प्रशासन,
डीलक्स भवन
संघ क्षेत्र सचिवालय, सेक्टर-9,
चंडीगढ़-160009

विख्यात शिक्षाविद्

22. प्रो. अरविंद कुमार
केन्द्र निदेशक
होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र
टाटा मौलिक शोध संस्थान
वी.एन. पूर्वे मार्ग, मांखुर्द
मुंबई-400088

23. श्री जावेद अबिदी
राष्ट्रीय विकलांग रोजगार प्रोत्साहन केन्द्र
ए-77, साउथ एक्सटेंशन-II
नई दिल्ली-110049

24. प्रो. शिरीन मुस्वी
डीन (इतिहास)
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
अलीगढ़-202002

25. श्री सी.पी. सुजय
महिला विकास अध्ययन केन्द्र
ए-2, दीवानश्री अपार्टमेंट
30, फिरोजशाह रोड
नई दिल्ली-110007

26. प्रो. जयती घोष
अर्थशास्त्र विभाग
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
महरौली रोड, नई दिल्ली-110067

27. श्री के.के. कृष्ण कुमार
सीमा, 62, अनयारा नगर
पी.ओ. तिरुवनंतपुरम
तिरुवनंतपुरम-695029

नीपा संकाय

28. प्रो. जे.बी.जी. तिलक
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक वित्त एकक, नीपा
नई दिल्ली

29. प्रो. के. सुजाता
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
अंतर्राष्ट्रीय एकक
नीपा, नई दिल्ली

30. प्रो. सुधांशु भूषण
वरिष्ठ अध्येता तथा प्रभारी
उच्च शिक्षा एकक
नीपा, नई दिल्ली

31. श्री पी.आर.आर. नायर, *सचिव*
कुलसचिव
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट

नीपा कार्यकारी समिति (31 मार्च, 2005 के अनुसार)

1. प्रो. एम. मुखोपाध्याय, *अध्यक्ष*
   निदेशक (प्रभारी)
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली

2. संयुक्त निदेशक
   नीपा, नई दिल्ली

3. श्री सी. बालाकृष्णन
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

4. श्री एस.के. रे
   संयुक्त सचिव तथा वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

5. प्रधान सलाहकार (शिक्षा)
   योजना आयोग, नई दिल्ली

6. श्री एस.के. केहरी
   शिक्षा निदेशक (स्कूल), छत्तीसगढ़ सरकार
   लोक शिक्षण संचालय
   पेंशनवाड़ा, रायपुर, छत्तीसगढ़

7. श्री पी.आर. राथौड़
   निदेशक, मीपा
   भटकल गेट के निकट, औरंगाबाद, महाराष्ट्र

8. प्रो. जयति घोष
   अर्थशास्त्र विभाग
   जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
   नई दिल्ली

9. सुश्री शोभा नांबिसन
   प्रधान सचिव (उच्च शिक्षा)
   कर्नाटक सरकार, एम एस भवन
   डा. बी.आर. अंबेडकर विथि, बैंगलोर

10. प्रो. जे.बी.जी. तिलक
    वरिष्ठ अध्येता और *अध्यक्ष*
    शैक्षिक वित्त एकक, नीपा, नई दिल्ली

11. डा (श्रीमती) के. सुजाता
    वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
    अंतर्राष्ट्रीय एकक, नीपा, नई दिल्ली

12. श्री पी.आर.आर. नायर, *सचिव*
    कुलसचिव
    नीपा, नई दिल्ली

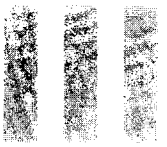

परिशिष्ट

वित्त समिति (31 मार्च, 2005 के अनुसार)

1. प्रो. एम. मुखोपाध्याय, *अध्यक्ष*
   निदेशक (प्रभारी)
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली

2. संयुक्त निदेशक
   नीपा
   नई दिल्ली

3. प्रो. मुशीरूल हसन
   कुलपति
   जामिया मिल्लिया इस्लामिया
   नई दिल्ली

4. श्री सी. बालाकृष्णन
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मा.सं.वि. मंत्रालय,
   माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

5. श्री एस.के. रे
   वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

6. श्री पी.आर.आर. नायर, *सचिव*
   कुलसचिव
   नीपा
   नई दिल्ली

परिशिष्ट

योजना और कार्यक्रम समिति (31 मार्च, 2005 के अनुसार)

1. प्रो. एम. मुखोपाध्याय, *अध्यक्ष*
   निदेशक (प्रभारी)
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली

2. संयुक्त निदेशक
   नीपा, नई दिल्ली

3. श्री सी. बालाकृष्णन
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग
   नई दिल्ली

4. डा. वेद प्रकाश
   सचिव
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   बहादुरशाह जफर मार्ग
   नई दिल्ली-110 002

5. प्रधान सलाहकार (शिक्षा)
   योजना आयोग, योजना भवन
   नई दिल्ली-110001

6. सचिव (शिक्षा)
   गुजरात सरकार
   सरदार पटेल भवन
   गांधी नगर-382 010

7. शिक्षा सचिव
   अरुणाचल प्रदेश सरकार
   सिविल सचिवालय, पो.ऑ. ईटानगर-791 111
   अरुणाचल प्रदेश

8. डा. आर. रामचन्द्र राव
   कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
   वाराणसी

9. श्री परम शिवम्
   शिक्षा निदेशक
   तमिलनाडु सरकार
   डी.पी.आई. परिसर, कालेज रोड
   चेन्नई-600 006

10. शिक्षा निदेशक
उत्तर प्रदेश सरकार
18, पार्क रोड
लखनऊ-226 001

11. डा. के.एन. पाठक,
कुलपति
पंजाब विश्वविद्यालय
चण्डीगढ

12. डा. (श्रीमती) एम.ए. वर्गीस
एस.एन. डी.टी. महिला विश्वविद्यालय
1, नाथीबाई थाकेरसे रोड
मुंबई - 400 020

13. अध्यक्ष
आई.सी.एस.एस.आर., जे.एन.यू. कैम्पस
अरुणा आसफ अली मार्ग
नई दिल्ली-110067

14. डा. रफीक जकारिया
3 सीलैण्ड, 41 कुफे परेड
मुंबई-400005

15. श्री दीनानाथ बत्रा
विद्या भारती, प्रज्ञा सदन
रिंग रोड, सरस्वती मंदिर के पास
नेहरू नगर, नई दिल्ली 110 065

16. प्रो. कमल नारायण काबरा
बी - 202, आनंद लोक सोसायटी
मयूर विहार, चरण-I
नई दिल्ली-110 002

17. डा. आर. गोविंद
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

18. डा. जे.बी.जी. तिलक
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक वित्त एकक
नीपा, नई दिल्ली-110016

19. डा. (श्रीमती) के. सुजाता
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
अंतर्राष्ट्रीय एकक
नीपा, नई दिल्ली-110 016

20. डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय
वरिष्ठ अध्येता तथा अध्यक्ष
शैक्षिक प्रशासन एकक
नीपा, नई दिल्ली-110 016

21. डा. (श्रीमती) नजमा अख्तर
वरिष्ठ अध्येता तथा अध्यक्ष, शैक्षिक प्रशासन एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

22. डा. सुधांशु भूषण
वरिष्ठ अध्येता तथा अध्यक्ष
उच्च शिक्षा एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

23. डा. (श्रीमती) प्रमिला मेनन
अध्येता तथा प्रभारी
प्रादेशिक प्रणाली एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

24. डा. एस.एम.आई.ए. जैदी
अध्येता तथा प्रभारी
शैक्षिक योजना एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

25. डा. ए.सी. मेहता
अध्येता तथा प्रभारी
ओ.आर.एस.एम., एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

26. श्री पी.आर.आर. नायर, सचिव
कुलसचिव, नीपा, नई दिल्ली 110 016

परिशिष्ट

संकाय तथा प्रशासनिक स्टाफ (31 मार्च, 2005 के अनुसार)

प्रभारी निदेशक

प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय

शैक्षिक प्रशासन एकक

डा. (श्रीमती) नजमा अख्तर, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
डा. (श्रीमती) वाई. जोसेफिन, सह-अध्येता
डा. आर.एस. त्यागी, सह अध्येता
डा. आर.के. मूर्ती सह अध्येता
डा. (श्रीमती) मंजू नरूला, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक योजना एकक

डा. एस.एम.आई.ए. जैदी, अध्येता तथा प्रभारी
डा. के. बिस्वाल, सह-अध्येता
डा. (श्रीमती) नीरू स्नेही, सह-अध्येता
डा. एन.के. मोहंती, सह-अध्येता (अवकाश पद)

शैक्षिक वित्त एकक

डा. जे. बी. जी. तिलक, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
डा. (श्रीमती) गीता रानी, सह-अध्येता
डा. ए. एन. रेड्डी, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक नीति एकक

डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
डा. (श्रीमती) एम. बंद्योपाध्याय, सह-अध्येता

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक

डा. आर. गोविंद, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
डा. (श्रीमती) नलिनी जुनेजा, अध्येता
डा. (श्रीमती) नीलम सूद, अध्येता
डा. (श्रीमती) रश्मि दीवान, सह-अध्येता
डा. एस. के. मलिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

उच्च शिक्षा एकक

डा. सुधांशु भूषण, वरिष्ठ अध्येता और प्रभारी
डा. (श्रीमती) कौसर विजारत, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

प्रादेशिक प्रणाली एकक

डा. (श्रीमती) प्रमिला मेनन, अध्येता तथा प्रभारी
डा. (श्रीमती) जयश्री राय, सह-अध्येता

अंतर्राष्ट्रीय एकक

डा. (श्रीमती) के. सुजाता, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
डा. बी.के. पांडा, परियोजना अध्येता (परियोजना पद)
श्री वी.पी.एस. राजू, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन एकक

डा. अरुण सी. मेहता, अध्येता और प्रभारी
डा. (श्रीमती) सुनीता चुग, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी
श्री नवीन भाटिया, प्रोग्रामर (अवकाश पद)

कुलसचिव

श्री पी. आर. आर. नायर

पुस्तकालय

श्रीमती दीपक मकोल, पुस्तकालयाध्यक्षा

प्रलेखन केन्द्र

डा. डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

प्रकाशन एकक

श्री प्रमोद रावत, उप प्रकाशन अधिकारी

संगणक केन्द्र

श्री के. श्रीनिवास, सिस्टम एनलिस्ट

हिंदी कक्ष

डा. सुभाष शर्मा, हिंदी संपादक

मानचित्रण कक्ष

श्री पी.एन. त्यागी, मानचित्रकार
(संगणक अनुप्रयोग)

प्रशासन

श्री एस.आर. चौधरी, प्रशासनिक अधिकारी (का.)
श्री पी. मणि, अनुभाग अधिकारी (सा.प्र.)
श्री उज्जवल भट्टाचार्य, अनुभाग अधिकारी (अकादमिक)
श्री जयानंद, अनुभाग अधिकारी (कार्मिक)

वित्त तथा लेखा

श्री एम.के. गुलाटी, वित्त अधिकारी
श्रीमती उषा शर्मा, अनुभाग अधिकारी

प्रशिक्षण केन्द्र

श्री चंद्र प्रकाश, सहायक

VI

परिशिष्ट

वार्षिक लेखा
2004-2005

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना

1.4.2004 से 31.3.2005 तक

प्राप्तियां		2004-2005
अर्थशेष		
हस्तगत रोकड़	0.00	
अग्रदाय	5,000.00	
बेंक में रोकड़	14,988,891.57	14,993,891.57
2004-05 के अनुदान	1,000,000.00	1,000,000.00
भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान		
योजनेतर	26,479,410.00	
योजना	26,053,824.00	52,533,234.00
मा.स.वि. से प्राप्य योजना कार्यबल	0.00	0.00
छात्रावास किराया	2,017,212.50	2,017,212.50
प्राप्त ब्याज		
निवेश पर ब्याज	235,487.00	
पी.एफ. निवेश पर ब्याज	1,955,179.00	
बचत बैंक खाता पर ब्याज	820,563.97	
पी.एफ. खाते पर ब्याज	142,653.00	
ब्याज वाली पेशगियों पर ब्याज	99,655.00	3,253,537.97
प्रकाशनों की बिक्री		
रायल्टी	90,704.79	90,704.79
चिकित्सा अग्रिम की वापसी	97,500.00	97,500.00
विविध प्राप्तियां		
अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री	2,688.00	
लाइसेंस शुल्क	190,980.00	
जल प्रभार	6,698.00	
कार्यक्रम प्राप्तियां	136,100.00	
विविध प्राप्तियां	370,973.00	707,439.00
यथानुपात पेंशन लाभ	33,102.00	33,102.00
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	53,854.00	53,854.00

और प्रशासन संस्थान

की प्राप्तियां और भुगतान लेखा

भुगतान	2004-2005	
योजनेतर (व्यय)		
अधिकारियों का वेतन		
प्रशासन	810,352.00	
वित्त एवं लेखा	337,629.00	
अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	6,120,113.00	
पुस्तकालय तथा प्रलेखन	288,005.00	
प्रकाशन	340,457.00	7,896,556.00
संस्थागत वेतन		
प्रशासन	3,606,996.00	
वित्त एवं लेखा	527,717.00	
अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	2,060,634.00	
पुस्तकालय तथा प्रलेखन	632,758.00	
प्रकाशन	263,247.00	
छात्रावास	496,300.00	7,587,652.00
भत्ते तथा मानदेय		
प्रशासन	2,003,249.00	
वित्त एवं लेखा	544,271.00	
अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	2,999,789.00	
पुस्तकालय तथा प्रलेखन	412,689.00	
प्रकाशन	443,667.00	
छात्रावास	186,271.00	6,589,936.00
समयोपरि भत्ता	194,224.00	194,224.00
चिकित्सा व्यय अग्रिम	47,500.00	47,500.00
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	822,941.00	822,941.00
अवकाश यात्रा रियायत	278,281.00	278,281.00
बीमा योजना	60,000.00	60,000.00
तदर्थ बोनस	249,768.00	249,768.00
पी.एफ. पर ब्याज अंशदाता को भुगतान	2,889,519.00	2,889,519.00

प्राप्तियां	2004-2005	
आफीसर एवं स्टाप का दैनिक भत्ता	0.00	0.00
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	0.00	0.00
पेंशन तथा ग्रेज्युटी	11,291.00	11,291.00
प्रतिभूति जमा	71,000.00	71,000.00

भुगतान		2004-2005
जी.पी.एफ. बीमा योजना पर जमा	0.00	0.00
पेंशन तथा उपादान	41,987.00	41,987.00
यात्रा भत्ता	46,200.00	46,200.00
पेंशन तथा ग्रेज्युइटी	3,837,586.00	3,837,586.00
सम	20,000.00	20,000.00
अकादमिक गतिविधियां		
विज्ञापन प्रभार	115,133.00	
मनोरंजन प्रभार	0.00	
अन्य प्रभार	0.00	
छपाई/बाइडिंग प्रभार	65,031.00	
डाक व तार प्रभार	0.00	
पैट्रोल तथ ऑयल ल्यूब्रीकेंट प्रभार	0.00	
स्टेशनरी/स्टोर मद	115,248.00	
टेलीफोन प्रभार	0.00	
छात्रवृत्ति/पुस्तक तथा परियोजना अनुदान	0.00	295,412.00
यात्रा भत्ता		
फैकल्टी/स्टाफ तथा सदस्य	0.00	0.00
होनोरारियम रिर्सोसेज	0.00	0.00
अनुसंधान अध्ययन		
व्यय	0.00	0.00
अन्य प्रभार (आवृर्ती)		
लेखा शुल्क	68,245.00	
कूलियेज/कार्टेज/कस्टम इत्यादि	0.00	
बागवानी प्रभार	0.00	
बीमा	22,326.00	
लिवरेज	52,993.00	
मुकदमों पर खर्च	0.00	

प्राप्तियां	2004-2005	
अन्य विविध भुगतान		
प्रतिभूति अदायगी	0.00	
बदले में विविध प्राप्तियां और भुगतान	0.00	0.00
वसूली योग्य पेशगियां		
त्योंहार पेशगी	87,600.00	
कार पेशगी	0.00	
स्कूटर पेशगी	84,009.00	
साइकिल पेशगी	3,000.00	
पंखा पेशगी	0.00	
भवन निर्माण पेशगी	423,500.00	
कम्प्यूटर पेशगी	1,600.00	
चक्रवात पेशगी	0.00	599,709.00
कुल प्राप्तियां (योजनेतर)	**6,935,350.26**	

भुगतान		2004-2005
गाड़ियों का रख-रखाव	6,102.00	
उपकरणों का रख-रखाव	0.00	
फर्नीचर व साज-समान का रख-रखाव	0.00	
संस्था भवन का रख-रखाव (इलैक्ट्र.)	0.00	
संस्था भवन का रख-रखाव (सिविल)	292,264.00	
विविध पेशगियां	129,691.00	
समाचार पत्र प्रभार	0.00	
किराया, दर/कर	0.00	
पानी तथा बिजली प्रभार	1,090,078.00	1,661,699.00
अन्य विविध भुगतान		
प्रतिभूति वापसी	0.00	
विविध प्राप्तियां तथा भुगतान	0.00	0.00
वसूली योग्य पेशगियां		
त्योंहार पेशगी	97,500.00	
कार पेशगी	0.00	
स्कूटर पेशगी	111,000.00	
साइकिल पेशगी	10,500.00	
पंखा पेशगी	0.00	
भवन निर्माण पेशगी	191,420.00	
कम्प्यूटर पेशगी	0.00	
चक्रवात पेशगी	0.00	410,420.00
कुल व्यय (योजनेतर)	**32,929,681.00**	
योजना (व्यय)		
अधिकारियों का वेतन		
अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	429,460.00	429,460.00
संस्थागत वेतन		
प्रशासन	163,063.00	
वित्त एवं लेखा	125,469.00	
अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	407,948.00	
प्रकाशन	63,000.00	759,480.00

प्राप्तियां	2004-2005

भुगतान	2004-2005	
भत्ते तथा मानदेय		
प्रशासन	91,484.00	
वित्त तथा लेखा	58,349.00	
अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	619,514.00	
प्रकाशन	48,832.00	818,179.00
समयोपरि भत्ता	12,209.00	12,209.00
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	184,000.00	184,000.00
यात्रा भत्ता	0.00	0.00
तदर्थ बोनस	0.00	0.00
अन्य विविध प्राप्तियां		
विज्ञापन प्रभार	136,371.00	
मनोरंजन प्रभार	426,119.00	
विविध आकस्मिक्ताएं	394,332.00	
मुद्रण/जिल्द प्रभार	535,112.00	
डाक व तार प्रभार	257,035.00	
पैट्रोल, आयल तथा ल्यूब्रीकेंट प्रभार	424,723.00	
स्टेशनरी/स्टोर प्रभार	915,204.00	
टेलीफोन/टेलीग्राम प्रभार	941,921.00	
छात्रवृत्ति, पुस्तक तथा परियोजना अनुदान डेपा	257,197.00	
पत्रिकाएं	1,858,015.00	
सर्द तथा गर्म जलवायु प्रभार	0.00	
प्रकाशन (प्रकाशित)	157,429.00	6,303,458.00
यात्रा भत्ते		
अ) संकाय तथा कर्मचारी वर्ग को यात्रा भत्ता	433,437.00	433,437.00
ब) भागीदारों को यात्रा भत्ता	1,298,314.00	1,298,314.00
संसाधन व्यक्तियों को मानदेय	388,129.00	388,129.00

प्राप्तियां	2004-2005

कार्यक्रम आयोजन (शैक्षिक गतिविधियां)	200,000.00	200,000.00
विविध पेशगी	0.00	0.00

भुगतान		2004-2005
अन्य प्रभार (अ) आवर्ती		
लेखा शुल्क	88,875.00	
कूलियेज/कार्टेज/कस्टम इत्यादि	0.00	
सर्द तथा गर्म जलवायु प्रभार	35,030.00	
मुकदमों पर खर्च	136,555.00	
गाड़ियों का रख-रखाव	72,629.00	
उपकरणों का रख-रखाव	564,297.00	
फर्नीचर व साज-समान का रख-रखाव	84,094.00	
संस्था भवन का रख-रखाव (सिविल)	1,234,742.00	
संस्था भवन का रख-रखाव (इलैक्ट्र)	331,000.00	
समाचार पत्र प्रभार	61,415.00	
किराया, दर/कर	243,596.00	
पानी तथा बिजली प्रभार	4,156,778.00	
विविध पेशगियां	1,058,207.00	8,067,218.00
(ब) गैर-आवर्त्ती		
फर्नीचर	107,197.00	
अन्य कार्यालय उपकरण	574,845.00	
स्टाफ कार	0.00	682,042.00
पुस्तकालय की पुस्तकें	1,274,073.00	1,274,073.00
कैपिटल वर्किंग इन प्रोग्रेस (जमा) सिविल	1,845,000.00	1,845,000.00
कैपिटल वर्किंग इन प्रोग्रेस (जमा) इलैक्ट्रिक	220,000.00	220,000.00
(स) अग्रिम भुगतान		
भवन का निर्माण (सिविल) एआरएमओ	914,813.00	
भवन का निर्माण (इलैक्ट्रिक) एआरएमओ	949,712.00	1,864,525.00
कार्यक्रम संचालन व्यय	95,829.00	95,829.00
मिश्रित पेशगी	149,259.00	149,259.00
(1) कुल (योजना) व्यय	**24,824,612.00**	

प्राप्तियां	2004-2005

भुगतान		2004-2005
संस्थान का अनुसंधान अध्ययन		
भारत में माध्यमिक शिक्षा कार्यप्रणाली का परियोजना		
वेतन	330,600.25	
यात्रा/दैनिक भत्ता	57,824.00	388,424.25
कर्नाटक में सहायता अनुदान की नीतियों का अध्ययन		
डा. जे.बी.जी. तिलक		
व्यय	20,000.00	20,000.00
परिवर्तन के प्रबंधन तथा स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के विशेष संदर्भ में शिक्षा बोर्डों की भूमिका		
व्यय	155,633.00	155,633.00
विभिन्न व्यवस्थाओं के अंतर्गत प्रारंभिक अध्यापकों का अध्ययन		
डा. (श्रीमती) नीलम सूद		
व्यय	33,200.00	33,200.00
दिल्ली में शिक्षा के अधिकार के कार्यान्वयन के विविध हस्तक्षेप का प्रभाव		
डा. (श्रीमती) नलिनी जुनेजा		
व्यय	32,154.00	32,154.00
भारत में माध्यमिक शिक्षा का विकेंद्रीकरण		
डा. (श्रीमती) एम. बंद्योपाध्याय		
व्यय	21,125.00	21,125.00
भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण पर संरचनात्मक रूप से अनुकूलित कार्यक्रमों के प्रभाव		
डा. (श्रीमती) जोसेफिन		
व्यय	24,256.00	24,256.00

प्राप्तियां	2004-2005

भुगतान		2004-2005
कार्यबल		
व्यय	200,441.00	200,441.00
भारत में विशेष शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी प्रयास तथा गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका		
डा. (श्रीमती) एस. मुखोपाध्याय		
व्यय	126,726.00	126,726.00
अल्पसंख्यक शिक्षा की राष्ट्रीय मानीटरिंग समिति की स्थाई समिति		
व्यय	424,156.00	
पूंजीकृत वस्तुएं	85,456.00	509,612.00
केब समिति (मा.सं.वि. मंत्रालय)		
डा. जे.बी.जी. तिलक		
व्यय	118,606.00	118,606.00
केब समिति (मा.सं.वि. मंत्रालय)		
डा. (श्रीमती) नलिनी जुनेजा		
व्यय	136,040.00	136,040.00
अध्यापकों का प्रबंधन : मुद्दे और चुनौतियां : मध्य प्रदेश तथा कर्नाटक का तुलनात्मक अध्ययन		
डा. बी.के. पांडा		
व्यय	6,050.00	6,050.00
(2) कुल अनुसंधान अध्ययन	**1,772,267.25**	
महायोग (योजना) व्यय	**26,596,879.25**	

प्राप्तियां		**2004-2005**
प्रायोजित कार्यक्रम / अध्ययन		
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईडेपा) अनुदान	6,197,406.00	6,197,406.00
डाइस की स्थापना तथा संचालन डा. ए.सी. मेहता अनुदान	2,761,149.00	2,761,149.00
डाइट का प्रशिक्षण कार्यक्रम डा. (श्रीमती) प्रमिला मेनन अनुदान	0.00	0.00
योजना और प्रबंधन में क्षमता विकास अनुदान/ब्याज	26,321.00	26,321.00
विश्वविद्यालयों तथा कालेजों में आवर्ती अध्यक्षता तथा गुणवत्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला (24-1-01) अनुदान	0.00	0.00
डाइट की तकनीकी तथा संरचनात्मक क्षमता का आंकलन डा. आर. गोविंदा अनुदान	0.00	0.00
आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना का राष्ट्रीय मूल्यांकन डा. आर. गोविंदा अनुदान	0.00	0.00
भारत में सबके लिए शिक्षा - छात्रवृत्ति गतिविधियां डा. आर. गोविंदा प्राप्तियां	0.00	0.00
सबके लिए शिक्षा : आंकलन (मा.सं.वि. मंत्रालय) डा. आर. गोविंदा अनुदान	0.00	0.00

भुगतान		2004-2005
प्रायोजित कार्यक्रम/अध्ययन		
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आइडेपा)		
वेतन	646,973.00	
कार्यक्रम व्यय	787,000.00	
भागीदारों को सीधा भुगतान	1,106,978.00	
बोर्डिंग/लीजिंग प्रभार	320,400.00	
स्टेशनरी	113,278.00	
आकस्मिकताएं	1,452,123.00	
पूंजीकृत वस्तुएं	0.00	
दैनिक/यात्रा भत्ता	0.00	
अन्य पेशगी	61,800.00	4,488,552.00
डाइस/ई.एम.आई.एस. की स्थापना और संचालन		
डा. ए.सी. मेहता		
वेतन	666,205.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता भुगतान	208,037.00	
कंप्यूटर (पूंजीगत मद)	219,545.00	
स्टेशनरी	49,305.00	
आकस्मिकताएं	13,427.00	1,156,519.00
विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में क्रमावर्ती विभागाध्यक्ष तथा गुणवत्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला (24.1.01)		
डा. (श्रीमती) के. सुधाराव		
व्यय	500.00	500.00
डाइट की तकनीकी और आधारभूत क्षमता का आकलन (डा. आर. गोविन्दा)		
वेतन	0.00	
आकस्मिकताएं	46,514.00	46,514.00
आप्रेशन ब्लैक बोर्ड का राष्ट्रीय मूल्यांकन (डा. आर. गोविन्दा)		
वेतन	87,019.00	
आकस्मिकताएं	51,060.00	138,079.00
सबके लिए शिक्षा : आकलन (यूनेस्को-मा.सं.वि. मंत्रालय)		
डा. गोविन्दा		
सबके लिए शिक्षा : आकलन (पी) (मा.सं.वि. मंत्रालय) (डा. गोविन्दा)		
वेतन	444,807.00	
आकस्मिकताएं	0.00	444,807.00

प्राप्तियां	2004-2005	
सर्व शिक्षा अभियान - परियोजना		
अनुदान	2,828,046.00	2,828,046.00
सर्व शिक्षा अभियान - कार्यशाला		
अनुदान	0.00	0.00
सर्व शिक्षा अभियान की मानीटरिंग		
अनुदान	0.00	0.00
उच्च शिक्षा में मानवाधिकार का अध्ययन (मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा प्रायोजित) डा. (श्रीमती) सुधाराव		
अनुदान	0.00	0.00
सबके लिए शिक्षा कार्यान्यवन प्रक्रिया की समीक्षा तथा मानीटरिंग पर उपक्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला (14-16 tuojh 2004) - 860.12.4.3 डॉ. (श्रीमती) एस. मुखोपाध्याय		
अनुदान	0.00	0.00
वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के विशेष संदर्भ में उच्च शिक्ष की वित्त व्यवस्था		
अनुदान	0.00	0.00
भारत के स्कूली शिक्षा बोर्ड : दूरभागी भूमिका तथा कार्यकलाप डॉ. (श्रीमती) एस. मुखोपाध्याय		
अनुदान	1,980,218.00	1,980,218.00
विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत व्यापार और शिक्षा		
अनुदान	0.00	0.00
गेट के अंतर्गत उच्च शिक्षा : बौधिक संपदा, शैक्षिक शोध तथा वंचिताकें के कार्यक्रमों के अंतर्गत कार्यान्वयन तथा भावी रणनीतियां		
अनुदान	525,000.00	525,000.00
गुणवत्ता प्रबंधन के लिए डाइट के क्षमता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रो. एम. मुखोपाध्याय		
अनुदान/एलआईसी	0.00	0.00

भुगतान		2004-2005
सर्व शिक्षा अभियान - परियोजना		0.00
व्यय, यात्रा दैनिक भत्ता	0.00	
अन्य आकस्मिकताएं	423,392.00	423,392.00
मानिटरिंग प्रोग्राम एस.एस.ए.		
व्यय	46,115.00	46,115.00
उच्च शिक्षा में मानवाधिकार पर अध्ययन (मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा प्रायोजित) डा. (श्रीमती) के. सुधाराव		
वेतन	0.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता स्टाफ	0.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता परशन	20,000.00	
स्टेशनरी प्रभार	7,440.00	27,440.00
सबके लिए शिक्षा की समीक्षा तथा मानीटरिंग : कार्यान्वयन प्रक्रिया पर उपक्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला (क.सं. 860.124.3) डा. एस. मुखोपाध्याय		
अनुदान	41,700.00	41,700.00
वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के विशेष संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा के विशेष संदर्भ में वित्तीय व्यवसीा (भा.सा.वि.शो.प.)		
अनुदान	77,544.00	77,544.00
भारत का स्कूल शिक्षा बोर्ड : भावी भूमिकाएं तथा कार्यकलाप (डा. सुदेश मुखोपाध्याय)		
अनुदान	297,465.00	297,465.00
शैक्षिक सुधार : समर्थनकारी संगठनों के माध्यम से परिवर्तन का प्रबंधन		
अनुदान	378,510.00	378,510.00
गेट के अंतर्गत उच्च शिक्षा : बौधिक संपदा, शैक्षिक शोध तथा वंचिताकें के कार्यक्रमों के अंतर्गत कार्यान्वयन तथा भावी रणनीतियां		
अनुदान	389,515.00	389,515.00
गुणवत्ता प्रबंधन के लिए डाइट के क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रो. एम. मुखोपाध्याय		
अनुदान	46,910.00	46,910.00

प्राप्तियां	2004-2005	
वंचित नौजवानों के लिए उच्च शिक्षा के वैकल्पिक तथा नवाचारी स्वरूपों का अध्ययन		
अनुदान/एलआईसी	135,105.00	135,105.00
संगोष्ठी : शिक्षा सुधार : वित्तीय सहायता के अंतर्गत सहायक संगठनों के द्वारा परिवर्तन का प्रबंधन		
डा. (श्रीमती) नजमा अख्तर		
अनुदान	0.00	0.00
श्रीलंका कार्यक्रम		
अनुदान	0.00	0.00
उड़ीसा के कोइंझर तथा समस्तीपुर जिलों में प्राथमिक स्तर पर विद्यालय त्याग के कारण		
अनुदान	0.00	0.00
शैक्षिक सैटेलाइट - एडुसैट पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम		
डा. एम. मुखोपाध्याय		
अनुदान	0.00	0.00
विकेंद्रीकृत जिला योजना पर नीपा-नेपाल परियोजना		
अनुदान	6,995,512.74	
प्राप्तियां ब्याज	124,337.10	
आवर्ती जमा नकदी	2,000,000.00	9,119,849.84
शिक्षा के लाभार्थियों से परामर्श के प्रभावी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन		
अनुदान	95,638.00	95,638.00
भारत में विदेशी शिक्षा का संस्थान		
डा. सुधांशु भूषण		
अनुदान	384,500.00	384,500.00
पंचायत विकास तथा ग्राम स्वराज के अंतर्गत संस्थानों की योजना तथा प्रबंधन का मजबूतीकरण		
गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय		
डा. जी.डी. शर्मा		
अनुदान	0.00	0.00

भुगतान		2004-2005
शिक्षा व्यवस्था से बाहर के युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के वैकल्पिक तथा नवाचारी पाठ्यक्रम डा. जी.डी. शर्मा		
व्यय	90,236.00	90,236.00
संगोष्ठी : शिक्षा सुधार : वित्तीय सहायता के अंतर्गत सहायक संगठनों के द्वारा परिवर्तन का प्रबंधन डा. (श्रीमती) नजमा अख्तर		
व्यय	135,082.00	135,082.00
श्रीलंका कार्यक्रम		
व्यय	9,400.00	9,400.00
प्राथमिक शिक्षा स्तर पर उड़ीसा के केयोन आर तथा समस्तीपुर जिले में उच्च विद्यालय त्याग दर का कारण		
व्यय	1,115.00	1,115.00
शैक्षिक सेटेलाइट - एडुसैट पर राष्ट्रीय परामर्शकारी कार्यक्रम डा. एम. मुखोपाध्याय		
व्यय	442,347.00	442,347.00
विकेंद्रीकृत जिला योजना पर नीपा-नेपाल परियोजना		
व्यय	3,525,382.00	
व्यय	20,000.00	
व्यय	358,000.00	
आवर्ती जमा	3,000,000.00	6,903,382.00
शिक्षा के लाभार्थियों से परामर्श के प्रभावी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन		
व्यय	0.00	0.00
भारत में विदेशी शिक्षा संस्थान डा. सुधांशु भूषण		
व्यय	281,346.00	281,346.00
पंचायत विकास तथा ग्राम स्वराज के अंतर्गत संस्थानों की योजना तथा प्रबंधन का मजबूतीकरण		
व्यय	1,425.00	1,425.00
गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय डा. जी.डी. शर्मा		
व्यय	129,114.00	129,114.00

प्राप्तियां	2004-2005	
राष्ट्रीय कार्यशाला : पूरा : ज्ञान की संबद्धता - 21 अप्रैल 2004 (एनसीआरआई)		
अनुदान	0.00	0.00
राष्ट्रीय कार्यशाला : पूरा : ज्ञान की संबद्धता (2 दिन) केवीआईसी		
अनुदान	500,000.00	500,000.00
भारत उच्च शिक्षाा में निजी क्षेत्रों की साझेदारी पर शोध अध्ययन डा. जे.एल. आज़ाद		
अनुदान	0.00	0.00
एनट्रिप - डा. आर गोविंदा अनौ. शि./एम.आई.एस.-860.086.3 पर पायलट परियोजना (इंदौर तथा आन्ध्र प्रदेश)		
अनुदान	44,360.00	44,360.00
उच्च शिक्षा में मानव मूल्य तथा कौशल पर संगोष्ठी कालेज प्राचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (नि.अ.आ.)		
अनुदान	0.00	0.00
कौशल प्रशिक्षण पर कार्यशाला (अक्तूबर 25-27, 2004)		
वि.अ.आ. स प्राप्त अनुदान	78,000.00	78,000.00
भारतीय स्कूलों मं संविदाधीन अध्यापकों पर अध्ययन - यूनेस्को डा. आर. गोविंदा तथा श्रीमती वाई जोसेफिन		
अनुदान	85,000.00	85,000.00
जनशाला परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय) पर प्रलेखन (प्रारंभिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग)		
अनुदान	47,500.00	47,500.00
विकास योजना तथा शिक्षा प्रतिपादन क लिए प्रेरक माडल पर यूनेस्को कार्यशाला - 3240052376		
अनुदान	71,712.00	71,712.00

भुगतान		2004-2005
राष्ट्रीय कार्यशाला : पूरा : ज्ञान की संबद्धता (एनसीआरआई)		
व्यय	133,866.00	133,866.00
राष्ट्रीय कार्यशाला : पूरा : ज्ञान की संबद्धता (2 दिन) केवीआईसी		
व्यय	47,952.00	47,952.00
भारत उच्च शिक्षाा में निजी क्षेत्रों की साझेदारी पर शोध अध्ययन डा. जे.एल. आज़ाद		
व्यय	26,000.00	26,000.00
एनट्रिप - डा. आर गोविंदा		
व्यय	1,200.00	1,200.00
अनौ. शि./एम.आई.एस.-**860.086.3** पर पायलट परियोजना (इंदौर तथा आन्ध्र प्रदेश)		
व्यय	408,300.00	408,300.00
उच्च शिक्षा में मानव मूल्य तथा कौशल पर संगोष्ठी कालेज प्राचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (नि.अ.आ.)		
व्यय	129,995.00	129,995.00
कालेज प्राचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम तथा प्रबंधन (यू.जी.सी.)		
व्यय	587,280.00	587,280.00
कौशल प्रशिक्षण पर कार्यशाला (अक्तूबर **25-27, 2004**)		
व्यय	3,100.00	3,100.00
भारतीय स्कूलों मं संविदाधीन अध्यापकों पर अध्ययन - यूनेस्को डा. आर. गोविंदा तथा श्रीमती वाई जोसेफिन		
व्यय	5,045.00	5,045.00
जनशाला परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय) पर प्रलेखन (प्रारंभिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग)		
व्यय	31,010.00	31,010.00
विकास योजना तथा शिक्षा प्रतिपादन क लिए प्रेरक माडल पर यूनेस्को कार्यशाला - **3240052376**		
व्यय	0.00	0.00

प्राप्तियां		2004-2005
के.वी.एस. के शिक्षा अधिकारियों के लिए कार्यशाला (3-7 फरवरी 2005)		
अनुदान	125,000.00	125,000.00
सबके लिए शिक्षा के लक्ष्यों के संबंध में नीतिगत शोध का अध्ययन-यूनेस्को - 3240045487		
अनुदान	243,650.00	243,650.00
सबके लिए शिक्षा विश्वमानीटरिंग रिपोर्ट - हिन्दी रूपांतरण - 3240045487		
अनुदान	710,341.00	710,341.00
सबके लिए शिक्षा - प्रगति की ओर भारत (मा.सं.वि.मं.)		
अनुदान	0.00	0.00
अफ्रीका के बुनियादी विकास में आत्मनिर्भरता उपागम को बढ़ावा (16-18 फरवरी, 2005)		
डा. जे.बी.जी. तिलक		
अनुदान	199,962.00	199,962.00
यूनेस्को शांति शिक्षा		
अनुदान	86,760.00	86,760.00
यूजीसी कार्यशाला (11-12 मार्च, 2005)		
अनुदान	0.00	0.00
जम्मू-कश्मीर के सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त कालेजों के प्राचार्यों के लिए वि.अ.आ. कार्यशाला		
अनुदान	450,000.00	450,000.00
सीमैट के कार्यकलाप : १४ डीपीईपी राज्यों का अध्ययन		
डा. (श्रीमती) प्रमिला मेनन		
अनुदान	0.00	0.00
कुल प्राप्तियां (प्रायोजित कार्यक्रम)	**26,695,517.84**	

भुगतान		2004-2005
केन्द्रीय विद्यालय संगठनों के शिक्षा अधिकारियों के लिए कार्यशाला **3-7** फरवरी, **2005**		
व्यय	69,112.00	69,112.00
सबके लिए शिक्षा यूनेस्को का शोध अध्ययन **- 3240045487**		
व्यय	72,506.00	72,506.00
सबके लिए शिक्षा - विश्वमानीटरिंग रिपोर्ट - हिन्दी रूपांतरण **(3100070082)**		
व्यय	102,200.00	102,200.00
सबके लिए शिक्षा - प्रगति की ओर भारत (मा.सं.वि.मं.)		
व्यय	91,919.00	91,919.00
अफ़्रीका के बुनियादी विकास में आत्मनिर्भरता उपागम को बढ़ावा **(16-18** फरवरी, **2005)** डा. जे.बी.जी. तिलक		
व्यय	62,400.00	62,400.00
यूनेस्को शांति शिक्षा		
व्यय	5,820.00	5,820.00
कालेज शिक्षा विकास और अध्यापक संगठनों की भूमिका पर वि.अ.आ. कार्यशाला **(11-12** मार्च, **2005)**		
व्यय	205,222.00	205,222.00
जम्मू-कश्मीर के सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त कालेजों के प्राचार्यों के लिए वि.अ.आ. कार्यशाला		
व्यय	0.00	0.00
सीमैट के कार्यकलाप : **14** डीपीईपी राज्यों का अध्ययन डा. (श्रीमती) प्रमिला मेनन		
व्यय	165,716.00	165,716.00
कुल व्यय (प्रायोजित कार्यक्रम)	**18,507,537.00**	

प्राप्तियां	2004-2005
प्रेषित धन	
आयकर (वेतन)	1,479,177.00
भविष्यनिधि अंशदान तथा स्टाफ	7,123,440.00
भविष्यनिधि अंशदान तथा स्टाफ	116,960.00
भ.नि. अंशदान/प्रतिनियुक्ता से वसूली	26,664.00
सामूहिक बचत लिंक बीमा	94,560.00
स्टाफ का जीवन बीमा	522,275.00
स्टाफ का जीवन बीमा	884,520.00
सी.जी.ई.जी.आई.एस. (प्रतिनियुक्ता)	1,650.00
आयकर (पार्टी)	97,342.00
प्रतिनियुक्ता से वसूली	9,755.00
प्रतिनियुक्ता का कल्याणकारी योगदान	360.00
प्रतिनियुक्ता स्टाफ का डी.सी.आर.आर.	204.00
रिकवरी बैंक लोन (सिंडीकेट बैंक)	17,663.00
प्रधान मंत्री राहत कोष (सुमानी)	7,569.00
	112,740,132.67

प्रमाणित किया जाता है कि निर्धारित शर्तों का पूरी तरह पालन करते हुए भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान का अपेक्षित प्रयोजनों में उपयोग किया गया है।

ह/-
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

भुगतान		2004-2005
प्रेषित धन		
आयकर (वेतन)		1,479,177.00
भविष्य निधि अंशदान तथा स्टाफ से अग्रिम की वसूली		7,123,440.00
भ.नि. अंशदान/प्रतिनियुक्ता से वसूली		116,960.00
प्रतिनियुक्ता की भ.नि. पेशगी		26,664.00
पे रोल बचत लिंक बीमा		94,540.00
स्टाफ का जीवन बीमा		522,275.00
सोसायटी वसूली		884,520.00
सी.जी.ई.जी.आई.एस. (विभाग)		1,650.00
आयकर (पार्टी)		97,342.00
प्रतिनियोक्ताओं की सोयायटी वसूली		9,755.00
प्रतिनियोक्ताओं की कल्याणकारी अंशदान		360.00
डी.सी.आर.आर. प्रतिनियोक्ता स्टाफ		204.00
प्रतिनियोक्ता स्टाफ लाइसेंस शुल्क		17,663.00
प्रतिनियोक्ता स्टाफ जल प्रभार		7,569.00
रोकड़ बाकी		
अग्रदाय	5,000.00	
बैंक में रोकड़		
1) भारतीय स्टेट बैंक	2,260,111.88	
2) सिंडीकेट बैंक (181)	6,413,341.12	
3) एम.एच.आर.डी. से प्राप्ति	1,000,000.00	
4) सिंडीकेट बैंक (179)	7,491,649.25	
5) सिंडीकेट बैंक (178)	1,885,507.00	
6) भारतीय स्टेट बैंक (15507)	5,159,875.17	
7) केनरा बैंक (25536)	3,485.00	
8) पोस्टेज रोकड़	104,947.00	24,323,916.42
महायोग		**112,740,132.67**

प्रमाणित किया जाता है कि निर्धारित शर्तों का पूरी तरह पालन करते हुए भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान का अपेक्षित प्रयोजनों में उपयोग किया गया है।

ह/-
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

रोकड़ बाकी का विवरण (31 मार्च, 2005)

शीर्ष	*अर्थशेष*	*अनुदान*	*अन्य प्राप्तियां*	*योग*	*भुगतान*	*शेष*
1. योजनेतर	20,590.02	26,479,410.00	6,935,350.26	33,435,350.28	32,929,681.00	505,669.28
2. अनुदान (योजनेतर) (मा.सं. वि.मं. से प्राप्य)	0.00	1,000,000.00	0.00	1,000,000.00	0.00	1,000,000.00
3. योजना	477,281.57	26,053,824.00	200,000.00	26,731,105.57	26,596,879.25	134,226.32
4. प्रायोजित कार्यक्रम	14,517,406.38	26,695,517.84	-	41,212,924.22	18,507,537.00	22,705,387.22
5. एल.आई.सी.	(-) 700.00	-	94,560.00	93,860.00	94,540.00	(-) 680.00
योग	**15,014,577.97**	**18,228,751.84**	**7,229,910.26**	**102,473,240.07**	**78,128,637.25**	**24,344,602.82**

ह/-
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

31 मार्च, 2005 के अनुसार सौंपें गये कार्यक्रमों/अध्ययनों का लेखा प्रपत्र

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
1.	अनौपचारिक शिक्षा की प्रयोगात्मक परियोजना-मूल्यांकन अध्ययन (शिक्षा मंत्रालय)	14,923.36	0.00	14,923.36	0.00	14,923.36
2.	अनौपचारिक शिक्षा सहित प्रारंभिक स्तर की शिक्षा के लिए प्रायोगिक और नवाचारी कार्यक्रम और जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रबंधन सूचना प्रणाली	(-)13,087.70	0.00	(-)13,087.70	0.00	(-)13,087.70
3.	मौजूदा सुविधाओं का अधिकाधिक प्रभावी उपयोग	13,037.00	0.00	13,037.00	0.00	13,037.00
4.	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा	-5,691,112.86	6,197,406.00	506,293.14	4,488,552.00	-3,982,258.86
5.	उच्च शिक्षा में समता, गुणवत्ता और लागत का अध्ययन	1,043.00	0.00	1,043.00	0.00	1,043.00
6.	शिक्षा में प्रतिदर्श सर्वेक्षण तकनीक का प्रयोग	-26,031.00	0.00	-26,031.00	0.00	-26,031.00
7.	शैक्षिक प्रौद्योगिक योजना का मूल्यांकन अध्ययन	182,136.00	0.00	182,136.00	0.00	182,136.00
8.	ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए माध्यमिक स्तर पर छात्रवृत्ति का मूल्यांकन अध्ययन (मा.सं.वि.मं.)	60,645.00	0.00	60,645.00	0.00	60,645.00
9.	केरल में डाइट कार्यक्रम	22,417.00	0.00	22,417.00	0.00	22,417.00
10.	पुस्तकालयों के लिए डाइट कार्यक्रम	18,641.00	0.00	18,641.00	0.00	18,641.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
11.	भारत में चुनिंदा विश्वविद्यालयों का कार्य-विवरण (वि.वि.अ.आ.)	75,348.00	0.00	75,348.00	0.00	75,348.00
12.	महिलाओं की स्थिति का निदानात्मक विश्लेषण	127,283.00	0.00	127,283.00	0.00	127,283.00
13.	शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़े जिलों के महाविद्यालयों का विकास (वि.अ.आ.)	51,081.00	0.00	51,081.00	0.00	51,081.00
14.	आधार रेखा अध्ययन-(केरल) आधार रेखा अध्ययन-(कर्नाटक)	(-) 40,177.00	0.00	(-) 40,177.00	0.00	(-)40,177.00
15.	डी.आई.एस.ई. की स्थापना और संचालन (यूनिसेफ) (डा. अग्रवाल)	-40,488.00	2,761,149.00	2,720,661.00	1,156,519.00	1,564,142.00
16.	डाइट के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (मेनन)	3,554.00	0.00	3,554.00	232,739.00	-229,185.00
17.	भारतीय विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अनुसंधान के स्तर और गुणवत्ता की स्थिति की रिपोर्ट (वि.अ.आ.)	(-) 13,383.00	0.00	(-)13,383.00	0.00	(-)13,383.00)
18.	डी.पी.ई.पी. की योजना और प्रबंधन में दक्षता विकास (डा. वर्गीस)	1,970,957.00	26,321.00	1,997,278.00	129,146.00	1,868,132.00
19.	श्रीलंका के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर एशियाई विकास बैंक प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	8,192.00	0.00	8,192.00	0.00	8,192.00
20.	उच्च शिक्षा पर उप-क्षेत्रीय कार्यशाला (अ.शै.यो.सं.-यूनेस्को-नीपा) (डा. जी.डी. शर्मा)	30,388.00	0.00	30,388.00	0.00	30,388.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
21.	शैक्षिक योजना, प्रबंधन, प्रशिक्षण अनुसंधान के राष्ट्रीय संस्थानों का एशियाई नेटवर्क (5-9 दिसंबर 95) (डा. वर्गीस)	260,351.50	0.00	260,351.50	0.00	260,351.50
22.	शैक्षिक संकेतकों की गुणवत्ता (मा.सं.वि.मं) संविदा सं. 840.972.4/159(161) (डा. ए.सी. मेहता)	714.00	0.00	714.00	0.00	714.00
23.	वि.अ.आ. की ओर से महाविद्यालयों के प्राचार्यो के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (डा. श्रीमती सुधा राव)	100,014.00	0.00	100,014.00	0.00	100,014.00
24.	यू.जी.सी. द्वारा कालेज के प्राचार्यो के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (डा. जी.डी. शर्मा)	-852,301.00	0.00	-852,301.00	587,280.00	-1,439,581.00
25.	शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों के लिए सघन क्षेत्र कार्यक्रम का अध्ययन (डा. पी. मेनन)	221,800.00	0.00	221,800.00	0.00	221,800.00
26.	ई - 9 सम्मेलन (मा.सं.वि.मं.)	(–) 6,361.00	0.00	(–)6,361.00	0.00	(–)6,361.00
27.	शिक्षार्थी संप्राप्ति (दिल्ली डी.पी.ई.पी.) (डा. अग्रवाल)	109,691.00	0.00	109,691.00	0.00	109,691.00
28.	प्राथमिक शिक्षा आकलन और समीक्षा प्रणाली (डा. अग्रवाल)	105,976.00	0.00	105,976.00	0.00	105,976.00
29.	प्राथमिक शिक्षा आकलन और समीक्षा प्रणाली (डा. आर. गोविंदा)	306,907.00	0.00	306,907.00	0.00	306,907.00
30.	अं.शै.यो.सं.-पेरिस (संविदा सं. 97.30.91) (डा. आर. गोविंदा)	412,494.00	0.00	412,494.00	46,514.00	365,980.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
31.	आई.टी.डी.ए. पाडेरू के सभी मंडलों में विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार का समवर्ती आकलन (डा. के. सुजाता)	58,594.00	0.00	58,594.00	0.00	58,594.00
32.	आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना का राष्ट्रीय मूल्यांकन (डा. आर. गोविंदा)	3,094,602.10	0.00	3,094,602.10	138,079.00	2,956,523.10
33.	भारत में उच्च प्राथमिक विद्यालयों (प्रा.शि.सा.) का अध्ययन (डा. एन.वी. वर्गीस)	367,084.00	0.00	367,084.00	0.00	367,084.00
34.	भारत में बुनियादी शिक्षा के क्षेत्र में अ-सरकारी संगठनों की भूमिका (क.सं. 860.163.9)	200,020.00	0.00	200,020.00	0.00	200,020.00
35.	प्राथमिक विद्यालयों की आधारभूत संरचना और सुविधाओं पर आंकड़ा आधार (क.सं. 840.851.8)	28,163.00	0.00	28,163.00	0.00	28,163.00
36.	वि.अ.आ. कार्यक्रम के अंतर्गत संगणक अनुप्रयोग पर अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (डा. सुधा राव)	102,943.00	0.00	102,943.00	0.00	102,943.00
37.	सबके लिए शिक्षा का आकलन (पी) (मा.सं.वि.मं.) (डा. गोविंद)	855,004.00	0.00	855,004.00	444,807.00	410,197.00
38.	सर्व शिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि.मं.)	243,534.00	0.00	243,534.00	0.00	243,534.00
39.	सर्व शिक्षा अभियान पर परियोजना (दो दिन कार्यशाला) (मा.सं.वि.मं.)	370,816.00	2,828,046.00	3,198,862.00	423,392.00	2,775,470.00
	सर्व शिक्षा अभियान पर परियोजना (दो दिन कार्यशाला) (मा.सं.वि.मं.)	240,218.00	0.00	240,218.00	0.00	240,218.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
40.	मानिटरिंग आफ एस.एस.ए.	731,011.00	0.00	731,011.00	46,115.00	684,896.00
41.	उच्च शिक्षा (मा.सं.वि.मं.) (डा. के.सुधा राव)	-64,298.00	0.00	-64,298.00	27,440.00	-91,738.00
42.	'शिक्षा व गुणवत्ता की योजना हेतु परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां' पर कार्यशाला, (आई.आई.ई.पी.) (डा. अग्रवाल) (क.सं. 01.30.23)	-27,356.00	0.00	-27,356.00	0.00	-27,356.00
43.	आंध्र प्रदेश के आश्रम विद्यालयों के प्रमुखों हेतु अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम (22 से 27 मई 2000)	-23,134.00	0.00	-23,134.00	0.00	-23,134.00
44.	भारत में प्राथमिक शिक्षा समर्थन (एल.ए. 93/14 ई.सी. सेक्टर कार्यक्रम एंट्रिप केन्द्र बिन्दु गतिविधियां)	0,634.00	0.00	30,634.00	1,200.00	29,434.00
45.	प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार हेतु क्षमता निर्माण (डा. श्रीमती सुदेश मुखोपाध्याय)	16,087.00	0.00	16,087.00	0.00	16,087.00
45.	भारतीय उच्च शिक्षा के वित्त और प्रबंधन में निजी क्षेत्र की भागीदारी पर योजना आयोग का अध्ययन (डा. जे.एल. आजाद)	50,000.00	0.00	50,000.00	23,198.00	26,802.00
46.	भारत में वित्तीय प्रबंधन की व्यवस्था के विशेष संदर्भ में उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता (प्रथम चरण) आई.सी.एस.एस.आर.	44,200.00	0.00	44,200.00	9,242.00	34,958.00
46.	वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के विशेष संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा का वित्तपोषण (चरण-I) (भा.सा.अ.स.)	26,802.00	0.00	26,802.00	26,000.00	802.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
47.	वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के विशेष संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा का वित्तपोषण (चरण-I) (भा.सा.वि.अ.स.)	105,048.00	0.00	105,048.00	77,544.00	27,504.00
48.	विशेष शिक्षा की जरूरत वाले बच्चों के लिये बेसिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये एकीकृत विद्यालय शिक्षा हेतु प्रशिक्षण माड्यूल विकसित करने के लिये राष्ट्रीय कार्यशाला (क.सं. 860.086.0) (डा. श्रीमती सुदेश मुखोपाध्याय)	55,704.00	0.00	55,704.00	0.00	55,704.00
49.	प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार हेतु राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण हेतु हस्तपुस्तिका (क.सं. 860.046.0)	37,215.00	0.00	37,215.00	0.00	37,215.00
50.	विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में चक्रावृत्ति हैडशीप पर कार्यशाला (24-1-01)	49,347.00	0.00	49,347.00	500.00	48,847.00
51.	उच्च शिक्षा स्तर पर मानवीय मूल्यों और जीवन कौशल की शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला	(–)181,892.00	0.00	(–)181,892.00	0.00	(–)181,892.00
52.	दसवीं पंचवर्षीय योजना के प्रमुख क्षेत्र मा.सं.वि.मं. द्वारा प्रायोजित (26-17 अप्रैल 2003) (डा. एस. मुखोपाध्याय)	(–)2,891.00	0.00	(–)2,891.00	0.00	(–)2,891.00
53.	भारतीय विश्वविद्यालयों में पीएचडी और समकक्ष शोध अध्ययनों की गुणवत्ता (28 - 29 जून 2001)	(–)14,304.00	0.00	(–)14,304.00	0.00	(–)14,304.00

क्र.सं.	कार्यक्रा/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
54.	भारत में शिक्षा का व्यावसायीकरण पर बिड़ला अंबानी पिोर्ट के विशेष संदर्भ में भारत में शैक्षिक विकास पर संगोष्ो	(–)65,867.00	0.00	(–)65,867.00	0.00	(–)65,867.00
55.	विश्व व्यापार संगठन के अधीन व्यपार और शिक्षा	760,143.00	0.00	760,143.00	378,510.00	381,633.00
56.	उच्च शिक्षा में दायित्व के सिद्धांत अंर कार्यव्यवहार पर संगोष्ठी	455,833.00	0.00	455,833.00	0.00	4,558,33.00
57.	निर्णय कर्ा में महिलाएं पर कार्यशाला	275,958.00	0.00	275,958.00	0.00	275,958.00
58.	दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा कार्यक्रम की योजना और अनुश्रवण पर उप-क्षेत्रीय अभिविन्यास प्रशिक्षण और कार्यशाला	668,318.00	0.00	668,318.00	0.00	668,318.00
59.	पंचायत अंर ग्राम स्वराज के स्थायित्व के लिए उच्चशिक्षा संस्थानों की योजना और प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण पर संगोष्ठी	106,265.00	0.00	106,265.00	135,291.00	-29,026.00
60.	वित्तीय सहायता के अंतर्गत संगठन संवर्धन के द्वारा परिवर्तन का प्रबंधन पर संयोष्ठी	188,218.00	0.00	188,218.00	135,082.00	53,136.00
61.	डाइट प्रबंधन के क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रो. एम. मुखोपाध्याय)	805,167.00	0.00	805,167.00	46,910.00	758,257.00
62.	शिक्षित बेरोजगारों के लिए उच्च शिक्षा के वैकल्पिक और नवाचारी पाठ्यक्रम	-58,328.00	135,105.00	76,777.00	90,236.00	-13,459.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
63.	मानित विश्वविद्यालयों पर पुस्तक का विकास	5,386.00	0.00	5,386.00	0.00	5,386.00
64.	इ एम आइ एस परियोजना	111,378.00	0.00	111,378.00	0.00	111,378.00
65.	मानवीय मूल्यों और जीवन शैली की शिक्षा (28.1.02) प्रो. मुखोपाध्याय	-157,349.00	0.00	-157,349.00	0.00	-157,349.00
66.	भूटान सरकार के अधिकारियों के लिए कार्यालय प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	363,940.00	44,360.00	408,3000.00	408,300.00	0.00
67.	अध्यापक शिक्षा संस्थानों के दक्षता विकास में कार्यक्रम	49,859.00	0.00	49,859.00	0.00	49,859.00
68.	जिला स्तर पर अनौपचारिक शिक्षा का मानचित्रण तथा मापन की व्याप्त विधि की प्रासंगिकता और अनुप्रयोगता पर यूनेस्को द्वारा प्रायोजित उपयोगिता अध्ययन (डा. अग्रवाल)	(-)722.00	0.00	(-)722.00	0.00	(-)722.00
69.	श्रीलंका कार्यक्रम	2,528,739.00	0.00	2,528,739.00	9,400.00	2,519,339.00
70.	प्राथमिक स्तर पर उच्च त्याग दर	-2,077.00	0.00	-2,077.00	1,115.00	-3,192.00
71.	माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए अभ्यास चरण	(-)39,001.00	0.00	(-)39,001.00	0.00	(-)39,001.00
72.	मानवीय मूल्यों में शिक्षा पर संगोष्ठी तथा उच्च शिक्षा में दक्षता	198,272.00	0.00	198,272.00	0.00	198,272.00
73.	शिक्षा में भ्रष्टाचार यूनेस्को नीतिशास्त्र (प्रो. बी.पी. खण्डेलवाल)	19,247.00	0.00	19,247.00	0.00	19,247.00
74.	विकेंद्रीकृत जिला योजना पर नेपाल परियोजना (डा. अग्रवाल)	2,882,676.33	9,119,849.84	12,002,526.17	6,903,382.00	5,099,144.17

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
75.	यूनेस्को का अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम आंध्र प्रदेश के पाइलट क्रियान्वयन करार सं. 860053.06	96,200.00	0.00	96,200.00	0.00	96,200.00
76.	राष्ट्रीय योग्यता फ्रेम (यू.जी.सी.) डा. जी.डी. शर्मा	49,610.00	0.00	49,610.00	0.00	49,610.00
77.	प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय	60,079.00	0.00	60,079.00	0.00	60,079.00
78.	निजी शिक्षा प्रबंधकों के लिए नीति तथा प्रणाली पर कार्यक्रम	-104,229.00	0.00	-104,229.00	0.00	-104,229.00
79.	विश्वविद्यालयों के कुलपति के चयन हेतु पूर्व योग्यता चिन्हन	-174,139.00	0.00	-174,139.00	0.00	-174,139.00
80.	समीक्षा तथा मानिटरिंग पर उपक्षेत्रीय कार्यशाला 860.124.3 (डा. एस. मुखोपाध्याय)	744,470.65	0.00	744,470.65	41,700.00	702,770.65
81.	एडुसेट (डा. एम. मुखोपाध्याय)	359,070.00	0.00	359,070.00	442,347.00	-83,277.00
82.	स्कूल शिक्षा बोर्ड	526,331.00	1,980,218.00	2,506,549.00	297,465.00	2,209,084.00
83.	केंद्रीय तिब्बती स्कूल	67,729.00	0.00	67,729.00	0.00	67,729.00
84.	प्रभावी स्कूल प्रबंधन	197,923.00	0.00	197,923.00	0.00	197,923.00
85.	भारत में विदेशी शिक्षा संस्थान (डा. सुधांशु भूषण)	-24,742.00	384,500.00	359,758.00	281,346.00	78,412.00
86.	गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय	165,260.00	0.00	165,260.00	129,114.00	36,146.00
87.	यूनेस्को यू.आई.एस. (डा. ए.सी. मेहता)	-98,609.00	0.00	-98,609.00	0.00	-98,609.00
88.	मानद विश्वविद्यालय का योगदान	-5,386.00	0.00	-5,386.00	0.00	-5,386.00
89.	यूनेस्को ए.एम.आई.एस. इंदौर पायलट	-56,181.00	0.00	-56,181.00	0.00	-56,181.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
90.	बौद्धिक संपदा, शिक्षा शोध तथा वंचितजन हेतु कार्यक्रमों के अन्तर्गत गेट के कार्यान्वयन, भावी राजनीतियों के अधीन उच्च शिक्षा पर दो दिन का राष्ट्रीय सम्मेलन	0.00	525,000.00	525,000.00	389,515.00	135,485.00
91	राष्ट्रीय कार्यशाला: पूरा : ज्ञान की संबद्धता (2 दिन) केवीआईसी (11-12 जून, 2004)	0.00	500,000.00	500,000.00	47,952.00	452,048.00
92	शिक्षा के लाभार्थियों से सतत् परामर्श की प्रभावी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन (3-4 मार्च 2004)	-95,638.00	95,638.00	0.00	0.00	0.00
93	कौशल प्रशिक्षण पर कार्यशाला (25-27 अक्तूबर, 2004)	0.00	78,000.00	78,000.00	3,100.00	74,900.00
94	भारतीय स्कूलों मं संविदाधीन अध्यापकों पर अध्ययन - यूनेस्को डा. आर. गोविंदा तथा श्रीमती वाई जोसेफिन	0.00	85,000.00	85,000.00	5,045.00	79,955.00
95	जनशाला परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय) पर प्रलेखन (प्रारंभिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग)	0.00	47,500.00	47,500.00	31,010.00	16,490.00
96	विकास योजना तथा शिक्षा प्रतिपादन के लिए प्रेरक माडल पर यूनेस्को कार्यशाला क्र. सं. 3240052376	0.00	71,712.00	71,712.00	0.00	71,712.00
97	केन्द्रीय विद्यालय संगठनों के शिक्षा अधिकारियों के लिए कार्यशाला (3-7 फरवरी, 2005)	0.00	125,000.00	125,000.00	69,112.00	55,888.00
98	सबके लिए शिक्षा यूनेस्को का शोध अध्ययन - 3240045487	0.00	243,650.00	243,650.00	72,506.00	171,144.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
99	सबके लिए शिक्षा-विश्वमानीटरिंग रिपोर्ट - हिन्दी रूपांतरण -3100070082	0.00	710,341.00	710,341.00	102,200.00	608,141.00
100	सबके लिए शिक्षा-प्रगति की ओर भारत (मा.सं.वि.मं.)	0.00	0.00	0.00	91,919.00	-91,919.00
101	अफ्रीका के बुनियादी विकास में आत्मनिर्भरता उपागम को बढ़ावा (16-18 फरवरी, 2005)	0.00	199,962.00	199,962.00	62,400.00	137,562.00
102	यूनेस्को शांति शिक्षा	0.00	86,760.00	86,760.00	5,820.00	80,940.00
103	जम्मू-कश्मीर के सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त कालेजों के प्राचार्यों के लिए वि.अ.आ. कार्यशाला	0.00	450,000.00	450,000.00	0.00	450,000.00
104	सीमैट के कार्यकलाप : 14 डीपीईपी राज्यों का अध्ययन					
105	कालेज शिक्षा विकास और अध्यापक संगठन की भूमिका पर वि.अ.आ. कार्यशाला (11-12 मार्च, 2005)	0.00	0.00	0.00	205,222.00	-205,222.00
	कुल योग	**14,517,406.38**	**26,695,517.84**	**41,212,924.22**	**18,507,537.00**	**22,705,387.22**

विशिष्ट परियोजना के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सभी अपेक्षित शर्तों को पूरा करते हुये निर्धारित प्रयोजनों के लिए प्राप्त अनुदानों का उपयोग किया गया है।

ह/-
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नईदिल्ली-110016

ह/-
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नईदिल्ली-110016

ह/-
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नईदिल्ली-110016

31 मार्च 2005 को समाप्त वित्तीय वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

आय	31-3-2004 को समाप्त वर्ष	31-3-2005 को समाप्त वर्ष	व्यय	31-3-2004 को समाप्त वर्ष	31-3-2005 को समाप्त वर्ष
भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	48,815,570.00	53,533,234.00	अधिकारी वेतन व्यय	5,161,605.00	8,326,016.00
			स्थापना व्यय	7,529,730.00	8,347,132.00
छात्रावास किराया	1,562,411.00	2,132,712.50	स्टाफ के भत्ते पर व्यय	12,751,366.00	8,947,903.00
अन्य आय	771,264.79	788,757.79	पेंशन तथा अंशदान पर व्यय	4,592,609.00	3,799,193.00
ब्याज पर आय	5,170,527.60	6,752,208.97			
अन्य आय	0.00	21,215,823.89	भविष्य निधि व्याज पर व्यय	2,698,410.00	2,889,519.00
			बोनस	262,736.00	249,768.00
			अध्येतावृत्ति और पुरस्कार	454,865.00	388,129.00
			प्रकाशन व्यय	289,250.00	157,429.00
			अनुसंधान अध्ययन	1,807,193.00	1,686,811.25
			अकादमिक गतिविधियां	17,662,806.50	19,360,835.00
			अन्य प्रभार (आवर्ती)	0.00	24,728.00
			बेकार संपत्ति	0.00	1,119,967.00
			अवमूल्यन	0.00	29,125,306.90
			व्यय से अधिक आय	2,464,518.00	0.00
			व्यय से अधिक आय (धनदाता एजेंसी)	644,684.89	0.00
योग	**56,319,773.39**	**84,422,737.15**	**योग**	**56,319,773.39**	**84,422,737.15**

ह/-
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

31 मार्च 2005 को समाप्त वित्तीय वर्ष का तुलन पत्र

देयताएं	31-3-2004 को समाप्त वर्ष	31-3-2005 को समाप्त वर्ष	परिसंपत्तियां	31-3-2004 को समाप्त वर्ष	31-3-2005 को समाप्त वर्ष
पूंजीकृत निधि	107,139,845.17	108,596,205.17	अचल संपत्ति	107,362,625.93	80,457,559.03
उपहार और दान	222,780.76	234,952.76	सी पी डब्ल्यू डी को पेशगी	753,596.00	3,406,377.00
आय से अधिक	4,482,436.19	0.00	प्रायोजकों से वसूली योग्य अनुदान	7,879,084.56	7,384,673.56
आयोजित अनुदान में अव्यक्ति धन राशि	22,396,490.94	30,090,060.78	भ. नि. निवेश	36,802,088.00	39,805,067.00
भविष्य निधि	36,802,088.00	39,805,067.00		34,334.00	34,334.00
लेनदार/प्रतिभूति जमा	66,000.00	117,000.00	वसूली योग्य पेशगियां	1,759,896.00	5,058,346.00
			प्राप्य अनुदान	1,990,570.00	1,000,000.00
			हस्तगत रोकड़ / अग्रदाय / स्टैम्प	5,000.00	109,947.00
			बैंक शेष	12,998,321.57	23,213,969.42
			हास्टल से आय	1,524,125.00	1,639,625.00
			व्यय से अधिक	0.00	16,733,387.70
योग	**171,109,641.06**	**178,843,285.71**	**योग**	**171,109,641.06**	**178,843,285.7**

ह/-
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

वर्ष 2004-2005 के लिए

जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. की प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

2003-2004	प्राप्तियां	2004-2005	2003-2004	भुगतान	2004-2005
501,215.00	अर्थशेष	5,177,824.00	6,368,141.00	जी.पी.एफ. पेशगियां और निकासी	7,001,624.00
6,709,587.00	जी.पी.एफ. अंशदान और पेशगियों की वापसी	7,699,084.00	120,000.00	सी.पी.एफ. पेशगियां और निकासी	800,000.00
537,000.00	सी.पी.एफ. अंशदान और पेशगियों की वापसी	216,000.00	11,400,000.00	२००२.२००३ में किया गया निवेश	11,700,000.00
12,620,000.00	एफ.डी. नगदीकरण	8,050,000.00			
2,230,497.00	जी.पी.एफ. पर अदा किया गया ब्याज	2,464,755.00	5,177,824.00	अंत शेष	4,530,803.00
284,034.00	सी.पी.एफ. पर अदा किया गया ब्याज	230,741.00			
103,182.00	सरकारी अंशदान	113,130.00			
80,450.00	सरकारी अंशदान पर ब्याज	80,893.00			
23,065,965.00	योग	**24,032,427.00**	**23,065,965.00**	योग	**24,032,427.00**

ह/-
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

ह/-
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली-110016

वर्ष 2004-05 के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के लेखाओं पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

1. प्रस्तावना

पहले, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के रूप में जाना जाने वाले राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (रा.शै.यो.प्र.सं.) की, समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक समिति के रूप में, मई 1979 में स्थापना की गई थी। संस्थान का मुख्य उद्देश्य अध्ययन तथा नए विचार तथा तकनीक उत्पन्न करने के साधनों द्वारा शैक्षिक योजना और प्रशासन में श्रेष्ठता लाने के लिए, केंद्रीय तथा राज्य सरकारों के वरिष्ठ शैक्षिक अधिकारियों के लिए सेवा-पूर्व तथा सेवा के दौरान का प्रशिक्षण, सम्मेलन, कार्यशालाओं,सेमिनारों आदि का आयोजन करने, शैक्षिक योजना तथा प्रशासन के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान करने की जिम्मेवारी लेने, सहायता देने तथा समन्वित करने तथा इन उद्देश्यों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रिन्ट तैयार करने तथा कागजात, पत्रिकाएँ और पुस्तकें प्रकाशित करने का एक राष्ट्रीय केंद्र बनना है।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान के लेखाओं की लेखापरीक्षा नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य,शक्तियां और सेवा शर्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक को सौंपी गई है। संस्थान का वित्तपोषण मुख्यतः केंद्रीय सरकार से प्राप्त अनुदानों द्वारा होता है। वर्ष 2004-05 के दौरान इसने भारत सरकार,मानव संसाधन विकास मंत्रालय से 5.35 करोड़ रु. (योजनागतः 2.60 करोड़ रु. तथा योजनात्तरः 2.75 करोड़ रु.) के कुल अनुदान प्राप्त किये। इसके अतिरिक्त रा.शै.यो.प्र.सं. के पास अथशेष के रूप में वर्ष 2003-04 का 4.97 लाख रु. का अव्ययितअनुदान का शेष भी था तथा इसने 72.30 लाख रु. अन्य आय के रूप में प्राप्त किए थे। उपलब्ध कुल अनुदानों में से संस्थान 5.96 करोड़ रु. (योजनागतः 2.66 करोड़ रु. तथा योजनात्तरः 3.30 करोड़ रु.) की राशि का उपयोग कर सकी तथा 31 मार्च 2005 को 16.39 लाख रु. का बकाया (योजनागतः 1.34 लाख रु. तथा योजनात्तर रु 15. 05 लाख रु.) शेष अप्रयुक्त अनुदान रहा। इसके अतिरिक्त अन्य एजेंसियो से जैसे कि आई.डी.ई.पी.ए., ई.डी.यु.एस. ए.टी., विकेंद्रीकृत जिला योजना पर नेपाल परियोजना इत्यादि से 2.67 करोड़ रु. के भी अनुदान प्राप्त किये।

लेखाओं पर टिप्पणियाँ

2. तुलन पत्र

2.1 परिसम्पत्तियाँ

2.1.1. परिसम्पत्तियों और देयताओं का कम बताया जाना - 30 लाख रु.

रा.शै.यो.प्र.सं. ने वर्ष 2004-05 में नेपाल परियोजना निधि में से स्थायी जमा में 30 लाख रु. निवेश किये थे जो कि तुलन पत्र में नहीं दर्शाये गये और केवल बकाया राशि देयता के रूप में दिखायी गई। इसके परिणामस्वरूप सम्पत्ति और देयताओं को 30 लाख रु. से कम बताया गया।

2.1.2. परिसम्पत्तियों को के.लो.नि.वि. के अंतर्गत 3.98 लाख रु. तक कम बताया जाना।

रा.शै.यो.प्र.सं. ने तुलनपत्र के परिसम्पत्तियों के पक्ष में 'के.लो.नि.वि. से साथ अग्रिम' शीर्ष के अंतर्गत 34.06 लाख रु. दर्शाये थे। तथापि उपलब्ध विवरणों के अनुसार, राशि 38.04 लाख रु. थी।

इसके परिणामस्वरूप के.लो.नि.वि. के पास अग्रिम' के अंतर्गत 3.98 लाख रु. का अन्तर पाया गया तथा अग्रिमो को कम बताया गया।

2.1.3. परिसम्पत्तियों का 3.52 लाख रु. से कम बताया जाना

मूल्यांकित प्रकाशन के स्टाक रजिस्टर तथा संबंधित अन्य अभिलेखों की जॉच से प्रकट हुआ कि 31 मार्च 2005 को स्टाक में 3.52 लाख रु. की राशि की मूल्यांकित पुस्तकों तथा पत्रिकाओं (जे.ई.पी.ए.) के मूल्य का अंतशेष था जिन्हें तुलनपत्र के परिसम्पति पक्ष के अथ शेष के मूल्य में शामिल नहीं किया गया था इसके परिणाम स्वरूप परिसम्पत्तियों को उतनी ही राशि से कम बताया गया था।

2.1.4. परिसम्पत्तियों का 4.07 लाख रु. से कम बताया जाना।

यात्रा भत्ता अग्रिम रजिस्टर के अनुसार 31 मार्च 2005 को यात्रा भत्ता अग्रिम के 4.07 लाख रु. की राशि बकाया थी। तथापि बकाया अग्रिम को तुलनपत्र में नहीं दर्शाया गया था क्योंकि इसे व्यय के अन्तिम शीर्ष को भारित किया गया था। इसके परिणाम स्वरूप 4.07 लाख रु. के व्यय की अत्योक्ति और परिसम्पत्तियों की न्यूनोक्ति हुई।

2.1.5. परिसम्पत्तियों का 0.96 लाख रु. से कम बताया जाना।

वर्ष 2005 के लिए पत्रिकाओं के अग्रिम अभिदान के रु. में 0.96 लाख रु. भुगतान किये गये परन्तु मार्च 2005 तक ये पत्रिकाये प्राप्त नहीं की गई थी।

यह राशि तुलनपत्र के परिसम्पत्ति पक्ष के 'अभिदान के अग्रिम भुगतान' के पक्ष में नहीं दर्शायी गई थी। इसके परिणामस्वरूप समान राशि की परिसम्पत्तियों की न्यूनोक्ति और व्यय की अत्योक्ति हुई।

2.1.6. परिसम्पत्तियों का 0.71 लाख रु. से कम बताया जाना।

रा.शै.यो.प्र.सं. का एक वरिष्ठ सदस्य कर्नाटक की राज्य सरकार में प्रतिनियुक्ति पर था। रा.शै.यो.प्र.सं. ने कर्नाटक सरकार से उसके लिये अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान प्राप्त किया। वर्ष 2004-05 के लिए अप्रैल 2005 में अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान के प्रति 0.71 लाख रु. प्राप्त किये जो कि तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष में प्राप्य के तौर पर नहीं दर्शाये गये। इसके परिणामस्वरूप परिसम्पत्तियों को 0.71 लाख रुपये से कम बताया गया।

2.1.7. परिसम्पत्तियों के मूल्य को परिसम्पत्ति रजिस्टर द्वारा संशोषण नहीं किया गया।

(1) तुलन पत्र में दर्शायी गई मूल्य की शुद्धता को सत्यापित नहीं किया जा सका क्योंकि सामान्य वित्तीय नियम, 2005 के नियम 190(2) (i) के अंतर्गत निर्धारित फार्म 40 में परिसम्पत्ति रजिस्टर अनुरक्षित नहीं किया गया था।

(ii) पुस्तकालय से संबंधित परिसम्पत्ति/सहायक रजिस्टर में परिसम्पत्ति में दर्शाये गये अद्यतन प्रगामी जोड़ परिकलित नहीं किये गये थे। अतः तुलन पत्र में दर्शाये गये परिसम्पत्तियों/पुस्तकालय पुस्तकों के मूल्य को परिसम्पत्ति/सहायक रजिस्टर में दर्ज किये गये परिसम्पत्ति/पुस्तकों के मूल्यों के साथ समाशोधित नहीं किये गये थे।

2.2 देयताएँ

2.2.1 जे.ई.पी.ए की अभिदान की अग्रिम प्राप्ति के लिए देयताओं को न्यूनोक्ति और आय को अतियोक्ति 0.57 लाख रु.

रा.शै.यो.प्र.सं. ने वर्ष 2004-05 के दौरान 1.46 लाख रु. अभिदान के रूप में इसके द्वारा प्रकाशित शैक्षिक योजना और प्रशासन की पत्रिकाओं (जे.इ.पी.ए.) के रूप में प्राप्त किये गये। इसमें अप्रैल 2005 से आगे के निर्गमन के लिए 0.57 लाख रु. का अग्रिम अभिदान शामिल था। तथापि इसे तुलन पत्र के देयता पक्ष में नहीं दर्शाया गया था। इसके परिणामस्वरूप 0.57 लाख रु. की देयताओं की न्यूनोक्ति और आय की अतियोक्ति हुई।

3 सामान्य

3.1 निवेश पद्धति से विपथन

भारत सरकार वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 6 मार्च 2003 द्वारा गैर सरकारी भविष्य निधियों अधिवर्षिता निधियों तथा उपदान निधियों की बढ़ोतरी/वृद्धि के निवेश पद्धति के लिए निर्धारित प्रतिमान है। रा.शै.यो.प्र.सं. द्वारा भारत सरकार के निर्धारित निवेश प्रतिमान की पद्धति के विरुद्ध सार्वजनिक ऋण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत 3.73 करोड़ (93.72 प्रतिशत) बैंक में स्थायी जमा में तथा 25 लाख रु. (6.28 प्रतिशत) केंद्रीय सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश किये गये थे।

3.2 मूल्यह्रास

रा.शै.यो.प्र.सं. ने वर्ष 2003-04 के दौरान स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्य ह्रास परिमाणित नहीं किया था किन्तु मूल्य ह्रास की मात्रा को परिकलित और उसे "लेखाओं पर टिप्पणियों" में प्रकट किया था। रा.शै.यो.प्र.सं. ने 2004-05 के दौरान आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार परिसम्पत्तियों पर मूल्य ह्रास की दरों का उपयोग किया जो कि गत वर्ष में अपनाये जाने वाली दरों से बहुत अधिक थे अतः आय एवं व्यय लेखा में 2.91 करोड़ रुपये की राशि प्रभारित की गई।

3.3. लेखाओं का प्रारूप

आय एवं व्यय लेखा की अनुसूची 3 में 2.12 करोड़ रु. का अधिक व्यय का स्थानान्तरण दर्शाया गया तत्पश्चात् परिणामिक 1.67 करोड़ रु. का तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष में स्थानान्तरण, लेखाओं के नये प्रारूप के अनुसार नहीं हैं।

4. आन्तरिक लेखापरीक्षा

रा.शै.यो.प्र.सं. में आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली नहीं थी। भारत सरकार से इतनी बड़ी राशि के अनुदानों को प्राप्त किये जाने और इनके कार्यकलापों के विस्तृत क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए वहाँ पर एक प्रभावशाली आन्तरिक लेखापरीक्षा की स्थापना की जाने की तुरन्त आवश्यकता है। आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रबंधन तथा लेखापरीक्षा समिति के लिए वित्तीय सत्यनिष्ठा तथा उसकी सूचना के संचालन तथा उसकी विश्वसनीयता पर अनुवीक्षण करने का एक तंत्र है। यह प्रबंधन को, बजट प्रावधान की उपलब्धता, सक्षम प्राधिकारी द्वारा संस्वीकृतियों का जारी करना और किसी भी व्यय को करने से पूर्व सभी संहिता औपचारिकताओं का अपनाने हेतु उचित आश्वासन प्रदान करेगी।

5. लेखापरीक्षा टिप्पणियों का तुलन पत्र, आय एवं व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं पर निवल प्रभाव

पूर्ववर्ती पैराओं में सम्मिलित लेखापरीक्षा टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि परिसम्पत्तियों को 43.24 लाख रु. कम बताया गया, देयताओं को 30.57 लाख रु. कम बताया गया। आय को 0.57 लाख रु. अधिक तथा व्यय को 5.03 लाख रु. अधिक बताया गया था।

ह./.
महानिदेशक लेखापरीक्षा
केंद्रीय राजस्व

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 5.6.06

लेखा परीक्षा प्रमाणपत्र

मैने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के 31 मार्च 2005 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखे, आय एवं व्यय लेखे तथा 31 मार्च 2005 के तुलन पत्र की जॉच कर ली हैं । मैने सभी अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकण प्राप्त कर लिए हैं तथा संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों जिसमें अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित प्रमुख लेखा परीक्षा अभ्युक्तियॉ जिसमें से अधिकांशतः कई वर्षो से बनी हुई है, निहित है, के अधीन रहते हुए:

- परिसम्पत्तियों को 43.24 लाख तक कम बताया गया (पैरा 2.1.1. से 2.1.6)

अपनी लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप, मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में, मेरी सर्वोतम जानकारी तथा मुझे दिये गए स्पष्टीकरण तथा संगठन की बहियों में दर्शाए गये उल्लेखों के अनुसार, ये लेखे और तुलन पत्र उपयुक्त रूप से तैयार किये गये हैं और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान,नई दिल्ली के कार्यकलापों का सही एवं उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

ह./.
महानिदेशक लेखापरीक्षा
केंद्रीय राजस्व

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 5.6.06